विकसित भारत समाचार

वर्ष : 10 | अंक : 30 | गुवाहाटी | गुरुवार, 24 अगस्त, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12

| VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

चंद्रमा पर भारत का विश्वविजयी तिरंगा

चंदामामा के घर पहुंची भारत माता : बच्चे

नई दिल्ली (हि.स.)। चांद की धरती पर उतरकर भारत ने बुधवार को इतिहास रच दिया। चंद्रयान-3 का विक्रम लैंडर तय समय पर 6 बजकर 4 मिनट पर चांद के उस हिस्से पर उतरा, जहां आज तक कोई भी नहीं पहुंचा था। इस ऐतिहासिक पल का सीधा प्रसारण होने से पूरा देश चंद्रयान-3 के चंद्रमा पर कदम रखने की ऐतिहासिक घटना का गवाह बना। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी ब्रिक्स सम्मेलन में हिस्सा लेने गए साउथ अफ्रीका से इस ऐतिहासिक पल के साक्षी बने। अमेरिका, रूस और चीन भारत से पहले चांद पर सॉफ्ट लैंडिंग कर चुके हैं, इसलिए भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के मून मिशन पर नासा सहित पूरी दुनिया की निगाहें टिकी थीं, क्योंकि इसका सबसे बड़ा कारण यह रहा कि आज भारत का चंद्रयान-3 उस जगह पर उतरा है, जहां पर आज तक कोई देश नहीं पहुंच सका था। बच्चों ने कहा चंदा मामा के घर पहुंची भारत मां। बेंगलुरु के इसरो कमांड सेंटर में वैज्ञानिकों की पूरी टीम के लिए यह बेहद अहम और तनाव भरा समय रहा, लेकिन भारत के चांद के दक्षिणी ध्रुव पर जाने वाला दुनिया का पहला देश बनते ही सारे वैज्ञानिक खुशी से झूम उठे और एक दूसरे को बधाई दी। चांद का दक्षिणी ध्रुव बेहद खास और रोचक इसलिए है, क्योंकि यहां हमेशा अंधेरा रहता है। साथ ही उत्तरी ध्रुव की तुलना में यह काफी बड़ा भी है। हमेशा अंधेरे में होने के कारण यहां पानी होने की संभावना भी जताई जा रही है। इसरो ने चांद के इस हिस्से में मौजूद क्रेटर्स में सोलर सिस्टम के जीवाश्म होने की संभावना भी जताई है। चंद्रयान-3 से भेजा गया प्रज्ञान रोवर चांद के दक्षिणी ध्रुव की सतह पर घूम कर इन सब बातों का पता लगाएगा। भारत का चंद्रयान-3 मिशन अब तक के मिशनों से अलग है। इस मिशन से व्यापक भौगौलिक, मौसम संबंधी अध्ययन और चंद्रयान-1 द्वारा खोजे गए खनिजों का विश्लेषण करके चंद्रमा के अस्तित्व में आने और उसके क्रमिक विकास की और ज्यादा जानकारी मिल पाएगी। चंद्रमा पर रहने के दौरान कई और परीक्षण भी किए जाएंगे, जिनमें चांद पर पानी होने की पुष्टि और वहां अनूठी रासायनिक संरचना वाली नई किस्म की चट्टानों का विश्लेषण शामिल हैं। चंद्रयान-3 से चांद की भौगोलिक संरचना, भूकंपीय स्थिति, खनिजों की मौजूदगी और उनके वितरण का पता लगाने, सतह की रासायनिक संरचना, ऊपर मिट्टी की ताप भौतिकी विशेषताओं का अध्ययन करके चंद्रमा के अस्तित्व में आने तथा उसके क्रमिक विकास के बारे में नई जानकारियां मिल सकेंगी। चंद्रयान-3 का रोवर प्रज्ञान 6-पहिए वाला एक रोबोट वाहन है, जो संस्कृत में *ज्ञान* शब्द से लिया गया है। रोवर प्रज्ञान 500 मीटर (आधा किलोमीटर) तक यात्रा कर सकता है और सौर ऊर्जा की मदद से काम करता है। यह सिर्फ लैंडर के साथ संवाद कर सकता है। चांद की सतह पर लैंडिंग के करीब 2 घंटे के बाद विक्रम लैंडर का रैंप खुलेगा। इसी के जरिए 6 पहियों वाला प्रज्ञान रोवर चांद की सतह पर उतरेगा। इसी के जरिए चंद्रमा के दक्षिण ध्रुवीय क्षेत्र के अब तक के अछूते भाग के बारे में जानकारी मिलेगी। इसका वजन 27 किलोग्राम और विद्युत उत्पादन क्षमता 50 वॉट है। यह चांद की सतह पर मौजूद पानी या बाकी तत्वों का बारीकी से परीक्षण करेगा। भारत ने पहली बार किसी उपग्रह पर अपने किसी यान की सॉफ्ट लैंडिंग कराई है। इस मिशन के सफल होने पर भारत दुनिया का चौथा देश बन गया है, जिसके पास सॉफ्ट लैंडिंग की स्वदेशी तकनीक है। सॉफ्ट लैंडिंग में खतरे भी बहुत होते हैं और तमाम सावधानियां भी बरतनी पड़ती हैं। हवाई जहाज से कूदने पर थोड़ी ऊंचाई के बाद पैराशूट खोलकर जमीन पर उतरने को भी *सॉफ्ट लैंडिंग* कहा जाता है। अगर हवाई जहाज से कूदने वाला व्यक्ति पैराशूट न खोले, तो वह गुरुत्वाकर्षण शक्ति के प्रभाव और अपने वजन की वजह से तेजी से जमीन पर टकराएगा, जिससे उसे भारी नुकसान हो सकता है या उसकी मौत भी हो सकती है, लेकिन पैराशूट की वजह से वह सॉफ्ट लैंडिंग करता है। इसी तरह एयरपोर्ट पर लैंडिंग के वक्त विमान का पायलट पहले *-शेष पृष्ठ दो पर*

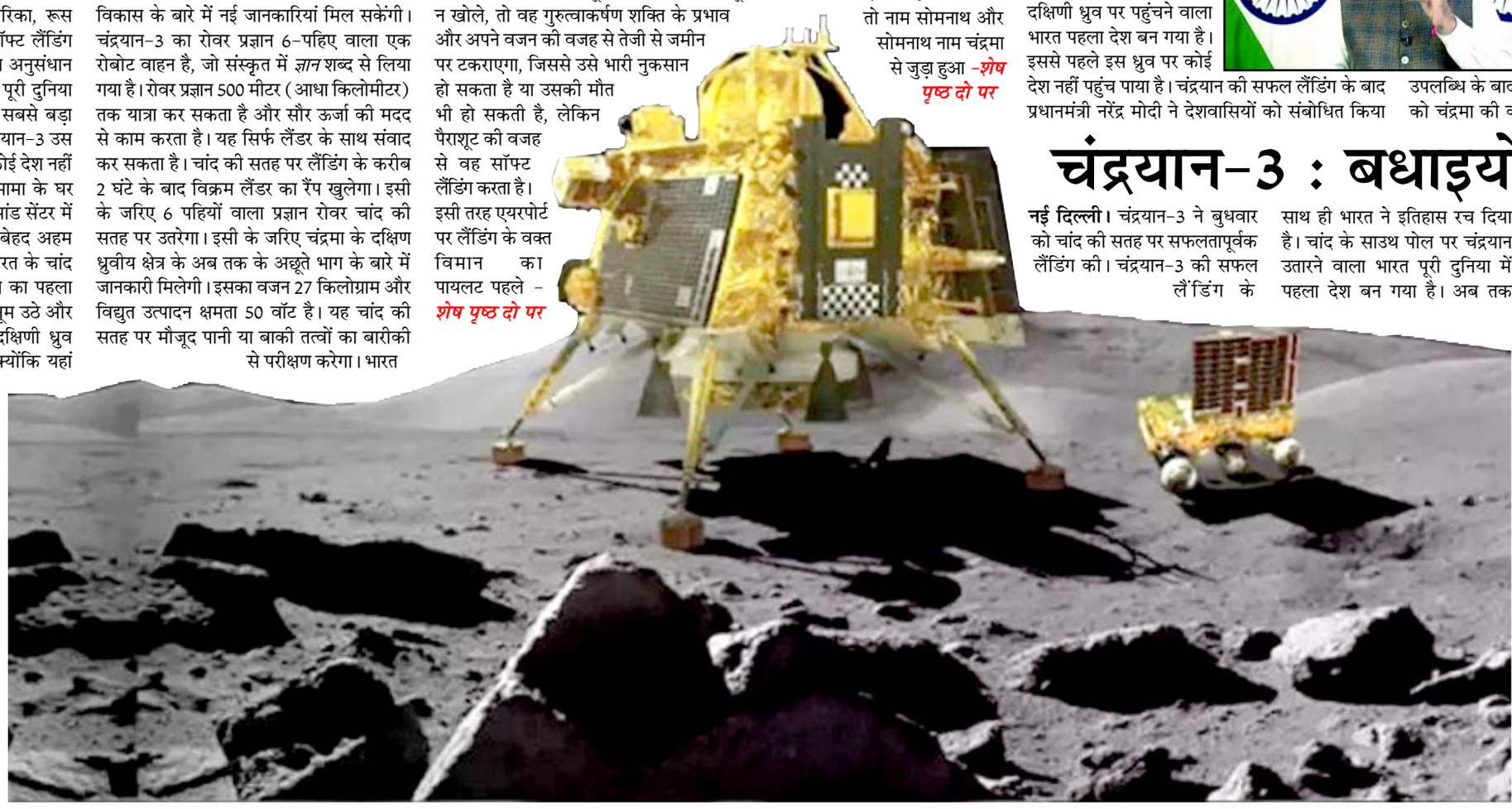

पीएम ने दी फोन से बधाई

नई दिल्ली। चंद्रयान-3 की सफल सॉफ्ट लैंडिंग के बाद पीएम मोदी ने इसरो प्रमुख एस सोमनाथ से फोन पर बातचीत की। पीएम मोदी ने इसरो प्रमुख को चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग को लेकर दक्षिण अफ्रीका से फोन किया और बधाई दी है। पीएम मोदी ने कहा कि आपका तो नाम सोमनाथ और सोमनाथ नाम चंद्रमा से जुड़ा हुआ *-शेष पृष्ठ दो पर*

चांद के बाद अब सूर्य पर कदम रखेगा इसरो : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली। चंद्रयान 3 ने बुधवार को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचने के साथ ही इतिहास रच दिया है। चंद्रयान3 ने छह बजकर चार मिनट पर चंद्रमा की सतह को छुआ। दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचने वाला भारत पहला देश बन गया है। इससे पहले इस ध्रुव पर कोई देश नहीं पहुंच पाया है। चंद्रयान की सफल लैंडिंग के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों को संबोधित किया और उन्होंने इसरो के वैज्ञानिकों को बधाई दी। चंद्रयान3 की सफलता के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने नए मिशन का एलान कर दिया है। उन्होंने कहा कि गगनयान के साथ जल्द ही इसरो मिशन सूर्य लॉन्च करने जा रहा है। चंद्रयान महाभियान की यह उपलब्धि के बाद पीएम मोदी ने कहा कि भारत की उड़ान को चंद्रमा की कक्षाओं से आगे *-शेष पृष्ठ दो पर*

चंद्रयान-3 : बधाइयों का तांता

नई दिल्ली। चंद्रयान-3 ने बुधवार को चांद की सतह पर सफलतापूर्वक लैंडिंग की। चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग के साथ ही भारत ने इतिहास रच दिया है। चांद के साउथ पोल पर चंद्रयान उतारने वाला भारत पूरी दुनिया में पहला देश बन गया है। अब तक किसी भी देश ने ऐसा नहीं किया था। चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग के साथ ही देश-दुनिया के नेताओं ने इसरो के वैज्ञानिकों और भारतवासियों को बधाई दी। चंद्रमा पर चंद्रयान-3 की सॉफ्ट लैंडिंग के बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने देशवासियों को बधाई दी। उन्होंने राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में कहा कि यह वास्तव में एक महत्वपूर्ण अवसर है, एक तरह की घटना जो जीवनकाल में एक बार होती है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि चंद्रयान-3 मिशन की सफलता के साथ भारत चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव को छूने वाला पहला देश बन गया है। उन्होंने कहा कि नई अंतरिक्ष यात्रा भारत की खगोलीय महत्वाकांक्षाओं को नई ऊंचाइयों पर ले गई है। गृह मंत्री ने कहा कि भारतीय कंपनियों के लिए अंतरिक्ष का प्रवेश द्वार खुलने से हमारे युवाओं के लिए रोजगार के ढेर सारे अवसर पैदा होंगे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि मिशन चंद्रयान-3 की *-शेष पृष्ठ दो पर*

स्कूलों में छात्रों की उमड़ी भीड़

गुवाहाटी (हि.स.)। चंद्रयान-3 की लाइव लॉन्चिंग देखने के लिए असम के स्कूलों में आज शाम छात्रों की भारी भीड़ उमड़ते देखी गयी। मंगलवार को मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा द्वारा इससे संबंधित शिक्षा विभाग को दिए गए आदेश के परिपेक्ष में आज राज्य के सभी स्कूल कॉलेज शाम 6.30 बजे तक खुला रहे। स्वयं मुख्यमंत्री अपनी अर्धांगिनी रिनिकी भुइयां शर्मा के साथ आज राजधानी के आजरा स्थित राजधर बोरा हाई स्कूल के छात्रों के साथ ऐतिहासिक चंद्रयान 3 लैंडिंग के साक्षी बने। चंद्रमा पर विक्रम की लैंडिंग होते ही सभी छात्र उत्साह से चिल्ला पड़े। सभी के चेहरे पर एक अलग जोश दिख रहा था। स्कूलों में उपस्थित छात्रों के बीच चंद्रमा पर लाइव लॉन्चिंग देखने को लेकर काफी उत्सुकता देखी गई। सरकार द्वारा राज्य के प्राथमिक, माध्यमिक तथा उच्च शिक्षा विभाग को स्कूलों में लाइव लॉन्चिंग कार्यक्रम आयोजित करने का आदेश दिया गया था। इस आदेश के मद्देनजर सरकारी स्कूलों, कॉलेजों के साथ ही प्राइवेट स्कूलों, कॉलेजों में भी इस कार्यक्रम का आयोजन होते देखा गया। इस कार्यक्रम को देखने के लिए स्कूल, कॉलेजों में छात्रों के उपस्थिति आज अन्य दिनों की तुलना में काफी अधिक देखी गई। इसको लेकर छात्र काफी रोमांचित थे।

इसरो की सफलता पर वर्ल्ड मीडिया में बेजोड़ रिपॉर्टिंग

नई दिल्ली। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के मिशन चंद्रयान-3 की बुधवार की शाम छह बजकर चार मिनट पर चंद्रमा की सतह पर सफलतापूर्वक लैंडिंग हो गई। इसके साथ ही भारत दुनिया का पहला ऐसा देश बन गया है, जिसने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर अपने अंतरिक्ष यान को उतारा है। इस अंतरिक्ष अभियान पर दुनियाभर की नजरें टिकी हुईं थीं। इसे 14 जुलाई को श्रीहरिकोटा से लॉन्च किया गया था। इस मिशन की सफलता पर विश्व मीडिया में क्या कहा, आइए जानते हैं- विश्व मीडिया ने इस मिशन की सफलता को प्रमुखता से जगह दी है। लेकिन, पड़ोसी पाकिस्तान के मीडिया में चंद्रयान-3 लीड खबर नहीं बनाया गया है। यहां भी उसकी छोटी सोच देखने को मिली है। *न्यूयॉर्क टाइम्स, बीबीसी, द गार्डियन* आदि ने इस खबर प्रमुखता से प्रकाशित किया है। पाकिस्तान के प्रमुख समाचार पत्र *डॉन* ने लिखा कि भारत के चंद्रयान-3 लैंडर ने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव को सफलतापूर्वक छू लिया, जिसे पानी और ऑक्सीजन का संभावित स्रोत माना जा रहा है। अखबार ने भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी के हवाले से कहा कि इसरो ने अपने मुख्यालय में घोषणा की कि शक्ति का अवतरण शुरू हो गया है, जिसका स्वागत जयकारों और तालियों के साथ किया गया। *अलजजीरा* ने लिखा कि भारत ने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास अंतरिक्ष यान को सफलतापूर्वक उतारा, ऐसा करने वाला यह पहला देश बन गया। पीएम मोदी ने कहा कि मिशन की सफलता पूरी मानवता की सफलता है। अखबार लिखता है कि वैज्ञानिकों का मानना है कि दक्षिणी ध्रुव के अज्ञात क्षेत्र में जमे हुए पानी और कीमती तत्वों के महत्वपूर्ण भंडार हो सकते हैं। भारत में चांद की लैंडिंग को लाइव देखने के लिए दफ्तरों, दुकानों, रेस्तरां और घरों में टीवी के आसपास लोगों की भीड़ लगी हुई थी। *न्यूयॉर्क टाइम्स* ने शीर्षक लिखा कि चंद्रमा पर लैंडिंग की दौड़, भारत दक्षिण ध्रुवीय क्षेत्र पर उतरने में पहले स्थान पर। अखबार लिखता है कि भारत से विक्रम नाम का एक लैंडर और प्रज्ञान नाम का एक रोवर बुधवार को चंद्रमा के दक्षिण ध्रुवीय क्षेत्र में उतरे। चंद्रयान -3 नामक एक मिशन भारत को चंद्रमा की सतह के इस हिस्से तक पहुंचने वाला पहला देश बनाते है। वह चंद्रमा पर उतरने वाला केवल चौथा देश है। अखबार आगे लिखता है कि भारतीय जनता पहले से ही देश के अंतरिक्ष कार्यक्रम की उपलब्धियों पर बहुत गर्व करती है, जिसने चंद्रमा और मंगल की परिक्रमा की है और नियमित रूप से अन्य देशों *-शेष पृष्ठ दो पर*

इसरो ने लाइव स्ट्रीमिंग के तोड़े सारे रिकॉर्ड

नई दिल्ली। भारत ने इतिहास रच दिया है। चंद्रयान 3 की सफल लैंडिंग ने दुनिया को भारत के आगे झुकने पर मजबूर कर दिया है। चंद्रयान-3 का लैंडर मॉड्यूल (एलएम) बुधवार शाम चंद्रमा की सतह पर उतर गया। भारत चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचने वाला दुनिया का पहला देश बन गया है। लैंडर (विक्रम) और रोवर (प्रज्ञान) से युक्त लैंडर मॉड्यूल ने शाम छह बजकर चार मिनट पर चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुवीय क्षेत्र पर सॉफ्ट लैंडिंग की। इस रिकॉर्ड के साथ ही एक और नया रिकॉर्ड बना है। इसरो के यूट्यूब चैनल पर चंद्रयान-3 की लैंडिंग को 80 लाख से अधिक लोग लाइव देख रहे थे जो कि एक रिकॉर्ड है। लाइव स्ट्रीमिंग में *-शेष पृष्ठ दो पर*

जोनमणि राभा मामले में सीबीआई की चार्जशीट दाखिल

गुवाहाटी (हि.स.)। सीबीआई ने 16 मई की रात को हुई एक रहस्यमय सड़क दुर्घटना में मारी गयी एसआई जोनमणि राभा के मामले में पहली चार्जशीट दाखिल कर दी है। इस घटना के सिलसिले में नगांव जिले की तत्कालीन पुलिस अधीक्षक लीना दलै के साथ नगांव के कई पुलिस अधिकारियों को नामजद किया गया था। सीआईडी ने जब पहली बार मामले की जांच शुरू की तो पूरी घटना के साथ लखीमपुर जिले के नाउबेचा बंगालमारा में नकली सोने के कारोबार और नकली नोटों का तार जुड़ा था। उधर, जोनमणि राभा की घटना को लेकर बने माहौल ने पूरी घटना को रहस्य में डाल दिया है। खासकर घटना होने से पहले शाम को जब एसपी से मुलाकात की तो जोनमणि राभा रात भर लक्ष्यहीन होकर नगांव कस्बे में घूमती रही। नगांव पुलिस की एक टीम ने हादसे के समय जोनमणि राभा के घर पर छापा मारा। शव के पोस्टमार्टम का वीडियो रिकॉर्ड नहीं किया गया। ट्रक चालक को हिरासत में लेकर उसे जमानत पर रिहा करने में मदद की। इस घटना की सीबीआई जांच की मांग की *-शेष पृष्ठ दो पर*

मिजोरम : रेलवे पुल हादसे में 27 मजदूरों की मौत

मालदा (हि.स.)। मिजोरम के सैरांग इलाके में बुधवार सुबह निर्माणाधीन रेलवे पुल ढह गया। हादसे में पश्चिम बंगाल के 27 मजदूरों की मौत हो गई है। ये सभी मिजोरम में रेलवे पुल पर काम करने के लिए गए थे। मालदा जिला प्रशासन सूत्रों के मुताबिक अब तक कुल 27 लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें रतुआ के ब्लॉक-2 के 17, इंग्लिशबाजार ब्लॉक के छह, गाजोल ब्लॉक के तीन, कालियाचक के ब्लॉक-2 के एक लोग शामिल हैं। हादसा बुधवार सुबह करीब 10 बजे हुआ। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, जब निर्माणाधीन पुल गिरा तब 35 से 40 मजदूर काम कर रहे थे। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस-प्रशासन, आपदा मोचन बल के सदस्यों द्वारा बचाव अभियान चलाया जा रहा है। जानकारी के अनुसार, पुल के निर्माण कार्य में मालदा के पुकुरिया थाना क्षेत्र के कोकलामारी, चौदुआर गांव के कई मजदूर शामिल थे। वे मजदूरी करने गए थे। बुधवार सुबह से पहाड़ी इलाकों में बारिश शुरू हो गई। काम के दौरान निर्माणाधीन पुल का एक हिस्सा अचानक ढह गया। कई मजदूरों की वहां से गिरकर मौत हो गई। इस घटना को लेकर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने दुख व्यक्त किया है। उधर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मिजोरम में रेलवे के निर्माणाधीन पुल के ढह जाने से 27 लोगों की मौत पर शोक व्यक्त किया है। प्रधानमंत्री ने राहत कोष से पीड़ितों को दो दो लाख रुपए देने की घोषणा की है। प्रधानमंत्री मोदी ने बुधवार को ट्वीट कर कहा कि मिजोरम में पुल दुर्घटना से दुखी हूं। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति मेरी पूरी संवेदना है। घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं। *-शेष पृष्ठ दो पर*

हिमाचल में फिर तबाही 13 की मौत

शिमला (हि.स.)। हिमाचल प्रदेश में एक बार फिर मानसून का रौद्र रूप देखने को मिला है। राज्य के विभिन्न हिस्सों में मंगलवार रात से ही मूसलाधार बारिश का दौर बुधवार शाम तक जारी रहा। बिलासपुर, शिमला, कागंड़ा और मंडी जिलों में व्यापक बारिश हुई है। राज्य के अलग-अलग हिस्सों में बीते 24 घंटों के दौरान वर्षाजनित विभिन्न हादसों में 13 लोग मारे गए और छह लापता हैं। इस दौरान राज्य के 24 स्थानों पर भूस्खलन की घटनाएं हुईं। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की रिपोर्ट के अनुसार भूस्खलन, बाढ़ और बादल फटने की घटनाओं में छह लोगों की जान गई जबकि बर्षाजनित विभिन्न हादसों में सात लोगों ने दम तोड़ा। मंडी जिले में पांच, कागंड़ा में तीन, शिमला में दो, सिरमौर, बिलासपुर व चंबा में एक-एक व्यक्ति की मृत्यु हुई है। शिमला के ढली थाना अंतर्गत ब्लदयां में कंस्ट्रक्शन साइट पर काम कर रही मजदूर दंपति की मलबे की चपेट में आने से मौत हुई। राज्य के *-शेष पृष्ठ दो पर*

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

NAME CHANGE

I, JC-284482M SUB (OPR) Maisnam Chinglensana, S/o. Maisnam Kamini Meetei, R/O. Sega Road Khwairakpam Leikai, Imphal West, P.O. : Imphal West, P.S. : Lamphel, Dist : Imphal West, Manipur, Pin - 795001 change my wife name **Nicky Potshangbam** instead of Nicky Maisnam vide affidavit (No. AS5045346878-7546V) on 19.08.2023 before the Notary Public, Dibrugarh, at Dibrugarh

केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट को बताया

पूर्वोत्तर राज्यों के लिए विशेष प्रावधानों को नहीं छूएंगे

नई दिल्ली। केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट से कहा कि पूर्वोत्तर राज्यों पर लागू विशेष प्रावधानों में हस्तक्षेप करने का उसका कोई इरादा नहीं है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने पांच सदस्यीय संविधान पीठ को सूचित करते हुए कहा कि मेरे पास यह बताने के निर्देश हैं। हमें अस्थायी प्रावधान, अनुच्छेद 370 और उत्तर पूर्व से संबंधित विशेष प्रावधानों के बीच अंतर करना चाहिए। केंद्र सरकार का किसी को भी छूने का कोई इरादा नहीं है। वह भाग जो उत्तर पूर्व और अन्य क्षेत्रों को विशेष प्रावधान देता है। मेहता की दलील वरिष्ठ वकील मनीष तिवारी के बाद आई, जो संविधान के अनुच्छेद 370 को निरस्त करने को चुनौती देने वाले एक मामले में पीठ के समक्ष दलीलें पेश कर रहे थे और अरुणाचल प्रदेश के एक राजनेता का प्रतिनिधित्व कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत का संविधान, एक राजनीतिक होने के अलावा-सामाजिक समझौता, हमेशा से एक राष्ट्रीय सुरक्षा दस्तावेज रहा है। यह केवल राज्य की कठोर शक्ति के उपयोग के बारे में नहीं है। मेरे उत्तर पूर्व में आने से पहले भारत की परिधि में थोड़ी सी भी आशंका महत्वपूर्ण प्रभाव डाल सकती है। न्यायमूर्ति एसके कौल ने भी सीजेआई के दृष्टिकोण से सहमति व्यक्त की और टिप्पणी की और कहा कि अनुच्छेद 370 निश्चित रूप से एक अस्थायी प्रावधान है। हालांकि यह तर्क दिया गया है कि यह नहीं है, यह मामले का संदर्भ है। केंद्र की ओर से मेहता द्वारा की गई घोषणा को दर्ज करते हुए, पीठ ने अरुणाचल प्रदेश के एक राजनेता द्वारा प्रस्तुत हस्तक्षेप आवेदन का निपटारा कर दिया। पीठ ने कहा कि आवेदक ने तर्क दिया है कि जम्मू-कश्मीर से संबंधित संविधान के भाग 21 में प्रावधानों से परे, उत्तर पूर्व को नियंत्रित करने वाले विशेष प्रावधान हैं।

ईडी ने टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी की कंपनी पर मारा छापा

नई दिल्ली। टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी की मुश्किलें कम होने का नाम नही ले रही है। प्रवर्तन निदेशालय ने बुधवार को कहा कि उसने कोलकाता में एक कंपनी के कई परिसरों पर छापेमारी के बाद आपत्तिजनक दस्तावेज जब्त किए, जिसके सीईओ टीएमसी सांसद और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी हैं। लीप्स एंड बाउंड्स प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के तीन परिसरों पर 21-22 अगस्त को तलाशी ली गई। संघीय जांच एजेंसी ने एक बयान में कहा कि यह कार्रवाई इस मामले में गिरफ्तार आरोपी सुजय कृष्ण भद्र के खिलाफ की गई, जो कंपनी के मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) थे। आरोप है कि कंपनी का इस्तेमाल करोड़ों रुपए के संदिग्ध लेनदेन के लिए किया गया। ईडी ने कहा कि सुजय कृष्ण भद्र अप्रैल, 2012 से मार्च, 2016 तक इस कंपनी में निदेशक थे। जबकि अभिषेक बनर्जी मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) हैं। ईडी ने कहा कि तलाशी अभियान के दौरान विभिन्न आपत्तिजनक दस्तावेज और डिजिटल साक्ष्य बरामद और जब्त किए गए। 35 वर्षीय अभिषेक बनर्जी ने हमेशा गलत काम करने से इनकार किया है और ईडी की कार्रवाई को राजनीतिक प्रतिशोध से प्रेरित बताया है। इस जांच के तहत ईडी ने मई में भद्रा को गिरफ्तार किया था। इसमें पश्चिम बंगाल के पूर्व शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी, उनकी कथित सहयोगी अर्पिता मुखर्जी, टीएमसी विधायक और पश्चिम बंगाल प्राथमिक शिक्षा बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष माणिक भट्टाचार्य, टीएमसी युवा विंग के नेता कुंतल घोष और शांतनु बनर्जी, अयान सिल को भी गिरफ्तार किया गया था।

करीमगंज : अवैध शराब के खिलाफ सघन अभियान

करीमगंज (हिंस)। करीमगंज पुलिस द्वारा नशा के खिलाफ जोरदार अभियान चलाया जा रहा है। जहां एक तरफ ड्रग्स तस्करों को प्रत्येक दिन पकड़ा जा रहा है वहीं, सड़क के किनारे अवैध तरीके से शराब बेचने वालों को भी पुलिस पकड़ रही है। ज्ञात हो कि पिछले दिनों मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा था कि सड़क किनारे होटलों और ढाबों में अवैध रूप से शराब की हो रही बिक्री के कारण राज्य में दुर्घटनाओं में वृद्धि हो रही है। इसके बाद से करीमगंज पुलिस का इस दिशा में अभियान जारी है। इसी कड़ी में जिले के आरके नगर और करीमगंज थाना क्षेत्र के अंतर्गत सड़क किनारे की दुकानों तथा ढाबों पर आईएमएफएल (शराब) की अवैध बिक्री और अवैध शराब के खिलाफ पुलिस ने सघन अभियान चलाया। अभियान के दौरान भारी मात्रा में शराब जब्त किए गए तथा इस सिलसिले में कई लोगों को गिरफ्तार किया गया।

मोरीगांव में ड्रग्स के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

मोरीगांव (हिंस)। गुप्त सूचना के आधार पर मोरीगांव पुलिस द्वारा चलाए गए एक अभियान के दौरान ड्रग्स के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस द्वारा आज दी गई जानकारी के अनुसार अभियान के दौरान मोरीमुस्लिम गांव के उबादुल्लाह अली तथा इसी गांव के मिराजुल अली नामक दो ड्रग्स तस्करों को पकड़ा गया। इस दौरान पुलिस द्वारा कंटेनर के साथ 16.6 ग्राम हेरोइन बरामद किया गया। इस सिलसिले में एनडीपीएस एक्ट के तहत एक प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू की गई है।

भारत-बांग्लादेश सीमा पर बीएसएफ पर तस्करों ने किया हमला

कोलकाता। बीएसएफ के दक्षिण बंगाल सीमांत के अंतर्गत मंगलवार की रात भारी बारिश का फायदा उठाकर तस्करों ने भारतीय सीमा में घुसकर बीएसएफ जवानों पर हमला बोल दिया। 70 वाहिनी (मालदा) की सीमा चौकी नवादा के जवानों ने तस्करों को मुंहतोड़ जवाब दिया। जवाबी कार्रवाई में एक बांग्लादेशी तस्कर घायल हो गया, जिसे तुरन्त ही अस्पताल पहुंचाया गया लेकिन उसने रास्ते मे ही दम तोड़ दिया। दक्षिण बंगाल सीमांत के प्रवक्ता ए के आर्य, डीआईजी ने बताया कि मंगवार की रात करीब 21.50 बजे बीएसएफ की सीमा चौकी नवादा के जवानों ने संदिग्ध गतिविधि देखी। करीब 15 से 20 तस्करों का एक समूह अंतर्राष्ट्रीय सीमा को पार करते हुए भारतीय सीमा में घुस रहा था। इस पर जवानों ने तस्करों को ललकारा। जवानों ने नजदीक जाकर जब तस्करों को रोकना चाहा तो उन्होंने जवानों पर हमला कर दिया। इस पर जवानों ने उनको खदेड़ने के लिए एक चिल्ली ग्रेनेड फेंका। लेकिन वे और हमलावर हो गए। आखिरकार, जवानों को आत्मरक्षा में अपने निजी हथियार से (नॉन लीथल) दो चक्र फायर किए। बीएसएफ की जवाबी कार्रवाई में एक बांग्लादेशी तस्कर घायल हो गया। तस्कर की पहचान शाहिदुल शेख, गांव शिवगंज, जिला चैपनवागंज, बांग्लादेश के रूप में हुई। घायल को प्राथमिक उपचार दिया गया। जब उसे बीएसएफ एंबुलेंस से मालदा मेडिकल हॉस्पिटल ले जाया जा रहा था तो रास्ते में उसने दम तोड़ दिया। इसके बाद उसके मृत शरीर को पोस्टमॉर्टम के लिए मालदा मेडिकल हॉस्पिटल भेजा गया। रात को इलाके की गहन तलाशी के दौरान जवानों ने मौके से 75 बोतलें फेंसेडिल और एक धारदार बड़ा दाह भी जब्त किया। बीएसएफ द्वारा इस घटना की थाना कालियाचक में एफआईआर दर्ज कराई गई है तथा जब्त फेंसेडिल की बोतलों को संबंधित थाने में सौंप दिया गया। इस घटना के बारे मे यह तथ्य सामने आया है कि शाहिदुल का नाम इससे पूर्व 3 दिसंबर 2022 की फेंसेडिल की तस्करी की घटना मे पकड़े गए तस्कर ने अपने बयान मे दर्ज कराया था। दक्षिण बंगाल सीमांत के प्रवक्ता ए के आर्य, डीआईजी ने बताया की भारत-बांग्लादेश सीमा पर बीएसएफ जवान अपनी जान की परवाह किए बैगर सीमा पर मुस्तैद रहते हैं। उन्होंने कहा कि जब तस्करों को उनके गलत मंसूबों में सफलता नहीं मिल पाती तो वे झुंझलाकर जवानों पर जानलेवा हमला करते हैं जिसकी वजह से कई बार हमारे जवान गंभीर रूप से घायल भी हुए हैं। जवान अपनी और सरकारी संपत्ति की सुरक्षा के साथ-साथ तस्करी को रोकने के लिए कड़े कदम उठाते हैं जिसके परिणामस्वरूप कई बार तस्करों को इसके गंभीर परिणाम भी भुगतने पड़ते हैं।

पृष्ठ एक का शेष

चंद्रमा पर भारत...

पिछले पहिए को रनवे पर लैंड कराता है, फिर अगले पहिए को। इससे प्लेन का वजन गति की दिशा में सही तरीके से नीचे आता है और लैंडिंग सेफ होती है। इसे भी सॉफ्ट लैंडिंग कहते हैं। इसरो के मुताबिक चांद पर गुरुत्वाकर्षण शक्ति धरती की अपेक्षा 1/6 कम है। यानी वहां गिरने की गति ज्यादा तेज है, क्योंकि वहां वायुमंडल नहीं है, इसलिए घर्षण से गति कम करने की कवायद भी नहीं की जा सकती थी। इसलिए जब विक्रम लैंडर ने 25 किमी. की ऊंचाई से चांद की सतह पर उतरना शुरू किया, तो उसके नीचे लगे चारों इंजनों को ऑन कर दिया गया। इस तरह जो इंजन अभी तक विक्रम लैंडर को आगे बढ़ाने का काम कर रहे थे, वही इंजन विपरीत दिशा में दबाव बनाकर विक्रम की गति को कम करके 2 मीटर प्रति सेकंड पर ले आये और लैंडिंग से कुछ सेकंड पहले गति जीरो कर दी गई। यह सारा काम विक्रम लैंडर में मौजूद ऑनबोर्ड कंप्यूटर ने किया। उसमें लगे सेंसर्स ने सही और गलत जगह की तलाश की और फिर विक्रम लैंडर अपने चारों पैरों के सहारे आराम से चांद की सतह पर उतर गया।

पीएम ने दी ...

है और इसलिए आपके परिवारवाले भी आज बहुत आनंदित होंगे। पीएम मोदी ने आगे कहा कि मेरी तरफ से आपको आपकी पूरी टीम को बहुत-बहुत बधाई और सबको मेरी तरफ से अभिनंदन कर दीजिए। साथ ही पीएम मोदी ने कहा कि मैं आप सबको बेंगलुरु में भी बधाई दूंगा। चंद्रयान-3 मिशन के बाद प्रधानमंत्री मोदी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए जुड़े थे। इस दौरान भी उन्होंने मिशन सफल होने को लेकर इसरो को बधाई देते हुए खुशी जाहिर की थी। पीएम ने संबोधन में कहा था कि इस मिशन के बाद हर भारतीय का सीना गर्व से चौड़ा हो गया है। चंद्रयान मिशन के बाद इसरो प्रमुख ने वैज्ञानिकों को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी। इसरो प्रमुख ने कहा था कि सबके सामर्थ्य से ही आज इसरो इस मुकाम पर पहुंचा है और भारत ने इतिहास रचा है। बता दें कि भारत का मिशन चंद्रयान-3 ने चंद्रमा के साउथ पोल पर सफल लैंडिंग की है। साउथ पोल पर आज से पहले किसी भी देश ने ऐसा कारनामा नहीं किया है। भारत ऐसा करने वाला पहला देश बन गया है।

चांद के बाद अब...

जाएगी। हम हमारे सौर मंडल की सीमाओं का सामर्थ्य परखेंगे और मानव के लिए ब्रह्मांड की अनेक संभावनाओं को साकार करने के लिए भी जरूर काम करेंगे। हमने भविष्य के लिए कई बड़े और महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय किए हैं। उन्होंने कहा कि जल्द ही सूर्य विस्तृत अध्ययन के लिए इसरो (इसरो) आदित्य एलवी मिशन लॉन्च करने जा रहा है। इसके बाद शुक्र भी इसरो के लक्ष्यों में से एक है। गगनयान के जरिए देश अपने पहले ह्यूमन स्पेस फ्लाइट मिशन के लिए भी पूरी तैयारी के साथ भारत बार-बार ये साबित कर रहा है स्काऊ नॉर द लिमिट। इससे पहले पीएम मोदी ने कहा कि पीएम ने कहा जब हम अपनी आंखों के सामने ऐसा इतिहास बनते हुए देखते हैं। तो जीवन धन्य हो जाता है। ऐसी ऐतिहासिक घटनाएं राष्ट्र जीवन की चिरंजीव चेतना बन जाती हैं। ये पल अविस्मरीण, ये क्षण अभूतपूर्व है। ये क्षण विकसित भारत के शंखनाद का है। ये क्षण नए भारत के जयघोष ये क्षण मुश्किलों के महासागर को पार करने का है। ये क्षण जीत के चंद्रपथ पर चलने का है। ये क्षण 140 करोड़ धड़कनों के समार्थ्य का है। ये क्षण भारत में नई ऊर्जा, नया विश्वास,नई चेतना का है। ये क्षण भारत के उदयमान भाग्य के आह्वान का है। अमृत काल की प्रथम प्रभा में सफलता की ये अमृतवर्षा हुई है। हमने धरती पर संकल्प लिया और चांद पर उसे साकार किया। इंडिया इज नाउ ऑन द मून। आज हम अतंरिक्ष में नए भारत की नई उड़ान के साथी बने। मोदी ने कहा कि साइंस और टेक्नोलॉजी देश के उज्जवल भविष्य का आधार है। इसलिए आज के इस दिन को देश हमेशा-हमेशा के लिए याद रखेगा। ये दिन हम सभी को उज्जवल भविष्य की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित करेगा। ये दिन हमें अपने संकल्पों की सिद्धि का रास्ता दिखाएगा। ये दिन इस बात का प्रतीक है कि हार से सबक लेकर जीत कैसे हासिल की जाती है। पीएम मोदी ने कहा कि 15वीं ब्रिक्स समिट में हिस्सा लेने के लिए मैं दक्षिण अफ्रीका में हूं। लेकिन हर देशवासी की तरह मेरा मन चंद्रयान महाभियान पर भी लगा हुआ है। नया इतिहास बनते ही हर भारतीय जश्न डूब गया है। हर घर में उत्सव शुरू हो गया। मैं भी अपने देशवासियों के साथ, अपने परिवारजनों के साथ इस उमंग और उल्लास से जुड़ा हुआ हूं। मैं टीम चंद्रयान को, इसरो को और देश के सभी वैज्ञानिकों को बहुत बहुत बधाई देता हूं। जिन्होंने इस पल के लिए वर्षों तक इतना परिश्रम किया है। उत्साह, उमंग और आनंद और भावुकता से भरे इस पल के लिए 140 करोड़ देशवासियों को कोटि, कोटि बधाई देता हूं। प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारे वैज्ञानिकों के परिश्रम और प्रतिभा से भारत चंद्रमा के उस दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचा है। जहां आज तक दुनिया का कोई देश नहीं पहुंच सका। आज के बाद से चांद से जुड़े मिथक बदल जाएंगे। कथानक भी बदल जाएंगे और नई पीढ़ी के लिए कहावतें भी बदल जाएंगी। भारत में तो हम सभी लोग धरती को मां भी कहते हैं और चांद को मामा बुलाते हैं। कभी कहा जाता था चंदा मामा बहुत दूर के हैं। एक दिन वो भी आएगा। जब बच्चे कहा करेंगे। चंदा मामा बस एक टूर के हैं।

चंद्रयान-3 : बधाइयों का...

सफलता पर इसरो की पूरी टीम को बहुत बधाई। उन्होंने कहा कि अंतरिक्ष में भारत की उपलब्धियां अब अभूतपूर्व ऊंचाइयों को छू चुकी हैं। रक्षामंत्री ने कहा कि सारा देश उन वैज्ञानिकों पर गर्व महसूस कर रहा है, जिन्होंने अपनी बुद्धिमत्ता, मेहनत और प्रबल इच्छाशक्ति से इस मिशन की सफलता के साथ इतिहास रच दिया है। चंद्रयान-3 की चंद्रमा पर सफल लैंडिंग पर भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने इस मिशन से जुड़े सभी वैज्ञानिकों और देश के लोगों को बधाई दी। नड्डा ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत अंतरिक्ष क्षेत्र में अपनी एक विशिष्ट पहचान बना रहा है। वहीं, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि चंद्रयान-3 की सफल सॉफ्ट लैंडिंग नए भारत की सामर्थ्य और शक्ति का सशक्त प्रदर्शन है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व और मार्गदर्शन में इसरो के वैज्ञानिकों ने वह कर दिखाया जो कोई नहीं कर सका। चंद्रमा का दक्षिणी ध्रुव अब तक दुनिया के लिए असंभव था, लेकिन हमारे दूरदर्शी वैज्ञानिकों ने इसे संभव कर दिखाया है। वसुधैव कुटुंबकम् की पवित्र भावना के साथ मैं इसरो के सभी वैज्ञानिकों को इस सफलता के लिए बधाई और देशवासियों को शुभकामनाएँ देता हूं। इस अवसर पर हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने कहा कि अरे वाह, मजा आ गया! आज देखिए चंद्रमा हमारे और भी करीब आ गया है। ये बहुत खुशी की बात है। चंद्रमा पर सफलतापूर्वक उतरने के बाद चंद्रयान-3 चंद्रमा की सतह पर भारत की उपस्थिति को दर्शा रहा है। उन्होंने इसरो को ये मुकाम हासिल करने के लिए बधाई दी।

इसरो की सफलता ...

की तुलना में बहुत कम वित्तीय संसाधनों के साथ पृथ्वी के ऊपर उपग्रहों को लॉन्च करती है। लेकिन चंद्रयान-3 की उपलब्धि और भी मीठी हो सकती है। द *गार्डियन* ने अपनी खबर में लिखा कि भारत एक ऐतिहासिक क्षण में चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास एक अंतरिक्ष यान को सफलतापूर्वक उतारने वाला पहला देश बन गया है, जिसने देशभर में लोगों में खुशी का माहौल पैदा कर दिया। अखबार ने लिखा है कि भारत सरकार निजी अंतरिक्ष लॉन्च और संबंधित उपग्रह पर आधारित व्यवसायों में निवेश को बढ़ावा देना चाहती है। *बीबीसी* ने अपने शीर्षक में लिखा कि चंद्रयान-3 ने रचा इतिहास, चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास उतरा। इसने लिखा कि जब 1969 में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की स्थापना की गई थी, तो इसका प्राथमिक लक्ष्य काफी सरल था - तूफानों की भविष्यवाणी करने, बाढ़ को कम करने और देश में दूरसंचार को मजबूत करने के लिए उपग्रहों को डिजाइन और लॉन्च करना। अब अंतरिक्ष एजेंसी ने अपने चंद्रयान -3 के चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास उतरने वाला पहला अंतरिक्ष मिशन बनने के बाद इतिहास रच दिया है। फ्रांस के प्रमुख समाचार पत्र *ले मोंडे* ने अपना शीर्षक लिखा कि चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास अंतरिक्ष यान उतारने वाला पहला देश बना भारत। अखबार लिखता है कि रोवर के साथ एक लैंडर स्थानीय समयानुसार छह बजकर चार मिनट पर चंद्रमा की सतह पर उतरा, जिससे दक्षिण भारतीय शहर बेंगलुरु में अंतरिक्ष वैज्ञानिकों के बीच खुशी और तालियां बजीं। करीब चार साल पहले एक असफल प्रयास के बाद भारत ने दक्षिणी ध्रुव क्षेत्र के पास उतरने वाला पहला देश बनकर इतिहास रच दिया है और चंद्रमा पर उतरने के मामले में अमेरिका, सोवियत संघ और चीन के साथ शामिल हो गया है। *सीएनएन* ने अपना शीर्षक लिखा कि चांद पर अंतरिक्ष यान उतारने वाला चौथा देश बना भारत। इसने लिखा कि भारत ने चंद्रमा पर अपना चंद्रयान -3 अंतरिक्ष यान उतार दिया है, इस तरह की उपलब्धि हासिल करने वाला केवल चौथा देश बन गया है। यह मिशन अंतरिक्ष में वैश्विक महाशक्ति के रूप में भारत की स्थिति को मजबूत कर सकता है। इससे पहले केवल अमेरिका, चीन और पूर्व सोवियत संघ ने चंद्रमा की सतह पर सॉफ्ट लैंडिंग पूरी की है। इसने आगे लिखा कि चंद्रयान-3 की लैंडिंग साइट भी इतिहास में किसी भी अन्य अंतरिक्ष यान की तुलना में चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के करीब है। दक्षिणी ध्रुव क्षेत्र को अंतरिक्ष यात्रा करने वाले देशों के लिए महत्वपूर्ण वैज्ञानिक और रणनीतिक रुचि का क्षेत्र माना जाता है, क्योंकि वैज्ञानिकों का मानना है कि यह क्षेत्र पानी के बर्फ के भंडार का घर है।

इसरो ने लाइव ...

सबसे ज्यादा यूजर्स हासिल करने वाला इसरो का चैनल दुनिया का पहला ऐसा चैनल बन गया है। चंद्रयान-3 की लैंडिंग से पहले इसरो के यूट्यूब चैनल के सब्सक्राइबर्स की संख्या 2.68 मिलियन यानी करीब 26 लाख थी जो कि अब सफल लैंडिंग के बाद 35 लाख हो गई है। औसत देखें तो महज एक घंटे की लाइव में इसरो के चैनल से करीब 10 लाख नए सब्सक्राइबर्स जुड़े हैं। आज हम आपको पांच ऐसे यूट्यूब चैनल के बारे में बताएंगे जिनपर लाइव स्ट्रीमिंग के दौरान सबसे ज्यादा व्यूज आए हैं।

जोनमणि राभा मामले ...

जा रही थी। अंत में डीआईजी लवली कटारिया के नेतृत्व में एक टीम को सीबीआई ने जांच के लिए भेजा। जांच टीम ने लंबी जांच की और एसआई जोनमणि राभा मामले में पहले मामले में चार्जशीट दाखिल की। यह मामला लखीमपुर सदर थाना में 96/2023 दर्ज किया गया था। सीबीआई ने मामले की जांच करते हुए चार लोगों को आरोपित बनाया है। आरोपितों में नूर मोहम्मद, अजीजुर रहमान, रियाजुल इस्लाम और मुजीबुर रहमान शामिल हैं।

मिजोरम : रेलवे पुल ...

बचाव कार्य जारी है और प्रभावित लोगों को हरसंभव सहायता दी जा रही है। उल्लेखनीय है कि मिजोरम में भैरबी को साईरंग से जोड़ने वाली कुरुंग नदी पर बुधवार को रेलवे का निर्माणाधीन पुल ढह जाने से कम से कम 14 मजदूरों की मौत हो गई है। मलबे में अभी 30-40 मजदूर फंसे हुए हैं, जिससे हताहतों की संख्या और बढ़ने की संभावना है। प्रधानमंत्री मोदी ने प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से पीड़ित परिवारों को दो लाख रुपए की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की।

हिमाचल में फिर...

विभिन्न भागों में अधिकतर रास्ते बारिश और भूस्खलन के चलते बंद हैं। शिमला-चंडीगढ़ नेशनल हाइवे-5 सोलन जिले के चक्की मोड़ भूस्खलन से अवरुद्ध है। मंडी जिले में कुल्लू-मंडी नेशनल हाइवे-21 पंडोह के समीप हुए भूस्खलन से बाधित है। मंडी जिले में ही मंडी-पठानकोट नेशनल हाइवे-154 भी अवरुद्ध हो गया है। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की रिपोर्ट के मुताबिक भूस्खलन से तीन नेशनल हाइवे समेत 709 सड़कें बंद हैं तो 2897 ट्रांसफार्मरों खराब होने से बिजली गुल रही। लोकनिर्माण विभाग के शिमला जोन में सबसे ज्यादा 220 सड़कें बंद हैं। इसी तरह मंडी जोन में 213, हमीरपुर जोन में 180, कागड़ा जोन में 93 सड़कों पर आवागमन ठप है। इसके अलावा बड़ी संख्या में ट्रांसफार्मर भी खराब पड़े हैं। अकेले मंडी जिले में 1142 ट्रांसफार्मरों के ठप पड़ने से कई गांवों और शहरों में बिजली गुल है। शिमला जिले में 598, सोलन में 410, हमीरपुर में 376, सिरमौर में 158 और कुल्लू में 124 ट्रांसफार्मर बंद हैं। राज्य में भूस्खलन से 214 पेयजल स्कीमें भी प्रभावित हुई हैं। मंडी में 91, शिमला में 73 और बिलासपुर में 47 पेयजल स्कीमें ठप हैं। राजधानी शिमला में मूसलाधार वर्षा का जबरदस्त कहर देखने को मिला। शहर में जगह-जगह भूस्खलन और पेड़ों के गिरने से सड़कें क्षतिग्रस्त हुईं और वाहनों व घरों को नुकसान पहुंचा। अंग्रेजों के जमाने में बने शिमला रेलवे स्टेशन को भी बारिश से क्षति हुई। सबसे सुरक्षित माना जाने वाले आईजीएमसी अस्पताल में पानी घुसने से कर्मचारियों एवं मरीजों में हड़कंप मच गया। आईजीएमसी के स्पेशल वार्ड के छत से पानी बारिश की तरह बरसा। इससे स्पेशल वार्ड में पानी भर गया। स्पेशल वार्ड वीवीआइपी लोगों के लिए रिजर्व रहता है। मौसम विभाग के अनुसार शिमला में सुबह साढ़े 08 बजे तक 132 मिलीमीटर वर्षा रिकार्ड हुई है। शिमला में लगातार ही रही बारिश से भूस्खलन की आशंका बढ़ गई है। मौसम के तेवरों को देखते हुए लोगों की नींद उड़ गई है। लोग घरों से बाहर निकलने पर असुरक्षित महसूस के रहे हैं। मौसम विभाग के अनुसार बीते 24 घंटों के दौरान बिलासपुर के काहू और मंडी के कोटला में सबसे ज्यादा 210-210 मिलीमीटर वर्षा हुई है। इसके अलावा बिलासपुर सदर, बरठी व पंडोह में 180-180 मिमी, कंडाघाट में 160, बंगाणा व कसौली में 150-150, बलद्वारा में 140, शिमला व नैना देवी में 132-132 मिमी वर्षा रिकार्ड हुई है। मौसम विभाग ने अपने पूर्वानुमान में भारी बारिश को लेकर शिमला सहित 10 जिलों को अलर्ट किया है। आगामी 25 अगस्त तक भारी बारिश की आशंका जताई है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के निदेशक सुरेंद्र पॉल ने बताया कि मानसून के सक्रिय होने से अगले दो दिन व्यापक वर्षा होने का अनुमान है। उन्होंने कहा कि 24 अगस्त को भारी वर्षा का ओरेंज और 25 अगस्त को येलो अलर्ट जारी किया गया है। ये अलर्ट शिमला, चंबा, कुल्लू, मंडी, कागंड़ा, बिलकुल, ऊना, हमीरपुर, सोलन और सिरमौर जिलों के लिए जारी हुआ है। इन जिलों में अगले 24 घंटों के दौरान बाढ़ आने की भी चेतावनी दी गई है। मौसम विभाग ने अगले दो दिन इन जिलों में भूस्खलन व पेड़ों के गिरने की आशंका जताई है और घरों से बाहर निकलते समय लोगों को सावधानी बरतने को कहा है। लोगों व सैलानियों से अपील की गई है कि वे भूस्खलन संभावित इलाकों और नदी-नालों के तटों की तरफ न जाएं। 29 अगस्त तक राज्य में मौसम खराब रहेगा।

चंद्रपुर में राजधानी एक्सप्रेस की ठोकर से युवक की मौत

गुवाहाटी (हिंस)। चंद्रपुर में रेल की पटरी पर अज्ञात युवक का शव बरामद हुआ है। राजधानी एक्सप्रेस से ठोकर मारे जाने की आशंका है। आग सुबह चंद्रपुर में रेलवे ट्रैक पर एक मृतक का शव मिला। शव ठाकुरकुची रेलवे स्टेशन के पास मिला। शव की अभी तक पहचान नहीं हो पाई है। आशंका जताई जा रही है कि राजधानी एक्सप्रेस की चपेट में आने से युवक की मौत हुई होगी।

कछार में हेरोइन के साथ चार गिरफ्तार

कछार (हिंस)। कछार पुलिस ने एनआईटी घुंगूर एनएच बाईपास पर पड़ोसी राज्य से आ रहे एक चार पहिया वाहन को रोककर तलाशी ली। तलाशी के दौरान 1.50 किलोग्राम हेरोइन से भरे साबुनदानी के 104 डिब्बे जब्त किए गए। अभियान के दौरान चार आरोपितों को गिरफ्तार किया गया। इस सिलसिले में कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

यूनान में भड़की जंगल की आग, 18 लोगों के शव मिले

नई दिल्ली। कई दिनों से जंगल की आग से जूझ रहे यूनान में दमकल कर्मियों को मंगलवार को 18 लोगों के जले हुए शव मिले, जिनके बारे में माना जा रहा है कि वे प्रवासी थे और तुर्की की सीमा पार कर पूर्वोत्तर यूनान के उस इलाके में आए थे, जहां कई दिनों से जंगलों में आग लगी हुई है। एलेक्जेंड्रोपोलिस शहर के पास ये शव तब मिले, जब सैकड़ों दमकलकर्मी तूफानी हवाओं के बीच देश भर में जंगल की आग की दर्जनों घटनाओं पर काबू पाने की मशक्कत में जुटे हैं। सोमवार को उत्तरी और मध्य यूनान में जंगल की आग की अलग-अलग घटनाओं में दो लोगों की मौत हो गई और दो दमकलकर्मी घायल हो गए। गर्म, शुष्क गर्मियों के कारण दक्षिणी यूरोप के देश विशेष रूप से जंगल की आग की चपेट में हैं। स्पेन के कैनरी द्वीप समूह के टेनेरिफ में एक सप्ताह से जंगल में आग लगी हुई है, लेकिन इससे किसी के हताहत होने या घरों को नुकसान पहुंचने की सूचना नहीं है। यूरोपीय संघ (ईयू) के अधिकारियों ने यूरोप में जंगल की आग की बढ़ती घटनाओं के लिए जलवायु परिवर्तन को जिम्मेदार ठहराया है। उल्लेखनीय है कि 2017 के बाद जंगल की आग से होने वाली क्षति के मामले में 2022 दूसरा सबसे खराब वर्ष रहा।

स्वर्वेद भाष्य

पंचम मंडल तृतीय अध्याय अध्याय

अथर्ववेद कांड-10, सूक्त-7 स्कम्भ का स्वरूप विषयक प्रश्नों के उत्तर

(6)

जहँ पहुँचन की चाह में, नदियें कर परवाह।
एक दूसर तीसर मिलें, पहुँचत सिन्धु अथाह॥ 13॥

शब्दार्थ : (प्रवाह) बहना (सिन्धु) समुद्र (अथहा) जिसका थाह नहीं।

भाष्य : इन नदियों का प्रवाह एक-दूसरे-तीसरे में मिलकर अथाह समुद्र में पहुंचने की इच्छा से प्रवाहित हो रहा है।

सब पर सर्व महान है, सर्व कला सब दूर।
शब्द रूप अस्कम्भ है, बाहर भीतर पूर॥ 14॥

शब्दार्थ : (महान) श्रेष्ठ (सर्व कला) समस्त कलाओं से युक्त (पूर) पूर्ण।

भाष्य : सर्वोत्कृष्ट, महान स्कंभ है। वह सर्व कलाओं से युक्त, बाहर-भीतर और दूर परिपूर्ण है। वह स्कंभ शब्दस्वरूप परब्रह्म है।

चाचा-चाची की यातना से तंग युवती ने की आत्महत्या

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी शहर में एक युवती द्वारा आत्महत्या करने की घटना ने इलाके में सनसनी फैला दी है। यह घटना गुवाहाटी के लालमाटी इलाके की है। शिकायत के मुताबिक आत्महत्या का रास्ता चुनने वाली लड़की ने शारीरिक, मानसिक अशांति के चलते इस वारदात को अंजाम दिया। स्थानीय लोगों के अनुसार युवती को उसके चाचा और चाची अक्सर परेशान करते थे। कल रात भी लड़की को उसके चाचा और चाची ने पीटा था। अन्य लोगों ने भी युवती की प्रताड़ना के पीछे संपत्ति का कारण बताया है। आत्महत्या करने वाली लड़की के नाम पर पाठशाला में संपत्ति है। उसी संपत्ति के कारण उसे विभिन्न तरीकों से प्रताड़ित किया जा रहा था। वशिष्ठ पुलिस ने घटना के संबंध में गोपेश मेधी को हिरासत में लिया है।

राजेन गोहाईं के लिए कांग्रेस के दरवाजे हमेशा खुले हैं : सांसद प्रद्युत बरदलै

होजाई (निसं)। भाजपा सरकार की अंदरुनी खींचतान से आगामी लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को काफी लाभ होगा। उक्त बातें नगांव लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस के सांसद प्रद्युत बरदलै ने होजाई में उक्त बाते कहीं। उन्होंने कहा कि भाजपा राज्य की 14 लोकसभा सीटों में से 12 लोकसभा सीटों पर जीत हासिल करने का दावा करती है किंतु यह सपना-सपना ही रह जाएगा। उन्होंने कहा कि पूर्व केंद्र मंत्री तथा नगांव के पूर्व सांसद राजेंन गोहांई ने वर्तमान भाजपा सरकार के कामकाज तथा भाजपा के कार्यकर्ताओं के साथ हो रही अनदेखी को लेकर अपना मुंह खोलने से कांग्रेस के लिए बड़ा सुनहरा मौका मिल गया है। सांसद प्रद्युत बरदलै ने कहा अगर राजेंन गोहांई कांग्रेस की नीतियों व आदर्श को अपनाने के लिए तैयार है तो उनके लिए कांग्रेस के दरवाजे हमेशा खुले हैं। उन्होंने आगे कहा कि भाजपा अगर सोचती है कि राज्य में लोकसभा और विधानसभा सीट की सीमा निर्धारण करके जीत हासिल कर लेगी तो यह संभव नहीं होगा क्योंकि

राज्य के मतदाताओं के खिलाफ जाकर भाजपा अपनी मनमानी करके जीत हासिल करना चाहती है तो यह बात राज्य के मतदाता कभी स्वीकार नहीं करेंगे। गौरतलब है, संसद पूंजी से 10 लख रुपए की लागत से निर्मित शहर के बीचो-बीच एक शौचालय का उद्घाटन करने हेतु वे होजाई पहुंचे थे। उक्त कार्यक्रम के पश्चात उन्होंने होजाई के गोविंद आश्रम में 8 लाख की लागत से एक एंबुलेंस भी प्रधान की। इस अवसर पर कई कांग्रेसी उपस्थित थे।

352 दिव्यांग जनों के बीच विभिन्न सामग्री वितरित

होजाई (निसं)। होजाई आर्टिफिशियल लिप्स मैन्युफैक्चरिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया और होजाई जिला दिव्यांग एसोसिएशन के तत्वाधान में स्थानीय जेके केडिया रोड स्थित राजस्थान भवन (ब्लॉक ए) में 352 दिव्यांग जनों के बीच की विभिन्न सामग्री जैसे ट्राई साइकिल, व्हीलचेयर आदि का वितरण किया गया। उक्त अवसर आयोजित एक सभा आयोजित की गई जिसमें में मुख्य अतिथि के रूप में आर्टिफिशियल लिप्स मैन्युफैक्चरिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एएलएमसी) के गुवाहाटी स्थित कार्यालय के अध्यक्ष डॉ. वैंकट तथा कई अन्य विशिष्ट व्यक्ति उपस्थित हुए। उक्त सभा में होजाई मारवाड़ी पंचायत के उपाध्यक्ष मोहन मोर, सचिव प्रताप कयाल, होजाई दिव्यांग संगठन के अध्यक्ष बुलन दे, दिव्यांग संगठन के सचिव दुलू सम्मदार, वासिर उद्दीन सहीत कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित हुए।

फकीराग्राम एसएस स्कूल में एनपीएस कर्मचारियों की कलम बंद हड़ताल

कोकराझाड़ (हिंस)। पुरानी पेंशन नीति की मांग को लेकर ऑल असम एनपीएस कर्मचारी संस्था ने 22 और 23 अगस्त को दो दिवसीय कलम बंद हड़ताल का आह्वान किया था जिसके स्वरूप असम के विभिन्न इलाकों के साथ-साथ कोकराझाड़ जिले के विभिन्न विद्यालयों के साथ ही फकीराग्राम हायर सेकेंडरी स्कूल में एनपीएस कर्मचारियों ने पुरानी पेंशन नीति की मांग को लेकर आज दूसरे दिन भी कलम बंद हड़ताल पर बैठे रहे। आज हड़ताल का अंतिम दिन था। आज भी फकीराग्राम हायर सेकेंडरी स्कूल के सभी कर्मचारी नारेबाजी करते नजर आए। फकीराग्राम हायर सेकेंडरी स्कूल के आंदोलनरत कर्मचारी सिला पॉल ने कहा कि जब तक पुरानी पेंशन नीति लागू नहीं हो जाती तब तक गणतांत्रिक रूप से और केंद्रीय समिति के आदेशानुसार आंदोलन जारी रहेगा।

22 किलो गांजा के साथ तस्कर गिरफ्तार

करीमगंज (हिंस)। करीमगंज पुलिस को मादक पदार्थ रोधी अभियान में भारी सफलता प्रत्येक दिन मिल रही है। आज फिर पुलिस ने 22 किलोग्राम से अधिक गांजे के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया। घटना के विवरण के अनुसार जिले के सीमा कर्मचारियों की एक टीम ने टोल गेट करीमगंज पर एक बस को रोका। बस की तलाशी ली। तलाशी के दौरान एक व्यक्ति के पास से 22.4 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया। गांजे को जब्त कर तस्कर को गिरफ्तार कर लिया गया। इस सिलसिले में एनडीपीएस एक्ट के तहत एक प्राथमिक की दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

रिश्वतखोरी में गिरफ्तार योजना अधिकारी सेवा से बर्खास्त

धुबड़ी (हिंस)। सरकारी काम के लिए रिश्वत लेते हुए मुख्यमंत्री के एंटी करप्शन एंड मॉनिटरिंग सेल के जाल में फंसने वाले अधिकारी मृणाल कांति सरकार को सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है। ज्ञात हो कि 21 जुलाई को धुबड़ी जिला परिषद कार्यालय के अतिरिक्त जिला योजना अधिकारी मृणाल कांति सरकार को मुख्यमंत्री के भ्रष्टाचार निरोधक और निगरानी प्रकोष्ठ ने रिश्वत लेते हुए हिरासत में लिया था। उनके साथ जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी बिस्वजीत गोस्वामी को भी हिरासत

में लिया गया है। अधिकारी को पहले ही सेवा से निलंबित किया जा चुका है। पंचायत और ग्रामीण विकास विभाग के आयुक्त के कार्यालय ने एक आदेश के माध्यम से जिला परिषद के जिला योजना अधिकारी मृणाल कांति सरकार को सेवा से बर्खास्त कर दिया है। गौरतलब है कि राज्यभर में मुख्यमंत्री के एंटी करप्शन एंड मॉनिटरिंग सेल ने छापेमारी कर कई सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों को रिश्वत लेते हुए हिरासत में लिया है। बावजूद इसके सरकारी कर्मचारियों का रुझान रिश्वत लेने के प्रति कम नहीं हुआ है। लगभग हर दिन ऐसे भ्रष्ट सरकारी कर्मचारियों का एक वर्ग एंटी करप्शन एंड मॉनिटरिंग सेल द्वारा पकड़ा जा रहा है। इसलिए ऐसे कर्मचारियों के खिलाफ सख्त से सख्त सजा की मांग की जा रही है।

सोनापुर में गांजा समेत दो लोग गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के सोनपुर पुलिस ने भारी मात्रा में गांजा समेत दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस दे बुधवार को बताया कि थाना क्षेत्र के दो नंबर कसुतली गांव के रेलवे लाइन के किनारे से दो तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार दोनों आरोपी साइकिल के जरिए इलाके में गांजा को लेकर कहीं जा रहे थे। गांव के एक व्यक्ति ने प्लास्टिक के थैली में भरकर रख गए सामान को देखना चाहा। दोनों ने थैली में रखे सामान को दिखाने से इनकार कर दिया। दोनों सामान देखने वाले व्यक्ति को मार कर भागने की कोशिश की जिसके बाद स्थानीय लोगों की मदद से दोनों को भारी मात्रा में गांजा समेत पकड़ा लिया गया। जिसके बाद घटना की जानकारी सोनपुर पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची सोनपुर पुलिस ने गांजा समेत दोनों तस्वीरों को गिरफ्तार करें कर लिया। पुलिस इस संबंध में एनडीपीएस एक्ट के तहत एक प्राथमिक की दर्ज कर गिरफ्तार दोनों तस्करों से सगन पूछताछ कर रही है।

होजाई में 9 सितंबर को आयोजित होगी राष्ट्रीय लोक अदालत

होजाई (निसं)। असम राज्य विधी सेवा प्राधिकरण (एएसएलएसए) के निर्देशानुसार होजाई जिला विधी सेवा प्राधिकरण आगामी 9 सितंबर को जिले के शंकरदेव नगर में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन करेगी। प्राप्त जानकारी के अनुसार, न्यायिक अदालतों में निष्पादन योग्य विभिन्न मामलों जैसे आपराधिक मामले, सिविल मामले, पारिवारिक मामले, मोटर दुर्घटना के शीघ्र निपटान, चेक बाउंस मामले, राजस्व मामले आदि मामलों को लेकर राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। वहीं, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने होजाई जिले के नागरिकों से आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत में पूर्ण सहयोग करने की अपील की है।

मणिपुर : तलाशी के दौरान हथियार और गोला-बारूद बरामद

इंफाल (हिंस)। मणिपुर पुलिस द्वारा राज्य में व्यापक पैमाने पर तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के दौरान पुलिस को काफी सफलता मिल रही है। मणिपुर पुलिस द्वारा आज दी गयी जानकारी के अनुसार आज तलाशी के दौरान हथियारों और गोला-बारूद की बरामदगी हुई। जानकारी के अनुसार सुरक्षा बलों ने इंफाल-पूर्व,

इंफाल-पश्चिम, बिष्णुपुर, थौबल, काकचिंग, कांगपोकपी और तामेंगलांग जिलों के संवेदनशील इलाकों में अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान हथियार बरामद किए गए। पुलिस ने बताया कि राज्य में विभिन्न स्थानों पर कुल 123 तलाशी नाके लगाए गए हैं। इन नाकों पर सभी लोगों और गाड़ियों की तलाशी ली जा रही है।

अरुणाचल प्रदेश सहकारी एपेक्स बैंक पर ऋण जारी करने में नियमों की अनदेखी का आरोप

इटानगर (हिंस)। अरुणाचल प्रदेश सिविल सोसाइटी (एसीएस) ने आरोप लगाया है कि अरुणाचल प्रदेश सहकारी एपेक्स बैंक लिमिटेड ने लाभार्थियों विशेषकर गैर एपीएसटी के उचित गारंटर और पते के बिना बैंक ऋण जारी किया, इस कदम से एपेक्स बैंक का फिर से पतन हो सकता है। अरुणाचल प्रेस क्लब में मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए एसीएस के अध्यक्ष नारंग चाटुंग ने दावा किया कि कई वर्षों से नाहरलागुन और निर्जुली एपेक्स बैंक शाखा उचित गारंटर और लाभार्थियों के सही पते के बिना बैंक ऋण जारी कर रहा है। आरटीआई के माध्यम से प्राप्त दस्तावेजों के अनुसार लगभग 18 गैर एपीएसटी बैंक डिफॉल्टर लाभार्थी हैं, दोनों शाखाओं से रु.4 करोड़ फंसे हुए है। इसका परिणाम यह हुआ कि हमारे मूल निवासी विशेषकर हमारे बेरोजगार युवा ऋण से वंचित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि बैंक अधिकारी हमारे युवाओं को बैंक में नकदी नहीं होने के कारण कोई ऋण नहीं दे रहे हैं। हमें गैर एपीएसटी को ऋण देने पर कोई समस्या नहीं है, लेकिन बैंक प्राधिकरण को बैंक ऋण के दस्तावेजों और नियमों और शर्तों को बनाए रखना चाहिए। 2005 में अरुणाचल प्रदेश सहकारी एपेक्स बैंक लिमिटेड का लापरवाही के कारण पतन गया था और लाभार्थियों से बैंक ऋण की वसूली करने में विफल रहा। उन्होंने कहा कि तत्कालीन मुख्यमंत्री दोरजी खांडू ने एनएचपीसी से ऋण लेकर अरुणाचल प्रदेश सहकारी एपेक्स बैंक लिमिटेड को पुनर्जीवित किया और अभी भी राज्य सरकार उन ऋणों का भुगतान राज्य के खजाने से कर रही है। इस संबंध में हमने राज्य के मुख्य सचिव को ज्ञापन देकर शीर्ष बैंकों को ऋण वितरण प्रणाली पर उचित दिशा-निर्देश जारी करने का अनुरोध किया था।

पुलिस की हिरासत से फरार आरोपी गिरफ्तार

हैलाकांदी (हिंस)। जिले के काटलीचेरा बस स्टैंड पर डीएसपी (मुख्यालय), हैलाकांदी के नेतृत्व में एक टीम द्वारा एनडीपीएस अधिनियम के मामले के संबंध में एक व्यक्ति को आज गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी हुसैन तालुकदार काटलीचेरा थानांतर्गत रंगपुर पार्ट 3 गांव के समसुल हक तालुकदार का पुत्र है। आरोपी पहले पुलिस हिरासत से भाग गया था और फरार था। आज आखिरकार उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

राज्यपाल ने किया सीसुब की सीमा चौकी का दौरा

गुवाहाटी (हिंस)। राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने फ्रंटियर मुख्यालय सीमा सुरक्षा बल, गुवाहाटी के अन्तर्निहित 31वीं बटालियन सीमा सुरक्षा बल की सीमा चौकी आरआर कुट्टी का आज दौरा किया। राज्यपाल के सीमा चौकी आरआर कुट्टी में आगमन पर सीमा सुरक्षा बल गुवाहाटी फ्रंटियर के महानिदेशक दिनेश कुमार यादव ने स्वागत किया। राज्यपाल ने महानिरीक्षक एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर सीमा सुरक्षा बल की संक्रियात्मक तैयारियों और कार्यप्रणाली के बारे में चर्चा की तथा भारत-बांग्लादेश अंतर्राष्ट्रीय सीमा रेखा की समीक्षा की।

सीमा समीक्षा के दौरान राज्यपाल ने ड्यूटी पर तैनात बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश के जवानों को मिठाइयां भेंट कीं। राज्यपाल ने अपने भ्रमण के दौरान सीमा प्रहरियों एवं स्थानीय सीमावर्ती क्षेत्र की आबादी के प्रतिनिधियों के साथ भी बातचीत की तथा लोगों को पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रोत्साहित करते हुए वृक्षारोपण किया। राज्यपाल कटारिया ने सीमा सुरक्षा बल की प्रशंसा करते हुए कहा कि राष्ट्र सीमा सुरक्षा बल के बहादुर सीमा प्रहरियों का ऋणी है। जिनके समर्पण और कर्तव्य के प्रति प्रतिबद्धता से भारत के लोगों में विश्वास और गौरव बना हुआ है। उन्होंने सीमा पर होने वाले अपराधों को रोकने के लिए स्थानीय पुलिस का सहयोग एवं राज्य सरकार की तरफ से हरसंभव समर्थन का आश्वासन दिया।

आठगांव में डेकोर एंड विनियर शोरूम उद्घाटित

गुवाहाटी (विभास)। आठगांव में इंटीरियर डिजाइन के सभी सॉल्यूशन को लेकर डेकोर एंड वेनियर शोरूम का उद्घाटन हुआ। जिसका उद्घाटन सावित्री देवी जाजोदिया ने राजेश कुमार जाजोदिया को श्रीफल भेंट करके किया। उद्घाटन के अवसर पर कविता जाजोदिया,सुरेश जाजोदिया, संजीव लोहिया, दिनेश लोहिया, विनोद फोगला और सुनीता फोगला उपस्थित थे। इस अवसर पर शोरूम के सत्वाधिकारी लोकेश जाजोदिया ने बताया कि आठगांव की हल्दीगली में हमने गुवाहाटी में आज तीसरा शोरूम उद्घाटन किया है जो 1350 स्क्वायर फीट में बना हुआ है। इसमें प्लाईवुड,सनमाईका, विनियर, हाइलाइट्स, कोरियन, वॉलपेपर, एमडीएफ बोर्ड, वुडन फ्लोरिंग, पीवीसी बोर्ड और इंटीरियर डिजाइन के सारे सॉल्यूशन हमारे इस शोरूम में उपलब्ध मिल जाएंगे। श्री जाजोदिया ने आगे बताया कि आज ग्रिल और जाली की जगह पार्टीशन, शिलिंग आदि का प्रचलन हो गया है। मंदीर में लगने वाली जाली की जगह एक नया उत्पाद भी आया है। इसे एक्रेलिक लाइट पासिंग बोलते हैं। जो आठ दो की साइज में आता है। जिसमें कई डिजाइन भी उपलब्ध मिलेंगे। इस तरह के और कई नए उत्पाद हमारे इस शोरूम में आपको उपलब्ध हो जाएगे। आज उद्घाटन के अवसर पर काफी लोगों ने शोरूम का जायजा लिया।

सैनी इंडिया ने भारत की सबसे बड़ी क्रॉलर क्रेन्स में से एक एससीसी 7500ए की 8 यूनिट्स की डिलीवरी

गुवाहाटी। भारत में कंस्ट्रक्शन उपकरण बनाने वाली प्रमुख कंपनी, सैनी इंडिया ने सांघवी मूवर्स लिमिटेड (एसएमएल) को 2023-24 के वित्त वर्ष की पहली तिमाही में आठ सैनी एससीसी7500ए 750 टन क्रॉलर क्रेन्स की डिलीवरी कर उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। सांघवी मूवर्स लिमिटेड भारत में क्रेन को किराए पर देने वाली सबसे बड़ी कंपनियों में से एक है और यह अपने बेड़े के आकार के लिहाज से दुनिया की छठी सबसे बड़ी कंपनी है। सैनी एससीसी7500ए750 टन क्रॉलर क्रेन्स की 8 यूनिट्स की डिलीवरी के साथ, अब एसएमएल के पास इस तरह की 10 क्रेन्स हो गई हैं। यह दुनिया भर में किसी भी कंपनी के पास सैनी क्रेन्स का सबसे बड़ा बेड़ा है। इस डिलीवरी ने भारत में एसएमएल की स्थिति को सबसे बड़ी होइस्टिंग सोल्यूशंस कंपनी के रूप में मजबूत किया है। अब एसएमएल के पास अलग अलग क्षेत्रों में महत्वपूर्ण आधारभूत परियोजनाओं के लिए किराए पर देने के लिए 45 सैनी क्रॉलर क्रेन्स, ट्रक क्रेन्स और सभी भूभागों में इस्तेमाल होने वाली क्रेन्स (ऑल-टेरेन क्रेंस) का बेड़ा है। पुणे के रिट्ज कार्लटन में 8 जुलाई 2023 को एक औपचारिक समारोह आयोजित किया गया। इस समारोह में सैनी इंडिया और सांघवी मूवर्स लिमिटेड के वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी शामिल थे।

समारोह में सांघवी मूवर्स लिमिटेड के अधिकारियों को सैनी एससीसी7500ए750 टन की क्रॉलर क्रेन्स की चाबियां सौंपी गई। इस इवेंट में सैनी इंडिया और दक्षिण एशिया के प्रबंध निदेशक दीपक गर्ग, कार्यकारी निदेशक डॉसन झू, सैनी इंडिया में भारत और साउथ एशिया में चीफ ऑपरेटिंग ऑफीसर (सेल्स, मार्केटिंग और कस्टमर सपोर्ट) धीरज पांडा, प्रबंध निदेशक ऋषि सांघवी, संयुक्त प्रबंध निदेशक और सीएफओ शाम कजाले, एसएमएल ग्रुप प्रमोटर श्रीमती मीना सांघवी और सांघवी मूवर्स लिमिटेड की नॉन-एक्जीक्यूटिव महिला डायरेक्टर मैथिली सांघवी शामिल थीं। सैनी इंडिया और दक्षिण एशिया के प्रबंध निदेशक दीपक गर्ग ने इस इवेंट में अपने बयान में कहा कि सांघवी मूवर्स के साथ हमारी साझेदारी लंबे समय से चली आ रही है। 2022 की शुरुआत में हमने सांघवी मूवर्स लिमिटेड को 800 टन की भारत की सबसे बड़ी क्रॉनर क्रेन एससीसी8000एकी चार यूनिट्स डिलीवर कीं। अपनी साझेदारी के इसी विश्वास को कायम रखते हुए कंपनी ने अब 750टन की सैनी एससीसी एससीसी7500ए क्रॉलर क्रेन्स सौंपी है। हम उनके विश्वसनीय साझेदार बनकर काफी सम्मानित महसूस कर रहे हैं। हम टॉप क्वॉलिटी के उपकरण की डिलिवरी करने के लिए वचनबद्ध हैं। इससे विभिन्न वर्किंग साइट्स में सबसे ज्यादा चुनौतीपूर्ण स्थितियों में असाधारण सुरक्षा, विश्सनीयता और स्थायित्व सुनिश्चित होता है। उन्होंने कहा रि हम इस साझेदारी से काफी खुश हैं और आने वाले सालों में इस साझेदारी को और मजबूत करना चाहते हैं। हम एक साथ मिलकर उम्मीदों से बढ़कर काम करने, नवाचार को बढ़ावा देने और निर्माण उपकरणों के क्षेत्र में नए बेंचमार्क स्थापित करने के लिए संकल्पित हैं। हमारा साझा लक्ष्य भारत के आधारभूत ढांचे के विकास में योगदान देकर देश को मजबूत करना है और देश की प्रगति पर दीर्घकालिक प्रभाव डालना है। सांघवी मूवर्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक ऋषि सांघवी ने कहा कि हम सांघवी मूवर्स को अपना भरपूर सहयोग देने और हमारी कंपनी में विश्वास जताने के लिए सैनी इंडिया, दीपक गर्ग और उनकी टीम के बहुत आभारी हैं। सांघवी मूवर्स पिछले 34 सालों से भारत में प्रमुख होइस्टिंग चैंपियन है। सांघवी मूवर्स में हमारे लिए विश्वसनीयता, भरोसा, टिकाउपन और सुरक्षा सबसे अधिक महत्वपूर्ण है। ये नई क्रॉलर क्रेन्स हमें चुनौतीपूर्ण हालात में बेहतरीन काम करने में सक्षम बनाएगी। इससे हम अलग-अलग वर्ग के उपभोक्ताओं की जरूरतों को पूरा कर सकेंगे। उन्होंने कहा, सैनी इंडिया के साथ हमारी बेहतरीन साझेदारी नए-नए आविष्कार करने और इंडस्ट्री के नए मानक तय करने के प्रति हमारे साझा समर्पण का प्रतीक है। हम एक साथ मिलकर काफी तेज रफ्तार से भारत में आधारभूत ढांचे को मजबूती प्रदान कर रहे हैं और राष्ट्र की प्रगति में अपना योगदान दे रहे हैं। एससीसी7500ए 750 टन वजन उठाने की क्षमता वाली क्रॉलर क्रेन्स है, जिसे विंड एनर्जी और नॉन-विंड एनर्जी संबंधी कार्यों में इस्तेमाल के लिए काफी बेहतरीन ढंग से डिजाइन किया गया है (इसमें सीमेंट सेक्टर, पेट्रो केमिकल्स और रिफाइनरी, स्टील प्लांट्स और पावर प्लांट्स शामिल हैं।) इसकी अधिकतम बूम लेंथ 108 मीटर और 96 मीटर + 96 मीटर का अधिकतम लफिंग जिब संयोजन है। सैनी इंडिया की क्रॉलर क्रेंस बेहतरीन विश्वसनीयता प्रदान करती है और अपने काम को शानदार ढंग से करने के लिए बेहतरीन संचालन क्षमता से लैस है। इसके अलावा, इसमें कई नए तकनीकी फीचर्स शामिल किए हैं। संचालन की सभी तरह की स्थितियों में इसमें ज्यादा से ज्यादा सुरक्षा, स्थायित्व और लचीलापन मिलता है। एससीसी7500एको ज्यादा से ज्यादा 10 हजार मीटर टन तक ऊपर उठाया जा सकता है। यह बेहद मजबूत और सक्षम कमिंस इंजन से लैस है, जिसकी पावर रेटिंग 447 केडब्ल्यू/1800 आरपीएम है। कार्य की जरूरत के आधार पर इन क्रॉलर क्रेंस को तरह-तरह की ऊंचाई पर एडजस्ट किया जा सकता है। इस समय यह क्रेन गुजरात के जामनगर में पवन ऊर्जा परियोजना स्थल पर काम कर रही है।

आज का युवा विकसित भारत का निर्माण करेगा : राष्ट्रपति

नई दिल्ली, (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को कहा कि आज का युवा ही संकल्प काल में विकसित भारत का निर्माण करेगा। राष्ट्रपति आज गोवा में गोवा विश्वविद्यालय के 34वें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रही थीं। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने कहा कि प्रौद्योगिकी और नवाचार आज की दुनिया में एक प्रमुख भूमिका निभाते हैं। उन्हें यह जानकर खुशी हुई कि गोवा विश्वविद्यालय नवाचार को बढ़ावा दे रहा है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हमारे उच्च शिक्षण संस्थानों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डेटा साइंस जैसे क्षेत्रों में विश्व स्तरीय क्षमता विकसित करना आवश्यक है। उन्हें यह जानकर खुशी हुई कि गोवा विश्वविद्यालय, गोवा सरकार के उच्च शिक्षा निदेशालय के सहयोग से "समग्र शिक्षण और वर्चुअल ओरिएंटेशन के लिए डिजिटल इंटीग्रेटेड सिस्टम" कार्यक्रम चला रहा है। राष्ट्रपति ने कहा कि विभिन्न विभागों को एकीकृत करके अंतःविषय अध्ययन को प्रोत्साहित करने के लिए गोवा विश्वविद्यालय के परिसर में विभिन्न स्कूल बनाए गए हैं। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप इस पहल के लिए गोवा विश्वविद्यालय की सराहना की और कहा कि इस विश्वविद्यालय में शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार के लिए उत्कृष्टता का केंद्र बनने की अपार संभावनाएं हैं। राष्ट्रपति को यह जानकर खुशी हुई कि गोवा विश्वविद्यालय ने "उन्नत भारत अभियान" के तहत पांच गांवों को गोद लिया है, जहां स्थिरता मॉडल को अपनाकर सीपियों और मशरूम की खेती की जा रही है। उन्होंने छात्रों में सामाजिक समावेशन और पर्यावरण संतुलन के बारे में संवेदनशीलता पैदा करने के लिए गोवा विश्वविद्यालय की टीम की सराहना की। छात्रों को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि दीक्षांत समारोह उनके जीवन का एक यादगार पल है। उन्होंने कहा कि छात्रों ने जो डिग्रियां हासिल की हैं, वे उन्हें रोजगार पाने या व्यवसाय शुरू करने में मदद करेंगी लेकिन एक गुण जो उन्हें जीवन में बहुत आगे ले जा सकता है, वह है कभी हार न मानने का साहस। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि शिक्षा एक आजीवन प्रक्रिया है। निरंतर सीखने वाला जीवन में अवसरों का लाभ उठाने के साथ-साथ चुनौतियों का सामना करने में भी सक्षम होगा। उन्होंने कहा कि आज का युवा ही संकल्प काल में विकसित भारत का निर्माण करेगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि वे भारत को अधिक समृद्धि की ओर ले जाने के सपने को पूरा करेंगे।

सिख विरोधी दंगा मामले में सज्जन कुमार पर आरोप तय, अगली सुनवाई 21 सितंबर को

अजय त्यागी

नई दिल्ली। दिल्ली के राऊज एवेन्यू कोर्ट स्पेशल जज एमके नागपाल ने वर्ष 1984 के सिख विरोधी दंगा मामले में सज्जन कुमार के खिलाफ आरोप तय करने का आदेश दिया। मामले की अगली सुनवाई 21 सितंबर को होगी। कोर्ट ने सज्जन कुमार के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 147, 148, 153A, 295R/W149, 307, 308, 323, 325, 395, 436 के तहत आरोप तय करने का आदेश दिया है।

हालांकि, कोर्ट ने एसआईटी को सज्जन कुमार के खिलाफ लगाई गई हत्या की धारा 302 को हटाने का आदेश दिया। आज सुनवाई के दौरान कोर्ट को बताया गया कि सज्जन कुमार इस केस में हिरासत में नहीं हैं, सज्जन कुमार इस मामले में जमानत पर हैं। दरअसल, 1984 के सिख विरोधी दंगों के दौरान जनकपुरी में दो सिखों सोहन सिंह और उनके दामाद अवतार सिंह को एक नवंबर 1984 की हत्या हुई थी। इसी तरह विकासपुरी पुलिस स्टेशन के इलाके में गुरुचरण सिंह को जला दिया गया, जिसकी वजह से उनकी मौत हुई थी। इन दोनों मामलों मे 2015 में एसआईटी ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। इसके लिए मई 2018 में सज्जन कुमार का पॉलीग्राफ भी किया जा चुका है।

सुप्रीम कोर्ट से पूर्व पुलिस अधिकारी प्रदीप शर्मा को राहत, दो साल बाद जमानत पर जेल से बाहर आएंगे

नई दिल्ली, (हि.स.)। सुप्रीम कोर्ट ने उद्योगपति मुकेश अंबानी के घर एंटीलिया को फरवरी 2021 में बम से उड़ाने की साजिश रचने और व्यवसायी मनसुख हिरेन की हत्या के मामले में आरोपित और पूर्व पुलिस अधिकारी प्रदीप शर्मा को जमानत दे दी। जस्टिस एएस बोपन्ना की अध्यक्षता वाली बेंच ने जमानत देने का आदेश दिया। सुप्रीम कोर्ट ने 21 अगस्त फैसला सुरक्षित रख लिया था। सुनवाई के दौरान उनके वकील मुकुल रोहतगी ने कहा था कि प्रदीप शर्मा की पत्नी की हालत दिन-ब-दिन बिगड़ रही है। इस मामले में वह दो साल से जेल में है। पत्नी का 2015 में गैस्ट्रिक बाइपास सर्जरी के लिए ऑपरेशन हुआ था। अभी उनको गंभीर समस्या है। उनका वजन छह किलोग्राम कम हो गया है। शर्मा को मानवीय आधार पर अंतरिम जमानत प्रदान की जाए। सुनवाई के दौरान एएसजी एसवी राजू ने कहा था कि प्रदीप शर्मा की पत्नी नियमित रूप से अस्पताल में उनसे मिलने आती रही हैं। उन पास इसका रिकॉर्ड है। उल्लेखनीय है कि बॉम्बे हाई कोर्ट ने 23 जनवरी को शर्मा की जमानत याचिका को खारिज कर दिया था। उन्होंने इसके बाद सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।

दिल्ली सरकार में मंत्री कैलाश गहलोत के आवास के बाहर भाजपा का प्रदर्शन

अजय कुमार

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकताओं ने दिल्ली सरकार में मंत्री कैलाश गहलोत के इस्तीफे की मांग को लेकर सिविल लाइन स्थित उनके आवास के बाहर बुधवार को प्रदर्शन किया। इनमें बड़ी संख्या में भाजपा की महिला कार्यकर्ता और कई बड़े पदाधिकारी भी शामिल हुए। दरअसल, भाजपा किशोरी से दुष्कर्म के आरोपित दिल्ली सरकार के पूर्व अधिकारी के साथ मंत्री की संलिप्तता का आरोप लगा रही है। दिल्ली भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने मंगलवार को ही प्रेस वार्ता कर आह्वान किया था कि कार्यकर्ता कैलाश गहलोत के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन करेंगे। सिविल लाइन स्थित मंत्री कैलाश गहलोत के आवास के बाहर प्रदर्शन कर रहे भाजपा के कार्यकताओं का कहना है कि इस पूरे मामले में दिल्ली सरकार के मंत्री कैलाश गहलोत को इस्तीफा दे देना चाहिए, क्योंकि उन्होंने उस अधिकारी को आगे बढ़ाया और प्रमोशन दिया, जिसने महीनों तक एक किशोरी के साथ दुष्कर्म किया। 13 अगस्त को इस व्यक्ति पर एफआईआर दर्ज हुई थी लेकिन दिल्ली सरकार और मुख्यमंत्री ने कोई कार्रवाई नहीं की। जब मामला मीडिया में आया तब उस अधिकारी को बर्खास्त किया गया।

"मन की बात" पर आधारित मैराथन सेमिनार का शुभारंभ

भोपाल, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के "मन की बात" के 100 एपिसोड पर आधारित मैराथन सेमिनार "NOT OUT @ 100" शुरू हो गया है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने बुधवार को भोपाल के रवीन्द्र भवन में आयोजित इस सेमिनार का उद्घाटन किया। इसमें देश-विदेश के 100 वक्ता एक ही मंच पर नान स्टाप (लगातार) 100 घंटे तक मन की बात के विविध विषयों पर वक्तव्य देंगे। इस कार्यक्रम को 100 श्रोता सुनेंगे और हर एक वक्ता के सामने नए 100 श्रोता होंगे। मध्य प्रदेश टास्क इंटरनेशनल पब्लिक पालिसी रिसर्च सेंटर द्वारा सामाजिक जागरुकता के लिए आयोजित इस कार्यक्रम में 100 संकल्प भी लिए जाएंगे। सेमिनार के संयोजक डॉ. राघवेंद्र शर्मा ने बताया कि मन की बात कार्यक्रम स्वर्णिम भारत के निर्माण में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। यह सेमिनार गिनीज बुक आफ वर्ल्ड रिकार्ड में दर्ज कराई जाएगी। सेमिनार 27 अगस्त तक चलेगा। प्रत्येक सेमिनार में जल संरक्षण, देह दान, नेत्र दान और नागरिक दायित्वों के निर्वहन का भी संकल्प लिया जाएगा।

मन की बात कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी ने जिन लोगों से चर्चा की है, उनका सेमिनार के दौरान अभिनंदन किया जाएगा। मन की बात कार्यक्रम को औसतन 23 करोड़ लोग सुनते हैं। यह दुनिया का सर्वाधिक सुना जाने वाला कार्यक्रम है। सेमिनार में डॉ. शर्मा की पुस्तक के प्रथम भाग का विमोचन भी होगा।

15 वर्षीय दुष्कर्म पीड़िता के मामले में डीसीडब्ल्यू ने पुलिस को नोटिस दिया

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। दिल्ली महिला आयोग (डीसीडब्ल्यू) ने 15 साल की एक लड़की से रेप के मामले में दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी किया है। डीसीडब्ल्यू को लड़की के पिता से शिकायत मिली, जिन्होंने डीसीडब्ल्यू को बताया कि वह अपने परिवार के साथ मदनगीर, अंबेडकर नगर में रहते हैं। उन्होंने बताया है कि 23 अप्रैल, 2023 की रात में उनकी बेटी लापता हो गई और जब उन्होंने दिल्ली पुलिस के सामने शिकायत दर्ज कराई तो उन्हें सुबह तक इंतजार करने के लिए कहा गया। सुबह बच्ची वापस आई तो उसने बताया कि वह छत पर सो रही थी। पिता ने बताया है कि घटना के बाद लड़की का व्यवहार एकदम से बदल गया और वह शांत और अलग-थलग रहने लगी। विशेषज्ञों द्वारा उसकी काउंसलिंग भी करवायी गयी लेकिन समय के साथ उसकी हालत बिगड़ती गई और उसको पैनिक अटैक आने लगे। 17 अगस्त को लड़की को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां पता चला कि वह 3-4 महीने की गर्भवती है। काउंसलिंग के दौरान पता चला कि उनके पड़ोस में रहने वाले एक लड़के ने 23अप्रैल, 2023 की रात में उसके साथ कथित तौर पर बलात्कार किया था। शिकायतकर्ता ने कहा है कि आरोपित ने लड़की को धमकी दी थी कि वह घटना के बारे में किसी को न बताए अन्यथा वह उसके परिवार को मार डालेगा।

शिकायतकर्ता ने आगे आरोप लगाया है कि उनकी बेटी का पहले भी अक्टूबर-2018 से जनवरी-2019 तक संगम विहार में उसके घर की इमारत में रहने वाले एक अन्य व्यक्ति द्वारा यौन उत्पीड़न किया गया था। डीसीडब्ल्यू को सूचित किया गया है कि मामले में अंबेडकर नगर थाने में आईपीसी की धारा 376 और 6 पॉस्को के तहत एक प्राथमिकी दर्ज की गई है। हालांकि, एफआईआर में केवल एक आरोपित का उल्लेख है, अन्य का नहीं। डीसीडब्ल्यू को यह भी बताया गया कि अब तक पीड़िता का 164 सीआरपीसी के तहत बयान दर्ज नहीं किया गया है। बच्ची फिलहाल एक सरकारी अस्पताल में भर्ती है।

उधर, डीसीडब्ल्यू की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने सदस्य वंदना सिंह के साथ मंगलवार को अस्पताल का दौरा किया और लड़की और उसके परिवार से मिलीं। उसके बाद स्वाति ने दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी कर मामले में कार्रवाई रिपोर्ट मांगी। डीसीडब्ल्यू ने मामले में गिरफ्तार आरोपितों का विवरण और लड़की के पिता द्वारा बताए गए अन्य आरोपितों को गिरफ्तार न करने की वजह पूछी है। डीसीडब्ल्यू ने 164 सीआरपीसी के तहत पीड़िता का बयान तत्काल दर्ज करने के लिए दिल्ली पुलिस द्वारा उठाए गए कदमों का विवरण भी मांगा है।

उत्तराखंड में मुसीबत बनी बारिश, 27 अगस्त तक रेड, ऑरेंज और येलो जारी

-01 राष्ट्रीय और 04 बॉर्डर सहित 190 अन्य सड़कें बंद

देहरादून, (हि.स.)। उत्तराखंड में लगातार हो रही बरसात से मुसीबत थमने का नाम नहीं ले रही। आफत की मूसलाधार बारिश से जन जीवन अस्त-व्यस्त है। पहाड़ में भूस्खलन तो मैदान में जलभराव के संकट से लोग सहमे हुए हैं। राज्य में आगामी 27 अगस्त तक रेड, ऑरेंज और येलो अलर्ट जारी है। इस चेतावनी को देखते हुए शासन प्रशासन और आपदा विभाग को अलर्ट मोड पर रखा गया है। प्रदेश में 01 राष्ट्रीय राजमार्ग सहित कुल 190 सड़कें अवरुद्ध हैं। बुधवार सुबह से राज्य भर में रुक-रुक कर बारिश हो रही है। लगातार हो रही वर्षा से राज्य में नदी नाले उफान पर हैं। देहरादून के कई सड़कें,चौराहे और गलियों में जलभराव होने से लोगों को आवागमन में खासी दिक्कतें उठानी पड़ रही हैं। मौसम विभाग की चेतावनी को देखते आज जिले में 01 से लेकर 12 वीं तक के सभी स्कूलों में अवकाश घोषित किया गया है। हरिद्वार में गंगा का जलस्तर बढ़कर 292.05 मीटर पर बह रही है। टिहरी बांध का जलस्तर 820.30 मीटर पर है। उधमसिंहनगर-काशीपुर क्षेत्र के हिम्मतपुर में जलभराव की सूचना पर एसडीआरएफ ने 60 लोगों को रेस्क्यू कर सुरक्षित निकाला है। इनके रहने की व्यवस्था प्राइमरी स्कूल, हिम्मतपुर में की गई है। राज्य आपातकालीन परिचालन केन्द्र की ओर से जिलाधिकारी पिथौरागढ़ और उधम सिंह नगर को जिले में नदियों के बढ़ते जलस्तर को लेकर सावधानी बरतने को कहा गया है। गौरी गंगा नदी (बंगापानी, मुनस्यारी) का जल स्तर खतरे के निशान से ऊपर प्रवाहित हो रही है। फीका बैराज, जसपुर (उधम सिंह नगर) का जलस्तर अधिकतम बाढ़ स्तर से ऊपर हो गया है। जनपद में जलस्तर की वास्तविक समय की निगरानी सुनिश्चित करने को कहा गया है।

आपदा प्रबन्धन आईआरएस प्रणाली के नामित समस्त अधिकारी और विभागीय नोडल अधिकारी हाई अलर्ट में रहेंगे। असामान्य मौसम, भारी वर्षा की चेतावनियों के दौरान उच्च हिमालयी क्षेत्रों में पर्यटकों के आवागमन की अनुमति न दी जाये। मौसम विभाग की ओर से जारी पूवार्नुमान के मुताबिक आज (बुधवार) को टिहरी गढ़वाल, देहरादून, पौड़ी गढ़वाल, बागेश्वर, चंपावत, नैनीताल, उधम सिंह नगर, हरिद्वार जिले के लिए गरज-चमक के साथ कहीं-कहीं भारी से बहुत भारी वर्षा की बौछारें पड़ने को लेकर रेड और उत्तरकाशी, चमोली, रुद्रप्रयाग, पिथौरागढ़, और अल्मोड़ा के लिए भारी वर्षा को लेकर येलो अलर्ट जारी हैं। 24 अगस्त को टिहरी गढ़वाल, देहरादून,पौड़ी गढ़वाल, चंपावत, नैनीताल, उधम सिंह नगर, हरिद्वार जिले में ऑरेंज और 06 जिले के लिए येलो जारी हैं। राज्य भर में 25 से लेकर 27 अगस्त के लिए येलो अलर्ट हैं। राज्य में लगातार हो रही वर्षा से भूस्खलन और सड़कों पर मलबा आने का सिलसिला जारी है। प्रदेश में 01 राष्ट्रीय राजमार्ग, 16 राज्य मार्ग और सीमांत जिला पिथौरागढ़ में 04 बॉर्डर मार्ग सहित लगभग 190 अन्य सड़कें अवरुद्ध हैं। इन बंद मार्गों को संबंधित विभाग की ओर से खोला जा रहा है।

परिचालन अवधि पूरी करने वाले वाहनों को दिल्ली से बाहर भेजने की तैयारी

नई दिल्ली। दिल्ली में परिचालन अवधि पूरी करने वाले वाहनों को दिल्ली से बाहर भेजने की तैयारी की जा रही है। दिल्ली उच्च न्यायालय ने इस आशय के आदेश दिए हैं। कोर्ट ने परिचालन की अवधि पूरी कर लेने वाले वाहनों को उनके मालिकों से एक शपथपत्र लेकर छोड़ने का निर्देश दिया। कोर्ट ने कहा कि वे उन्हें हमेशा के लिए निजी पार्किंग क्षेत्र में खड़ा कर देंगे या उन्हें शहर से बाहर भेज देंगे।

बता दें कि न्यायमूर्ति प्रतीक जालान न्यायिक आदेशों का उल्लंघन करने पर प्राधिकारियों द्वारा कारों को जब्त किए जाने के खिलाफ कई याचिकाओं पर सुनवाई कर रहे हैं। अदालत ने पेट्रोल से चलने वाली गाड़ियों के 15 साल पूरे होने तथा डीजल से चलने वाले वाहनों के 10 साल पूरा होने के बाद उनके इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाने का आदेश दिया था। अदालत ने दिल्ली सरकार से ऐसे वाहनों से निपटने के लिए एक नीति बनाने को कहा जिनके मालिक यह आश्वासन देना चाहते हैं कि वे इन वाहनों का यहां इस्तेमाल नहीं करेंगे। अदालत ने इस नीति का उचित प्रचार करने का भी निर्देश दिया।

कोर्ट ने कहा कि इस नीति का उद्देश्य कारों को जब्त करना नहीं बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि राष्ट्रीय राजधानी प्रदूषण मुक्त हो और अपनी संपत्ति का इस्तेमाल करने के अधिकार तथा पर्यावरणीय हितों के बीच संतुलन बनाए रखना होगा। उच्च न्यायालय ने कहा कि मेरा मानना है कि याचिकाकताओं की शिकायतों से एनजीटी और उच्चतम न्यायालय के आदेशों के क्रियान्वयन के साथ संतुलन बनाकर निपटा जा सकता है जिसके तहत मालिकों को यह शपथपत्र देने का निर्देश देकर वाहनों को छोड़ा जा सकता है कि वे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली से अपने वाहन हटा लेंगे और उन्हें प्रदेश के सर्वजनिक स्थलों पर खड़ा नहीं करेंगे या सड़कों पर नहीं चलाएंगे। न्यायमूर्ति जालान ने कहा कि मालिकों द्वारा शपथपत्र का उल्लंघन करने पर अदालती कार्रवाई की जाएगी।

बाबा बुड्ढा अमरनाथ यात्रा के लिए 395 श्रद्धालुओं का अब तक सबसे छोटा जत्था जम्मू से रवाना

जम्मू, (हि.स.)। पुंछ स्थित बाबा बुड्ढा अमरनाथ यात्रा का छठा और अब तक का सबसे छोटा जत्था बुधवार को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच जम्मू के भगवती नगर आधार शिविर से रवाना हो गया। बुधवार सुबह बम-बम भोले के नारे लगाते हुए भगवती नगर आधार शिविर से कुल 395 श्रद्धालु 08 वाहनों में सवार होकर पुंछ के लिए रवाना हुए। उनमें 270 पुरुष, 122 महिलाएं और 03 बच्चे हैं। बाबा बुड्ढा अमरनाथ का यह मंदिर जम्मू संभाग के सबसे पुराने मंदिरों में से एक है। बाबा बुड्ढा अमरनाथ की यह यात्रा छड़ी मुबारक के आगमन के साथ ही समाप्त होती है। 11 दिनों तक चलने वाली इस यात्रा में जम्मू कश्मीर के अलावा बाहरी राज्यों के श्रद्धालु भी बाबा बुड्ढा अमरनाथ रूपी भगवान शिव के दर्शनों के लिए पहुंच रहे हैं। दूसरी ओर, अमरनाथ यात्रा को अस्थाई तौर पर स्थगित करने के बाद पिछले कुछ दिनों से जम्मू के भगवती नगर आधार से किसी भी जत्थे को कश्मीर घाटी के लिए रवाना नहीं किया गया है। प्रशासन ने यह फैसला श्रद्धालुओं की लगातार घटती संख्या तथा जम्मू श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर रखरखाव कार्य को देखते हुए लिया है। अभी तक 4.4 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने अमरनाथ की पवित्र गुफा में बर्फ से बने हिमलिंग रूपी भगवान शिव के दर्शन किए हैं। यह यात्रा 1 जुलाई को शुरू हुई थी और 31 अगस्त को रक्षाबंधन वाले दिन संपन्न होगी।

नाबालिग से रेप के आरोपित अधिकारी व उसकी पत्नी को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत

राकेश शर्मा

नई दिल्ली। दिल्ली के तीस हजारी कोर्ट ने दोस्त की नाबालिग बेटी के साथ रेप करने के आरोपित दिल्ली सरकार के अधिकारी प्रेमोदय खाखा और उसकी पत्नी सीमा रानी को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। दोनों को आज कोर्ट में पेश किया गया था। आज दोनों की पुलिस हिरासत खत्म हो रही थी, जिसके बाद दोनों को कोर्ट में पेश किया गया। 22 अगस्त को कोर्ट ने प्रेमोदय खाखा को आज तक की हिरासत में भेजा था। दिल्ली पुलिस ने खाखा को 21 अगस्त को पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया था। खाखा की पत्नी सीमा रानी को कोर्ट ने पहले ही हिरासत में भेजा था। खाखा पर आरोप है कि उसने अपनी दोस्त की नाबालिग बेटी के साथ नवंबर 2020 और जनवरी 2021 के बीच कई बार रेप किया। दिल्ली पुलिस के मुताबिक पीड़िता के पिता की एक अक्टूबर 2020 में मौत हो गई थी, जिसके बाद खाखा ने उसे अपने घर उसकी देखभाल के लिए बुला लिया था। पीड़िता खाखा को मामा कहकर बुलाती थी। खाखा की पत्नी ने पीड़िता को गर्भ हटाने वाली गोली खिलाई थी। दिल्ली पुलिस ने दोनों के खिलाफ पॉक्सो के विभिन्न प्रावधानों के अलावा भारतीय दंड संहिता की धारा 376(2)(एफ), 509, 506, 323, 313, और 120बी के तहत एफआईआर दर्ज किया है। खाखा दिल्ली सरकार के महिला एवं बाल विकास विभाग में डिप्टी डायरेक्टर था। मामला सामने आने के बाद उसे निलंबित कर दिया गया है।

केंद्र सरकार ने डीआरडीओ के कार्यों की समीक्षा के लिए बनाई हाई पावर कमेटी

नई दिल्ली, (हि.स.)। केंद्र सरकार ने रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के कामकाज की समीक्षा करके आमूल-चूल परिवर्तन लाने के लिए नौ सदस्यीय उच्च स्तरीय समिति का गठन किया है। कमेटी का नेतृत्व सरकार के पूर्व प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार प्रोफेसर के. विजयराघवन को सौंपा गया है। कमेटी को रक्षा विभाग (आरएंडडी) और डीआरडीओ की भूमिका का पुनर्गठन करके पुनर्परिभाषित करने की जिम्मेदारी देकर तीन माह में रिपोर्ट मांगी गई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निदेर्शों पर डीआरडीओ की कार्यप्रणाली में बदलाव के उद्देश्य से रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने उच्च स्तरीय समिति बनाई है। प्रोफेसर विजयराघवन के नेतृत्व में विशेषज्ञों की नौ सदस्यीय समिति को डीआरडीओ के कार्यों की समीक्षा और पुनर्परिभाषित करने की जिम्मेदारी दी गई है। प्रो. विजयराघवन भारत सरकार के पूर्व प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार और राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन (एनआरएफ) के प्रमुख वास्तुकारों में से एक हैं।

सरकार ने इस कमेटी से तीन महीने के भीतर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए कहा है। डीआरडीओ समीक्षा समिति में पूर्व उप सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) सुब्रत साहा, नौसेना स्टाफ के पूर्व उप प्रमुख वाइस एडमिरल एसएन घोरमाडे, पूर्व चीफ ऑफ इंटीग्रेटेड स्टाफ एयर मार्शल बीआर कृष्णा, एमपी-आईडीएसए के महानिदेशक सुजान आर चिनॉय, आईआईटी कानपुर के प्रोफेसर मणींद्र अग्रवाल, सोसाइटी ऑफ इंडियन डिफेंस मैन्युफैक्चर्स (एसआईडीएम) के अध्यक्ष एसपी शुक्ला, लार्सन एंड टुब्रो डिफेंस के जेडी पाटिल, इसरो के प्रतिष्ठित वैज्ञानिक डॉ. एस उन्नीकृष्णन नायर और रक्षा मंत्रालय की वित्तीय सलाहकार सुश्री रसिका चौबे को रखा गया है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के इस फैसले के बारे में डीआरडीओ प्रमुख समीर वी कामत ने बताया कि इस हाई पावर कमेटी को रक्षा विभाग (आरएंडडी) और डीआरडीओ की भूमिका का पुनर्गठन करके पुनर्परिभाषित करने के साथ ही शिक्षा और उद्योग के साथ उनके संबंधों को फिर से परिभाषित करने को कहा गया है। समिति को अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों के विकास में शिक्षा जगत, एमएसएमई और स्टार्टअप की भागीदारी को अधिकतम करने, उच्च गुणवत्ता वाली जनशक्ति को आकर्षित करने के बारे में भी अध्ययन करने के लिए कहा गया है, ताकि गैर-निष्पादक शक्तियों को बाहर किया जा सके। यह कमेटी डीआरडीओ के पुनर्गठन में अत्याधुनिक और विघटनकारी रक्षा प्रौद्योगिकियों के विकास के लिए एनआरआई, विदेशी सलाहकारों, अंतर-देशीय सहयोग की विशेषज्ञता का इस्तेमाल करेगी। समिति से परियोजनाओं के त्वरित कार्यान्वयन के लिए प्रशासनिक, कार्मिक और वित्तीय प्रणालियों का आधुनिकीकरण करने, प्रयोगशाला संरचनाओं और उनके प्रदर्शन की मूल्यांकन प्रक्रिया बनाने को भी कहा गया है। हालांकि, डीआरडीओ ने निर्देशित मिसाइल प्रणालियों में कुछ अग्रणी काम किया है, लेकिन इस संस्थान के कामकाज की समीक्षा करने का यह निर्णय महत्वपूर्ण है।

खिलाड़ी देश के लिए खेलता है, हमारा भी कर्तव्य है कि हम उनके बारे में सोचें : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ, (हि.स.)। मेरे लिए आज का अवसर अत्यन्त महत्वपूर्ण है। देश के अलग-अलग भागों से भी कुशल खिलाड़ी प्रदेश के सिपाही का हिस्सा बन रहे हैं। यह खिलाड़ियों के लिए सम्मान का भाव है। जो खिलाड़ी देश के लिए खेलता है, उसके लिए हमारा भी कर्तव्य बनता है कि हम उनके लिए सोचें। यह बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को लोकभवन में 233 प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को पुलिस में विशेष भर्ती का प्रमाण पत्र देने के लिए हुए समारोह में कहीं। उन्होंने कहा कि इससे पहले भी हमने देश के सभी खिलाड़ियों का सम्मान किया था। राज्य सरकार की तरफ से उन्हें नगद राशि प्रदान करायी थी। हमारा मानना है कि एक खिलाड़ी देश के लिए खेलता है। एक खिलाड़ी उसी रूप में प्रस्तुत करने का प्रयास करता है। इस कारण हमारी भी जिम्मेदारी बनती है कि उसे किसी एक बंधन में बांधकर न रखें। उसी के तहत हम लोगों ने 233 को नियुक्ति पत्र देकर एक बंधन में जोड़ने का काम किया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पहले हर भर्ती पर प्रश्न उठते थे, लेकिन विगत छह वर्ष के अंदर एक लाख 54 हजार से अधिक पुलिस भर्ती प्रक्रिया सकुशल संपन्न हो चुकी है। प्रदेश में एक लाख से अधिक पुलिस कार्मिकों को प्रोन्नति देने की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है, लेकिन इसी के बीच यहां अच्छे खिलाड़ियों को भी मौका दिया गया। इससे पहले आठ जुलाई को भी 227 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित किये थे। उसमें भी राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री की प्रेरणा से यहां लगातार गांव से लेकर शहर तक प्रतियोगिताओं को प्रोत्साहित किया जा रहा है। यह दिखता है कि एक रचनात्मकता युवाओं के मन में आ रहा है। यदि युवा शक्ति रचनात्मक है तो राष्ट्र की उन्नति होती है। खिलाड़ी रचनात्मकता का प्रतीक बनता है। वह आत्मनिर्भरता का प्रतीक बनता है। समाज में कुछ कर गुजरने की शक्ति होती है। उन्होंने कहा कि आप सभी अपनी प्रैक्टिस बंद न करें। उप्र पुलिस बल के लिए कार्य करना है। पुलिस ने ओवर आल परशेप्शन बदलने का काम किया है। आज हर जगह उप्र पुलिस को लोग याद करते हैं। आज दूसरी जगहों के लोग भी बोलते हैं कि उप्र पुलिस होती तो यह घटना नहीं होती। आज यहां बड़ा से बड़ा कार्यक्रम सफल हो जा रहे हैं। वित्तमंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने कहा कि खेल का दोगुना बजट कर दिया। अब जरूरत है महिलाएं भी खेल में आगे आयें। आपका खेल के माध्यम से कैरियर बन गया, लेकिन प्रैक्टिस जारी रखना चाहिए। यदि आप चोर के सामने खड़े होकर हाथ जोड़ेंगे तो वह नहीं बताएगा। सब इंस्पेक्टर और इंस्पेक्टर के व्यवहार पर भी काम होना चाहिए। आज एस.पी भी रिटायर होने पर थाने जाने से बचता है। सरीफ आदमियों के साथ व्यवहार दोस्ताना होना चाहिए। खेल मंत्री गिरीश चंद्र यादव ने बताया कि 531 लोग और इस प्रक्रिया में हैं। उन्हें भी जल्द ही चुना जाएगा।

लोकसभा चुनाव अकेले लड़ेगी बसपा, तैयारियों में अभी से जुट जाएं कार्यकर्ता : मायावती

लखनऊ, (हि.स.)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने लोकसभा चुनाव-2024 की तैयारियों को लेकर बुधवार को पार्टी कार्यालय में कार्यकताओं एवं पदाधिकारियों के साथ बैठक की। मायावती ने कार्यकताओं एवं पदाधिकारियों से कहा कि इस बार लोकसभा चुनाव पार्टी अपने ईमानदार कार्यकताओं के बल पर अकेले लड़ेगी। इसलिए पूरे तन-मन से इस चुनाव में अभी से जुट जाएं। चुनाव के लिए पार्टी उम्मीदवार के चयन पर भी खास सावधानी बरतनी होगी। क्योंकि राजस्थान, मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़ आदि राज्यों के विधानसभा चुनाव के ठीक बाद लोकसभा चुनाव की घोषणा होगी। मायावती ने कहा कि उत्तर प्रदेश में गठबंधन करके बसपा को लाभ के बजाए नुकसान ज्यादा उठाना पड़ा है। क्योंकि हमारी पार्टी का वोट स्पष्ट तौर पर गठबंधन वाली दूसरी पार्टी को ट्रांसफर हो जाता है जबकि दूसरी पार्टियां अपना वोट हमारे उम्मीदवार को ट्रांसफर कराने की न सही नीयत रखती हैं और न ही क्षमता। इससे पार्टी के लोगों का मनोबल प्रभावित होता है। उन्होंने कहा कि जहां तक चुनावी माहौल का सवाल है तो इस संबंध में हर तरफ से फीडबैक यही है कि भाजपा की साम्प्रदायिक राजनीति तथा द्वेषपूर्ण कार्यकलापों ने सभी का जीवन दुखी और त्रस्त कर रखा है। इसकी वजह से भाजपा अपना प्रभाव ही नहीं बल्कि अपना जनाधार भी खो रही है। यह प्रक्रिया आगे भी जारी रहने वाली है, जिससे लोकसभा चुनाव खासकर उत्तर प्रदेश में एकतरफा न होकर काफी दिलचस्प एवं देश की राजनीति को नया करवट बदलने वाला साबित होगा। मायावती ने कहा कि कांग्रेस की तरह ही भाजपा की कथनी-करनी में जमीन असमान का अंतर है। आमदनी अठन्नी और खर्चा रुपैया हो जाने के कारण गरीब एवं मेहनतकश लोगों के लिए परिवार का उचित पालन-पोषण करना भी असंभव हो गया है। इस सबका चुनाव पर प्रभाव पड़ने से कोई इनकार नहीं कर सकता है। कुल मिलाकर सत्तापक्ष और विपक्षी पार्टियों का गठबंधन केंद्र की सत्ता में आने के अपने-अपने दावे कर रहे हैं, जबकि जनता से किए गए इनके वादे खोखले ही साबित हुए हैं। उन्होंने कहा कि दोनों की नीतियों व कार्यशैली से देश के गरीब, मजदूरों दलित, पिछड़ों और धार्मिक अल्संख्यक समाज के लोगों का हित, कल्याण और इन्हें आपस में तोड़कर इनका अहित ज्यादा किया है। बसपा समाज को जोड़कर आगे बढ़ने का प्रयास करती है, जबकि वे लोग इन्हें तोड़कर कमजोर करने की संकीर्ण राजनीति में ही ज्यादातार व्यस्त रहते हैं। इसलिए इनसे दूरी बेहतर है। बसपा प्रमुख ने प्रदेश पार्टी संगठन में कुछ जरूरी फेरबदल की बात कही। उन्होंने कहा कि राजनीतिक दृष्टि से उत्तर प्रदेश महत्वपूर्ण राज्य है। यहां के राजनीतिक हालात लगातार बदलते रहते हैं। इसके मद्देनजर अच्छा चुनावी रिजल्ट पाने की नीयत से पार्टी संगठन में लगातार कुछ न कुछ फेरबदल करने की जरूरत पड़ती है। इसलिए जिसे जो जिम्मेदारी दी जाती है वह उसे कम न आंके बल्कि पार्टी हित को सर्वोपरि मानकर पूरी ईमानदारी एवं निष्ठा से अपनी जिम्मेदारी को निभाते रहें। इस दौरान पार्टी कार्यालय में सतीश चन्द्र मिश्रा एवं उनके भतीजे आकाश आनंद के अलावा पार्टी के पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। मायावती ने भतीजे आकाश आनंद के कंधे पर हाथ रखकर उन्हें आशीर्वाद भी दिया।

जिलाधिकारी ने इण्डियन बैंक के जागरूकता रथ को झण्डी दिखाकर रवाना किया

बहराइच, (हि.स.)। जन कल्याणकारी योजनाओं से जनपदवासियों में जागरूक करने के लिए जिलाधिकारी मोनिका रानी ने इण्डियन बैंक के उप महा प्रबन्धक रवीन्द्र सिंह के साथ कलेक्ट्रेट परिसर से इण्डियन बैंक के जागरूकता रथ को रवाना किया। यह रथ जिले के ग्रामों को संतृप्त किये जाने तथा जनसमस्याओं के निस्तारण के उद्देश्य से रवाना किया गया। जागरूकता रथ 24 अगस्त 2023 को ब्लाक पयापुर अन्तर्गत न्याय पंचायत खुटेहना में आयोजित होने वाले सेवा से संतृप्तिकरण शिविर के दृष्टिगत खुटेहना न्याय पंचायत के अन्तर्गत आने वाली ग्राम पंचायतों अरकापुर, खोरिया शरीफ, खुटेहना, इटवाहरदास, कोल्हुवा, लहडौरा, सतपेड़िया, रजुवापुर व बेलवापदुम में 02 दिन तक भ्रमण कर सरकार व बैंक द्वारा संचालित योजनाओं का प्रचार-प्रसार कर ग्रामवासियों को शिविर का लाभ उठाने के लिए प्रेरित करेगा। इसके अलावा जागरूकता रथ जनपद के अन्य स्थानों पर भी भ्रमण कर केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा तथा बैंकों द्वारा संचालित योजनाओं का भी प्रचार-प्रसार करेगा।

उपभोक्ता परिषद ने रिलायंस के ट्रांसमिशन लाइन खरीद को बताया असंवैधानिक

लखनऊ, (हि.स.)। पावर निकासी के लिए बनी रिलायंस रोजा की 400 केवी ट्रांसमिशन लाइन की सार्वजनिक सुनवाई में नया मोड़ आ गया है। इस संबंध में उपभोक्ता परिषद ने नियामक आयोग के सामने विधिक सवाल रखे हैं। उपभोक्ता परिषद का कहना है कि जब ट्रांसमिशन का रोजा के पास लाइसेंस ही नहीं है तो उसकी याचिका पर सुनवाई करना ही असंवैधानिक है। उपभोक्ता परिषद ने कहा कि देश का यह पहला मामला है कि मल्टी ईयर टैरिफ रेगुलेशन के तहत जिस रोजा पावर ट्रांसमिशन टैरिफ की सुनवाई हो रही है। उचित होगा कि पावर निकासी के लिए बनी 33 करोड़ की इस लाइन को डिप्रेशन कॉस्ट पर पावर कॉरपोरेशन खरीद ले। इसके अलावा कोई दूसरा रास्ता नहीं है। उपभोक्ता परिषद द्वारा उठाए गए विधिक सवालों के बाद विद्युत नियामक आयुक्त ने भरी अदालत में पावर कॉरपोरेशन व रिलायंस रोजा को निर्देश दिया कि आपस में बैठकर तय करें कि क्या करना है। पावर कारपोरशन इस लाइन को खरीदेगी। इस संबंध में जवाब दाखिल करने के लिए पावर कारपोरेशन को दो हफ्ते का समय दिया गया है। रिलायंस रोजा की तरफ से पावर निकासी के लिए बनी 7.2 किलोमीटर 400 केवी समर्पित ट्रांसमिशन लाइन के खर्चे पर ट्रांसमिशन टैरिफ हेतु विद्युत नियामक आयोग में दाखिल मल्टी ईयर टैरिफ रेगुलेशन 2019 के तहत याचिका पर बुधवार को आम जनता की सार्वजनिक सुनवाई बुलाई गई थी। सार्वजनिक सुनवाई की अध्यक्षता विद्युत नियामक आयोग के अध्यक्ष अरविंद कुमार एवं विद्युत नियामक आयोग के सदस्य बी के श्रीवास्तव व संजय कुमार सिंह की उपस्थिति में संपन्न हुई। सबसे पहले पावर कॉरपोरेशन की तरफ से सुप्रीम कोर्ट के वकील अभिषेक कुमार ने अपनी दलील रखते हुए कहा कि इस याचिका की सुनवाई जेनरेशन टैरिफ में होनी चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने जो अलग-अलग मदों में ज्यादा खर्च की मांग की गई थी, उस-ाका विरोध करते हुए कहा कि इसका भार प्रदेश के उपभोक्ताओं पर पड़ेगा।

उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष और राज्य सलाहकार समिति के सदस्य अवधेश कुमार वर्मा ने सुनवाई में मुद्दा उठा दिया कि विद्युत नियामक आयोग जी मल्टी ईयर टैरिफ रेगुलेशन 2019 के तहत रिलायंस रोजा की सुनवाई कर रहा है। उसमें स्पष्ट प्रावधानित है कि केवल ट्रांसमिशन लाइसेंसी वह वितरण ला-इसेंसी इस रेगुलेशन के तहत याचिका दाखिल कर सकता है। फिर ऐसे में रिलायंस की रोजा को आज तक न तो ट्रांसमिशन का लाइसेंस दिया गया है और न ही वह डीम्ड लाइसेंसी ही आयोग ने रोजा को माना। फिर यह सार्वजनिक सुनवाई किस आधार पर की जा रही है। यह पूरी तरह असंवैधानिक है।

बाल विकास एवं पुष्टाहार मंत्री ने मृतक आश्रितों को प्रदान किये नियुक्ति पत्र

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश की महिला कल्याण, बाल विकास एवं पुष्टाहार मंत्री बेबी रानी मौर्य ने बुधवार को अपने सरकारी आवास पर बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग के 11 मृतक आश्रितों को नियुक्ति पत्र प्रदान किये। इस मौके पर उन्होंने नियुक्ति पाने वाले कार्मिकों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि सभी कर्मी पूरे मनोयोग से अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगे।

उन्होंने कहा कि मृतक आश्रितों को नियुक्ति पत्र प्रदान करते हुए प्रसन्नता हो रही है, लेकिन इस बात का दुःख भी है कि इनके अभिभावकों की आसमयिक मृत्यु हुई है, जिसकी कमी को पूरा नहीं किया जा सकता है। बेबी रानी मौर्य ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार मृतक आश्रितों के प्रति बेहद संवेदनशील है। इसीलिए उन्हें शीघ्रातिशीघ्र नियुक्ति पत्र देने का कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में आज बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग में 11 मृतक आश्रितों को कनिष्ठ सहायक पद पर नियुक्ति पत्र प्रदान किये गये हैं।

इन्हें दी गयी नियुक्ति - देवेश पाण्डेय को जनपद वाराणसी, आकाश वर्मा को बागपत, संजय कुमार गौतम को महोबा, हरिश कुमार को कन्नौज, मोहित कुमार को मेरठ, कुलभूषण पाण्डेय को हापुड़, आकाश दीप को बुलंदशहर, विनय शंकर पाण्डेय को कानपुर देहात, अरविंद कुमार गौतम को कुशीनगर, रोहित गुप्ता को हाथरस तथा कमलेश कुमारी को जनपद पीलीभीत में कनिष्ठ सहायक के पद पर नियुक्ति दी गई है। इस अवसर पर निदेशक, बाल विकास एवं पुष्टाहार सरनीत कौर ब्रोका एवं संयुक्त निदेश-ाक गरिमा स्वरूप उपस्थित रहीं।

पलामू में ट्रक और ऑटो की आमने-सामने की भिड़ंत में दो की मौत, कई जख्मी

पलामू, (हि.स.)। रांची-मेदिनीनगर मुख्यमार्ग एनएच 75 पर रजडेरवा उत्क्रमित मध्य विद्यालय के समीप बुधवार को 11.45 बजे ऑटो और ट्रक में आमने-सामने की टक्कर हो गई, जिसमें ऑटो पर सवार एक महिला तथा एक बुजुर्ग की मौत हो गई जबकि कई लोग जख्मी हैं। घायलों को मेदिनीनगर एमआरएमसीएच तथा एक अन्य युवक को तुंबागड़ा के नवजीवन अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने हादसे में जान गंवाने वाली महिला तथा बुजुर्ग के शव का पोस्टमार्टम मेदिनीनगर एमआरएमसीएच कराया और परिजनों को सौंप दिया है। सतबरवा थाने के एएसआई बुद्धू उरांव के अनुसार मृतक की पहचान सतबरवा थाना क्षेत्र के हलुमाड़ गांव के बुजुर्ग कंवलधारी सिंह तथा इसी गांव के अंतू सिंह की 35 वर्षीय पत्नी के रूप में हुई है। पुलिस ट्रक और ऑटो को जब्त कर थाने ले आई है। ऑटो सतबरवा से सवारी लेकर मेदिनीनगर की ओर जबकि मेदिनीनगर से अनियंत्रित ट्रक रांची की ओर जा रहा था। इस बीच दोनों में आमने-सामने की टक्कर हो गई। घटना के बाद एनएच पर चीख पुकार मची रही। स्थानीय लोग घटनास्थल की औ दौड़ पड़े। पुलिस को जानकारी दी गई। पुलिस और ग्रामीणों के सहयोग से घायलों को अस्पताल भेजा गया। ग्रामीणों ने बताया कि महिला और बुजुर्ग की मौत घटनास्थल पर हो गई थी।

रामगढ़ में ग्रामीणों की पिटाई से युवक की मौत पर बवाल, मामला दर्ज

रामगढ़, (हि.स.)। जिले के रजरप्पा थाना क्षेत्र अंतर्गत चितरपुर-सिकनी रोड पर रेलवे क्रॉसिंग के पास ग्रामीणों की पिटाई से एक युवक की मौत के बाद बुधवार को ग्रामीणों ने रजरप्पा में शव के साथ खूब हंगामा किया। इस मामले में मृतक जरियो गांव निवासी शमशाद अंसारी की पत्नी हसीना खातून ने रजरप्पा थाने में प्राथमिक दर्ज कराई है। पुलिस को दिए गए आवेदन में हसीना ने कहा है कि उसके पति को मुसलमान कहकर पीटा गया था। उसके शरीर के सारे कपड़े खोल दिए गए थे। मुसलमान की पहचान करने के बाद ही सिकनी गांव के लोगों ने उसे पीटा है, जिससे उसकी मौत हो गई। हसीना ने पति की मौत के लिए सिकनी गांव के ही छोटेलाल महतो, कामेश्वर महतो, पूरन महतो, राजेंद्र उर्फ रमन पटेल, बलदेव ठाकुर, हितलाल महतो और गांव के 30-40 अन्य व्यक्तियों को जिम्मेदार ठहराया है।

धर्म पूछ कर शमशाद को मारा गया, यह बेहद निंदनीय : शहजाद अनवर

शमशाद अंसारी की मौत को कांग्रेस के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष शहजादा अनवर ने मॉब लिंचिंग की घटना करार दिया है। उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा कि यह बात अब छुपी हुई नहीं है सिकनी गांव में चारों तरफ से घेर कर शमशाद की निर्मम हत्या की गई है। उसे बचाने के लिए कोई भी व्यक्ति सामने नहीं आया। यह बेहद ही चिंताजनक विषय है। उन्होंने कहा कि जैसे बरही में रूपेश पांडे मामले में उसके परिजनों को सरकार ने मुआवजा और नौकरी की सुविधा दी थी। वैसे ही शमशाद के परिजनों को भी वह सारी सुविधाएं और मुआ-ावजा मिलना चाहिए। शहजाद अनवर ने कहा कि शमशाद के हत्यारों पर जिला प्रशासन कठोर कार्रवाई करे।

निशिकांत दुबे के खिलाफ पीड़क कार्रवाई पर 16 अक्टूबर तक रोक

रांची, (हि.स.)। झारखंड हाई कोर्ट में सांसद निशिकांत दुबे के खिलाफ धुर्वा थाना में दर्ज प्राथमिकी को निरस्त करने का आग्रह करने वाली याचिका मामले में राज्य सरकार की ओर से प्रति शपथ पत्र दाखिल करने के लिए फिर से समय की मांग की गई। जस्टिस एसके द्विवेदी की कोर्ट ने बुधवार को निशिकांत दुबे के खिलाफ पीड़क कार्रवाई पर रोक 16 अक्टूबर तक जारी रखी है। कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई 16 अक्टूबर निर्धारित की है। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता प्रशांत पल्लव एवं शिवानी जलूका ने पैरवी की। भाजपा के निर्धारित कार्यक्रम के तहत सचिवालय मार्च कर रहे भाजपा कार्यकताओं की पुलिस के साथ झड़प हो गई थी। इस मामले में धुर्वा थाना में कांड संख्या 107/ 2023 दर्ज किया गया था। इसमें सांसद निशिकांत दुबे के अलावा पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी और रघुवर दास, केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा, चतरा सांसद सुनील कुमार सिंह, विधायक अमित मंडल, समीर उरांव सहित 41 नामजद एवं कई अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

चंद्रयान के सफल लैंडिंग को गायत्री मंदिर में पूजा-अर्चना

बेगूसराय, (हि.स.)। भारत के चंद्रयान-3 की लैंडिंग आज चंद्रमा पर होनी है। चंद्रयान के सफल लैंडिंग को लेकर जहां इसरो के वैज्ञानिक लगातार जुटे हुए हैं। वहीं विभिन्न स्तर पर पूजा-पाठ का भी दौर चल रहा है। इस कड़ी में बुधवार को गढ़पुरा स्थित गायत्री मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना की गई। सुशील सिंघानिया के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में गोविंद लाल, घूरन साह, विमलेश झा, जयप्रकाश पोद्दार एवं दिलीप कुमार गुप्ता सहित अन्य लोगों ने गायत्री मंदिर में विशेष तरीके से पूजा-अर्चना और हवन कर चंद्रयान के सफल लैंडिंग की कामना की। मौके पर सुशील सिंघानिया ने कहा कि अपने वैज्ञानिकों द्वारा तैयार चंद्रयान चंद्रमा के करीब पहुंच चुका है। कुछ ही घंटे बाद चंद्रमा की सतह पर होगा। यह हम सब देशवासी के लिए अत्यंत ही गौरव का क्षण है।

नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता बढ़ाने की महत्वाकांक्षी यात्रा पर है भारत : गिरिराज सिंह

बेगूसराय, (हि.स.)। बेगूसराय के सांसद और केंद्रीय ग्रामीण मंत्री एवं पंचायती राज मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत अपनी नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता बढ़ाने की महत्वाकांक्षी यात्रा पर निकल पड़ा है। नवीकरणीय ऊर्जा के लिए रोमांचक समय या गया है। जैविक सौर कोशिकाओं में सौर तकनीक में क्रांति लाने की क्षमता है। उन्होंने बुधवार को कहा है कि हल्के, लचीले और अनुकूलनीय रहने के कारण ये हमारी दुनिया को शक्ति प्रदान करने के तरीके को नया आकार दे सकते हैं। चुनौतियां बनी हुई हैं, लेकिन प्रगति जारी है। एक सतत भविष्य को अपनाना है। सौर ऊर्जा पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का फोकस और दूरदर्शी कदम, हरित और अधिक टिकाऊ भविष्य के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दशार्ता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भारत में सौर ऊर्जा अपनाने को बढ़ावा देने की दिशा में अपने प्रयासों को निर्देशित कर रहे हैं। इस प्रयास के महत्व को कम करके नहीं आंका जा सकता है। क्योंकि यह ना केवल जलवायु परिवर्तन के गंभीर मुद्दे को संबोधित करता है। बल्कि आर्थिक विकास और ऊर्जा सुरक्षा को भी प्रोत्साहित करता है। नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत अपनी नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता बढ़ाने की महत्वाकांक्षी यात्रा पर निकल पड़ा है। 2010 में लांच किए गए राष्ट्रीय सौर मिशन ने 2022 तक 20 गीगावॉट सौर क्षमता प्राप्त करने का प्रारंभिक लक्ष्य निर्धारित किया था। इस लक्ष्य को महत्वपूर्ण रूप से आगे बढ़ाया गया और 2024 की शुरूआत तक एक सौ गीगावॉट सौर क्षमता हासिल कर ली जाएगी। भारतीय सौर ऊर्जा निगम (एसईसीआई) एवं अन्य सरकारी निकाय सौर परियोजनाओं के कार्यान्वयन को सुविधाजनक बनाकर और निवेश आकर्षित करके इस मिशन को आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा है कि सौर ऊर्जा पर जोर केवल पर्यावरणीय जिम्मेदारी के बारे में नहीं है। यह जीवाश्म ईंधन और विदेशी ऊर्जा स्रोतों पर भारत की निर्भरता को कम करने, देश के लिए ऊर्जा सुरक्षा बढ़ाने के बारे में भी है। अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए) ने 2015 में मोदी और तत्कालीन फ्रांसीसी राष्ट्रपति फ्रांस्वा ओलांद द्वारा शुरू की गई एक पहल सौर ऊर्जा के प्रति भारत के समर्पण को रेखांकित करती है। आईएसए 2030 तक सौर परियोजनाओं में एक ट्रिलियन डॉलर से अधिक का निवेश जुटाना चाहता है। प्रौद्योगिकी विकास और सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने में सहयोग करने के लिए सौर-समृद्ध देशों के लिए एक मंच तैयार करना चाहता है। नरेन्द्र मोदी का सौर ऊर्जा पर जोर भारत को सतत विकास में वैश्विक नेता बनाने की उनकी व्यापक दृष्टि के अनुरूप है। सौर ऊर्जा को बढ़ावा देकर ना केवल ऊर्जा संबंधी चुनौतियों का समाधान कर रहे हैं। हम स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र में नवाचार, रोजगार सृजन और आर्थिक विकास को भी प्रोत्साहित कर रहे हैं। यह अन्य देशों के अनुसरण के लिए एक उदाहरण स्थापित करता है। अंतर्राष्ट्रीय मंच पर भारत की स्थिति को मजबूत करता है। सौर ऊर्जा को आगे बढ़ाने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अटूट प्रतिबद्धता एक स्वच्छ, हरित और अधिक समृद्ध भारत की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रगति का प्रतीक है। गिरिराज सिंह ने कहा है कि सौर पहल के माध्यम से स्थिरता, ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक विकास पर उनका जोर दूरदर्शी नेतृत्व को दशार्ता है जो वैश्विक समुदाय के लिए एक सकारात्मक मिसाल कायम करता है। सौर ऊर्जा से संचालित राष्ट्र की ओर यात्रा आने वाली पीढ़ियों के लिए एक उज्जवल और अधिक टिकाऊ भविष्य का वादा करती है।

मुखिया संघ के जिला अध्यक्ष विनय कुमार यादव को बनाया गया युवा जदयू जिला अध्यक्ष

सहरसा, (हि.स.)। मुखिया संघ के जिला अध्यक्ष विनय कुमार यादव को युवा जदयू जिला अध्यक्ष बनाए जाने पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव रंजन उर्फ ललन सिंह, सांसद दिनेश चंद्र यादव,प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा, मंत्री रत्नेश सादा, युवा प्रदेश अध्यक्ष नीतीश पटेल,विधायक गूँजेश्वर साह एवं जिला अध्यक्ष चंद्रदेव मुखिया का हृदय से आभार व्यक्त किया है। उन्होंने प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा की मुझे जो जिम्मेदारी मिली है पूरी निष्ठा व ईमानदारी से अपने कर्तव्यों का पालन करूंगा तथा पार्टी को मजबूती प्रदान करूंगा। विनय कुमार यादव के के मनोयन पर नगर परिषद की पूर्व सभापति सह जदयू की वरिष्ठ नेत्री रेणु सिन्हा, पूर्व विधायक डॉ. अरुण यादव, प्रदेश महासचिव सह सांसद प्रतिनिधि जनाब अंजुम हुसैन, प्रो. हरिनारायण यादव, अनवर आलम, प्रो. विंदु कुमार निराला, आनंदी मेहता, विनीत यादव, सुशील यादव, अमर यादव, जवाहर यादव, मानवेंद्र ठाकुर, देवेन्द्र देव, राजकुमार साह, प्रवक्ता डॉ. लुतफुल्लाह, औवैस करनी उर्फ चुनना, ललन यादव गजेंद्र हिमांशु, गणेश गौरव भीमनारायन, स-रोज यादव, महात्तू, गौरव बंटी, दिनेश पासवान, शेर अफगान मिर्जा, सीमा गुप्ता, वीरेंद्र यादव, अनिल यादव, बिपिन यादव, स्मिता सिन्हा, अनुजा मिश्रा, बिट्टू सिंह, धीरज लालो, अभिषेक रिक्की उर्फ बाबू, नीरज यादव एवं जनता दल यूनाइटेड के कार्यकताओं ने हर्ष व्यक्त कर बधाई दी है।

संपादकीय

कांग्रेस के 'हिंदू प्रेम' पर प्रश्न

कांग्रेस की तथाकथित सॉफ्ट हिंदुत्व की नई नीति का विरोध पार्टी के भीतर से ही होने लगा है। कांग्रेस का खोल ओढ़कर बैठे कम्युनिस्टों और मुस्लिम कांग्रेसी नेताओं को पार्टी के बड़े नेताओं का मंदिर जाना और हिंदुत्व की बात करना पसंद नहीं आ रहा है। कई लोग दबे–छिपे तो कई लोग खुलकर विरोध करने लगे हैं। इस संबंध में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व राज्यपाल अजीज कुरैशी ने अपनी ही पार्टी को निशाने पर लिया है। कुरैशी के बयान से यह तो ध्यान में आता ही है कि हिंदू धर्म और उसकी पहचान को लेकर कांग्रेस में स्वीकार्यता नहीं रही है। अन्यथा कुरैशी साहब कांग्रेस के तथाकथित हिंदू प्रेम पर अपनी ही पार्टी की कड़ी आलोचना नहीं करते। सही मायनों में तो कुरैशी का भाषण आलोचनात्मक कम हिंदू धर्म के विरोध में अधिक दिख रहा है। भला कोई समझदार व्यक्ति जय गंगा मैया और जय नर्मदा मैया कहने के लिए कांग्रेसियों को डूब मरने की सलाह कैसे दे सकता है? कुरैशी ने यह सलाह तब किसी कांग्रेसी को नहीं दी होगी, जब कांग्रेस कार्यालय में इफ्तार पार्टियां होती हैं, एक–दूसरे को ईदी दी जाती है, कांग्रेस के हिंदू नेता जालीदार टोपी पहनते हैं। यह सब करना कुरैशी जैसे मुस्लिम नेताओं को खूब पसंद आता है, लेकिन हिंदू धर्म का दिखावा करना भी उन्हें पसंद नहीं है। इसके लिए वे कांग्रेसी नेताओं को डूब मरने का उलाहना देते हैं। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के जन्मदिन पर अल्पसंख्यक सम्मेलन में संबोधित करते हुए कुरैशी यह भी कहते हैं– "आज जवाहरलाल नेहरू के वारिस कांग्रेस के लोग धार्मिक यात्राएं निकाल रहे हैं। गर्व से कहो हम हिंदू हैं बोलते हैं। भोपाल में पीसीसी दफ्तर में मूर्तियां लगाते हैं। यह सब शर्मनाक है। ऐसा कहने के लिए कांग्रेस मुझे निकालना चाहे तो निकाल दे लेकिन यह सब डूब मरने की बात है"। निःसंदेह, कुरैशी साहब के बयान घोर सांप्रदायिक हैं और हिंदू धर्म के प्रति द्वेष से भरे हुए हैं। क्योंकि उन्होंने कभी भी कांग्रेस की मुस्लिम तुष्टिकरण की नीति पर प्रश्न नहीं उठाए। आज जबकि हिंदुत्व का वातावरण है और कांग्रेस को वोट पाने के लिए थोड़ा हिंदू प्रेम दिखाने पर मजबूर होना पड़ा है तब कुरैशी साहब जैसे नेताओं को कष्ट हो रहा है। सोचिए, कांग्रेस ने किस प्रकार की मानसिकता के लोगों को आगे बढ़ाया? उलीखनीय है कि मध्यप्रदेश में कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ के नेतृत्व में पार्टी ने थोड़ा हिंदुत्व की राह पकड़ी है। कांग्रेस ने स्वयं को हिंदू पार्टी दिखाने के प्रयास प्रारंभ किए हैं। पार्टी कार्यालय पर हनुमान जयंती मनाई जाने लगी है। हनुमान जयंती पर कार्यालय को भगवा पताकाओं से सजा दिया गया। अब कमलनाथ ने छिंदवाड़ा में बागेश्वर धाम के धीरेंद्र शास्त्री की कथा का आयोजन कर दिया। कांग्रेस के समर्थकों, कम्युनिस्टों और मुस्लिम नेताओं को इस सबसे अथाह पीड़ा पहुंची है। कांग्रेस और प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ को वरिष्ठ कांग्रेसी नेता अजीज कुरैशी के विचारों पर स्पष्टीकरण जारी करना चाहिए। उन्हें बताना चाहिए कि उनका हिंदू प्रेम चुनावी नहीं अपितु यह कांग्रेस में प्रारंभ से स्वीकार है। यदि कांग्रेस कुरैशी के विचारों की निंदा नहीं करती है तब यही माना जाना चाहिए कि वह मुस्लिम तुष्टिकरण भी चाहती है और हिंदुत्व की नाव की सवारी भी करनी है। परंतु कांग्रेस के नेतृत्व को यह समझना चाहिए कि जनता सब देख और समझ रही है।

कांग्रेस का खोल ओढ़कर बैठे कम्युनिस्टों और मुस्लिम कांग्रेसी नेताओं को पार्टी के बड़े नेताओं का मंदिर जाना और हिंदुत्व की बात करना पसंद नहीं आ रहा है। कई लोग दबे–छिपे तो कई लोग खुलकर विरोध करने लगे हैं। इस संबंध में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व राज्यपाल अजीज कुरैशी ने अपनी ही पार्टी को निशाने पर लिया है। कुरैशी के बयान से यह तो ध्यान में आता ही है कि हिंदू धर्म और उसकी पहचान को लेकर कांग्रेस में स्वीकार्यता नहीं रही है। अन्यथा कुरैशी साहब कांग्रेस के तथाकथित हिंदू प्रेम पर अपनी ही पार्टी की कड़ी आलोचना नहीं करते। सही मायनों में तो कुरैशी का भाषण आलोचनात्मक कम हिंदू धर्म के विरोध में अधिक दिख रहा है। भला कोई समझदार व्यक्ति जय गंगा मैया और जय नर्मदा मैया कहने के लिए कांग्रेसियों को डूब मरने की सलाह कैसे दे सकता है? कुरैशी ने यह सलाह तब किसी कांग्रेसी को नहीं दी होगी, जब कांग्रेस कार्यालय में इफ्तार पार्टियां होती हैं, एक–दूसरे को ईदी दी जाती है, कांग्रेस के हिंदू नेता जालीदार टोपी पहनते हैं। यह सब करना कुरैशी जैसे मुस्लिम नेताओं को खूब पसंद आता है, लेकिन हिंदू धर्म का दिखावा करना भी उन्हें पसंद नहीं है। इसके लिए वे कांग्रेसी नेताओं को डूब मरने का उलाहना देते हैं। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के जन्मदिन पर अल्पसंख्यक सम्मेलन में संबोधित करते हुए कुरैशी यह भी कहते हैं– "आज जवाहरलाल नेहरू के वारिस कांग्रेस के लोग धार्मिक यात्राएं निकाल रहे हैं। गर्व से कहो हम हिंदू हैं बोलते हैं। भोपाल में पीसीसी दफ्तर में मूर्तियां लगाते हैं।

कुछ अलग

आपदा में प्राथमिकता

जीवन आगे बढने का नाम है और इसी को चरितार्थ करते हुए मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने आपदा के कोहराम के बीच सरकारी प्राथमिकताओं की अनुगूंज बरकरार रखी है। सरकार के सामने अपनी वचनबद्धता, राज्य की चुनौतियां, आपदा से निपटने का संकल्प और भविष्य को पलटने का एक अवसर है। बेशक हिमाचल में पहाड़ नहीं गिरे, बल्कि मुसीबतों के पहाड़ आकर खड़े भी हुए हैं, लिहाजा एक साथ कई समाधान-कई रास्ते निकालने होंगे। इस संदर्भ में हिमाचल के मुख्यमंत्री ने बैठक करके राहत कार्यों की व्यस्तता के बीच प्रदेश की सामान्य गतिविधियों, सरकार की घोषणाओं, बजटीय प्रावधानों, विशिष्ट योजनाओं तथा परियोजनाओं को वरीयता देने के लिए एक सक्रिय मैकेनिज्म स्थापित किया है। अब हर हफ्ते मंडे मीटिंग में प्रदेश अपनी प्रोग्रेस रिपोर्ट की समीक्षा करेगा, ताकि पता चले कि व्यवस्था परिवर्तन के दावे और इरादे क्या हैं। जाहिर है आपदा अपने साथ कड़वे सबक, समय की चुनौती और आवश्यक बदलाव की मोहलत लेकर आई है और इसके लिए विभागीय कार्यशैली, प्रणाली और प्रस्तुति में परिवर्तन अभिलषित रहेगा। सडक़ों के निर्माण को अव्वल बनाने के लिए ड्रेनेज प्रणाली पर जोर दिया जा रहा है। हमारा मानना है कि ड्रेनेज सिस्टम के लिए पीडब्ल्यूडी, जलशक्ति, विद्युत जैसे विभागों के अलावा वन विभाग की जिम्मेदारी कहीं अधिक है। आश्चर्य यह है कि जिस समय प्रदेश सदी की भीषणतम आपदा के दौर से गुजर रहा है, उस समय भी राहत की बिसात पर राजनीति हो रही है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है। करीब दस हजार करोड़ के नुक्सान को भरने के लिए केंद्र की ओर से एकमुश्त ऐलान चाहिए। ऐसा प्रतीत हो रहा है कि राहत के हाथ में केंद्र या राज्य सरकारें नहीं, दो पार्टियां अपना मकसद पूरा कर रही हैं। जिस राहत को केंद्र के आंकड़े गिन रहे हैं, वह ईमानदार है या हिमाचल की चीखें जो सुना रही हैं, वे सही हैं। क्या केंद्र के कदमों में हिमाचल पहुंच कर राष्ट्रीय आपदा का अहसास संभव हो पाएगा या हम केवल कुछ राहत भुगतान की रसीद बन कर रह जाएंगे। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने एसडीआरएफ के तहत रविवार को दो सौ करोड़ की किस्त जारी करके आवश्वासन दिया है कि जख्म भरेंगे, लेकिन बतौर मुख्यमंत्री ये पैमाने केंद्र से मांगे गए कुल 6700 करोड़ के क्लेम को कब तक भरेंगे। पैसे जिस तरह चल रहे हैं या राहत की फाइल जिस तरह अपनी तर्क विद्या में पारंगत है, उस हिसाब से मांगी गई, बताई गई या हासिल की गई राशि में अंतर आएगा। बहरहाल यह तो स्पष्ट है कि हिमाचल सरकार को वक्त के बंद दरवाजे खोलकर ही सारे समाधान खोजने पड़ेंगे, फिर भी वरिष्ठ भाजपा नेता शांता कुमार की केंद्र से हिमाचल की फौरी मदद की अपील का मर्म तो जानना चाहिए। जाहिर है हाथ पर हाथ धरे बैठा नहीं जा सकता, इसलिए राज्य सरकार आपदा के बीच राज्य की प्राथमिकताओं को जिंदा रखकर जनता को बताना चाहती है कि संकल्प अभी बाकी है। यह चाहे डे बोर्डिंग स्कूलों के निर्माण की प्रगति रिपोर्ट हो या रोबोटिक सर्जरी का प्रोजेक्ट हो, सरकार अपने तौर पर इन्हें आगे बढ़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ेगी।

राहुल गांधी के राजस्थान दौरे के बाद कांग्रेस के नेता सक्रिय होकर चुनाव की तैयारी में जुट गए हैं

राजस्थान में इस बार टूट सकता है हर पांच साल में सरकार बदलने का रिवाज

रमेश सर्राफ धमोरा

राजस्थान में कांग्रेस पार्टी अगले विधानसभा चुनाव में जिताऊ प्रत्याशियों पर ही दांव लगाएगी। पार्टी को जो प्रत्याशी जीतने वाला लगेगा चाहे वह कितनी भी अधिक उम्र का क्यों ना हो उसे मैदान में उतारा जाएगा। कांग्रेस का प्रयास है कि राजस्थान में लगातार दूसरी बार सरकार बना कर हर बार सरकार बदलने के मिथक को तोड़ा जाए। इसीलिए पार्टी के बड़े नेता अलग-अलग एंगल से सभी 200 विधानसभा क्षेत्र में जीतने वाले प्रत्याशियों के लिए सर्वे करवा रहे हैं। जिस व्यक्ति का नाम भी सर्वे में उभर कर आएगा उसको ही इस बार कांग्रेस पार्टी टिकट देकर चुनावी मैदान में उतरेगी। कांग्रेस के बड़े नेताओं का मानना है कि आम कार्यकर्ता से लेकर निर्वाचित जनप्रतिनिधि तक कोई भी टिकट के लिए आवेदन कर सकता है। वरिष्ठ नेता पूरी तरह से छानबीन कर अंतिम सूची में जीतने वाले नाम पर ही मोहर लगाएंगे। जयपुर में संपन्न हुई नवगठित प्रदेश चुनाव समिति की बैठक में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पार्टी के राष्ट्रीय संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल व प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा की मौजूदगी में कहा था कि हम चुनाव जीतेंगे। हमने प्रदेश की जनता के भले के लिए बहुत से नए काम किए हैं तथा बहुत-सी नयी योजनाएं प्रारंभ की हैं। जिससे प्रदेश की अधिकांश जनता लाभान्वित हो रही है। हमारे द्वारा शुरू किए गए कामों की बदौलत ही राजस्थान के लोगों ने कांग्रेस पार्टी को फिर से जिताने का मानस बना लिया है। कांग्रेस के सभी नेता मिलजुल कर पूरी एकजुट से चुनाव मैदान में उतरेंगे। जबकि भाजपा में आज भी अलग-अलग नेताओं के अलग-अलग गुट बने हुए हैं। ऐसे में प्रदेशवासी कांग्रेस की ही सरकार बनाने की चर्चा करने लगे हैं। गहलोत का कहना है कि बीजेपी तो हार मान चुकी है। जबकि हम चुनाव मैदान में उतर चुके हैं। बीजेपी में दिल्ली से आकर नेता चुनाव लड़ेंगे तो जनता इनसे पूछेगी कि क्या हमारे फैसले भी आप दिल्ली से बैठकर करोगे। बीजेपी की यह स्थिति है कि उनके कार्यकर्ता पूछते हैं कि हमारा नेता कौन है। इनके पास चुनाव लड़ने के लिए चेहरा तक नहीं है। प्रधानमंत्री के चेहरे पर चुनाव लड़ा जाएगा तो यह चुनाव से पहले हार मानने की स्थिति में आ गए हैं। जनता इस बात का एहसास कर रही है। जयपुर में कांग्रेस की प्रदेश चुनाव समिति की पहली बैठक के बाद मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि विधानसभा चुनाव में युवा हों या बुजुर्ग हों, टिकट वितरण में केवल जिताऊ को ही देखा जाएगा। यही सबसे बड़ा क्राइटेरिया होगा। गहलोत का मानना है कि कर्नाटक चुनाव में 90 साल के व्यक्ति को भी टिकट दिया गया था जो चुनाव जीतकर आया। इसलिए जो जीत सकता है उसको ही टिकट दिया जाएगा। गहलोत के इस बयान से साफ है कि उदयपुर चिंतन शिविर के घोषणापत्र का पालन टिकटों में नहीं होगा। आगामी विधानसभा चुनाव में युवाओं को टिकटों में प्राथमिकता देने की जगह जिताऊ का मापदंड रहेगा। कांग्रेस पार्टी आगामी विधानसभा चुनावों में प्रत्याशियों के टिकट जल्दी से जल्दी तय करना चाहती है। कांग्रेस के अधिकांश वरिष्ठ नेता चुनाव की आदर्श आचार संहिता लगने से पहले प्रत्याशियों के नाम तय कर देना चाहते हैं। इसको लेकर ब्लाक कमेटियों से लेकर प्रदेश स्तर पर गठित चुनावी समितियों की बैठकों का दौर शुरू कर दिया गया है। पार्टी द्वारा नियुक्त पर्यवेक्षकों और पार्टी नेताओं ने टिकटों के पैनल पर काम शुरू कर दिया है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा राजस्थान के सभी 25 लोकसभा सीटों पर गुजरात, हरियाणा व उत्तर प्रदेश के 25 विधायकों को पार्टी पर्यवेक्षक बनाकर जिलों में भेजा गया था। इन 25 पर्यवेक्षकों में से हर एक को लोकसभा सीट के अंतर्गत आने वाले आठ विधानसभा सीटों का फीडबैक लेने का काम दिया गया था। सभी पर्यवेक्षकों ने जिलों में जाकर जिला कांग्रेस कमेटी की बैठक का आयोजन कर विभिन्न नेताओं से पार्टी के संभावित प्रत्याशियों के बारे में फीडबैक लिया तथा पार्टी का टिकट चाहने वालों के बायोडाटा भी एकत्रित किए हैं। सभी पर्यवेक्षकों ने जयपुर लौटकर अपनी रिपोर्ट पार्टी के प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा को सौंप दी है। इसके अलावा कांग्रेस के जिला अध्यक्ष व ब्लॉक अध्यक्षों से भी राय मांगी जाएगी। प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा व उनके साथ तीन सह प्रभारी भी लगातार प्रदेश का दौरा कर विभिन्न स्तरों पर रायशुमारी कर रहे हैं। टिकट वितरण में पार्टी द्वारा उम्र का बंधन लागू नहीं करने के कारण उम्रदराज नेताओं को भी टिकट मिलने की संभावना बन गई है। कांग्रेस विधायक हेमाराम चौधरी, दीपेंद्र सिंह शेखावत और भारत सिंह जैसे उम्रदराज नेताओं ने अगला विधानसभा चुनाव नहीं लड़ने की बात कही थी। मगर उम्र का बंधन नहीं होने के चलते शायद यह लोग भी फिर से चुनावी मैदान में उतर जायें। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने भी आदिवासी बहुल बांसवाड़ा जिले के मानगढ़ धाम में एक बड़ी रैली को संबोधित कर राजस्थान में चुनाव प्रचार की शुरुआत कर दी है। राहुल गांधी के राजस्थान दौरे के बाद कांग्रेस के नेता सक्रिय होकर चुनाव की तैयारी में जुट गए हैं। मुख्यमंत्री गहलोत भी चुनाव को लेकर पूरे आक्रामक मूड में है। पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी की मीटिंग में मुख्यमंत्री ने अपने नजदीक माने जाने वाले कांग्रेस नेताओं को जमकर फटकार लगाई। विधायक रघु शर्मा ने जब जातिगत जनगणना के फैसले पर सवाल उठाते हुए इससे चुनावों में नुकसान होने की आशंका जताई तो गहलोत ने उन पर तंज कसते हुए कहा कि तुम तो नेशनल लीडर हो। राहुल गांधी से ही सीधी बात क्यों नहीं कर लेते। आपको पता है यह हमारी पार्टी का नेशनल स्टैंड है और आप इस तरह की बात कह रहे हो। कर्नाटक में राहुल गांधी ने बोला था। बाकी जगह भी कांग्रेस का यही स्टैंड है। बैठक में पूर्व सांसद रघुवीर मीणा ने आदिवासी इलाके मानगढ़ की सभा में एसटी आरक्षण की जगह ओबीसी आरक्षण पर घोषणा करने को पार्टी के लिए नुकसानदायक बताते हुए इस पर सवाल उठाए। रघुवीर मीणा के सवाल उठाने पर गहलोत ने कहा कि मुझे पता है कहां क्या घोषणा करनी है। मुख्यमंत्री सबका होता है मेरी प्राथमिकता सब लोग हैं। कोई बात कहां रखनी है, मैं मुख्यमंत्री हूं इतना तो जानता ही हूं। अब तो सलूंबर को जिला बना दिया और आपके चुनाव जीतने का रास्ता साफ कर दिया है। फिर भी यह बात बोल रहे हो। बैठक के दौरान खाद्य मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने बीजेपी के आरोपों पर आक्रामक होने की सलाह दी तो गहलोत ने खाचरियावास पर भी तंज कसते हुए कहा कि खाचरियावास बोलते-बोलते पता नहीं कौन-सा ट्रैक पकड़ कर क्या बोल जाते हैं। केसी वेणुगोपाल जी अनुशासन के मामलों में कार्रवाई करने में थोड़ा वक्त लगाते हैं। अगर इनकी जगह मैं होता तो बता देता। गहलोत ने राज्यसभा सांसद नीरज डांगी पर भी तंज कसते हुये कहा कि आपको पार्टी ने दो बार मौके दिया जीते नहीं तो पार्टी ने राज्यसभा सांसद बना दिया। कम से कम अब तो एक विधानसभा सीट जितवाने की जिम्मेदारी लेनी ही चाहिए। चुनावी तैयारियों के नजरिये से कांग्रेस पार्टी प्रदेश में भाजपा से काफी आगे चल रही है। सचिन पायलट के शांत होने से पार्टी में चल रही गुटबाजी बंद हो गयी है। यह साफ हो गया है कि मुख्यमंत्री गहलोत ही पूरे चुनावी अभियान का नेतृत्व करेंगे। भाजपा द्वारा गहलोत के सामने अभी तक कोई चुनावी चेहरा नहीं उतारे जाने के चलते कांग्रेस को फायदा होता नजर आ रहा है।

कांग्रेस का प्रयास है कि राजस्थान में लगातार दूसरी बार सरकार बना कर हर बार सरकार बदलने के मिथक को तोड़ा जाए। इसीलिए पार्टी के बड़े नेता अलग–अलग एंगल से सभी 200 विधानसभा क्षेत्र में जीतने वाले प्रत्याशियों के लिए सर्वे करवा रहे हैं। जिस व्यक्ति का नाम भी सर्वे में उभर कर आएगा उसको ही इस बार कांग्रेस पार्टी टिकट देकर चुनावी मैदान में उतरेगी। कांग्रेस के बड़े नेताओं का मानना है कि आम कार्यकर्ता से लेकर निर्वाचित जनप्रतिनिधि तक कोई भी टिकट के लिए आवेदन कर सकता है। वरिष्ठ नेता पूरी तरह से छानबीन कर अंतिम सूची में जीतने वाले नाम पर ही मोहर लगाएंगे।

टमाटर की तासीर

आजकल अपनी चढ़ती-उतरती कीमतों से भारतीय बाजारों, रसोईघरों और होटलों में आतंक फैलाने वाला टमाटर अपनी शुरुआत के जमाने में क्या, कैसा था? क्या थी टमाटर की फितरत? इस आलेख में इसी विषय पर प्रकाश डालने की कोशिश करेंगे। वर्तमान में देश में कई चर्चित मुद्दे हैं जिनमें टमाटर की बढ़ी कीमत भी एक प्रमुख है। बढ़ी हुई कीमतों से यह हमारे भोजन की थाली से तो दूर हुआ ही है, परंतु इसकी लूट की भी कई घटनाएं हुई हैं। प्रमुख सब्जी के रूप में प्रचलित टमाटर की खोज 15वीं सदी में हुई थी। एक मान्यता के अनुसार टमाटर 700 ईसा पूर्व भी मौजूद था। मेक्सिको के आदिवासी अपनी भाषा में इसे टोमेटो कहते थे। आदिवासियों का शब्द टोमेटो अंग्रेजी में ऐसे ही स्वीकार कर लिया गया। दक्षिणी अमेरिका के पेरू में पहली बार टमाटर की खेती की गयी थी। टमाटर की खोज के समय यह स्पष्ट नहीं था कि यह विषैला है या खाने योग्य। यूरोप में टमाटर 15 वीं सदी में ही पहुंच गया था, परंतु वहां लोग इसे 200 वर्षों तक खाने से डरते रहे एवं इसे 'पाइजन-एपल' कहा गया। इसका कारण यह था कि कई लोग टमाटर खाकर मर जाते थे। बाद में अध्ययन करने पर पाया गया कि मौत का कारण टमाटर नहीं, अपितु सीसे (लेड) की परत वाली प्लेट थी जिसमें रखकर टमाटर खाये जाते थे। प्लेट का सीसा टमाटर के साथ शरीर में जाकर मौत का कारण बनता था। कई चिकित्सक भी 18वीं सदी तक इसे कैंसरजन्य एवं 'ऐपीडी साइट' का कारण मानते रहे। बाद में हुए कुछ अध्ययनों से पता चला कि इसका फल तो खाने योग्य है, परंतु इसकी पत्तियां एवं तना विषैला हो सकते हैं। फल को खाने योग्य माने जाने के बाद इसकी लोकप्रियता काफी बढ़ी। इटली एवं स्पेन के लोगों ने इसकी खेती शुरू की एवं इसका नाम 'गोल्डन-एपल' रखा गया। फ्रांस में टमाटर को 'लव-एपल' कहा गया। 26 सितम्बर 1820 को सेलम के कर्नल राबर्ट जॉनसन द्वारा दो-ढाई हजार लोगों के सामने टोकरी भर टमाटर खाने एवं कुछ नहीं होने पर अमेरिकी लोगों ने इसे फल व सब्जी के रूप में मान्य किया। अमेरिका के ही एक व्यापारी ने 1893 में यह दावा किया कि टमाटर एक फल है, इसलिए इस पर सब्जी-कर नहीं लिया जाए। वहां के उच्च न्यायालय ने इस दावे पर निर्णय दिया कि टमाटर ज्यादातर सब्जी के रूप में प्रयोग किया जाता है, अतः यह कर योग्य है। वर्तमान में टमाटर आलू एवं प्याज के समान ही लोकप्रिय है एवं विश्व की 10 लोकप्रिय सब्जियों में 06वें स्थान पर है। हमारे देश में यह 16वीं सदी के प्रारंभ में पुर्तगालियों द्वारा लाया गया था। उस समय लोग इसे 'विलायती बैंगन' कहते थे। वर्तमान में इसकी खेती जिन ज्यादातर राज्यों में की जाती है, उनमें प्रमुख हैं महाराष्ट्र, उत्तरप्रदेश, आंध्रप्रदेश एवं कर्नाटक। हमारे देश के अलावा चीन, तुर्की, ईरान, स्पेन एवं ब्राजील में भी यह काफी उगाया जाता है। इसकी बढ़ती लोकप्रियता के कारण कृषि वैज्ञानिकों ने इसकी कई किस्में तैयार की हैं। इन किस्मों में आकार, स्वाद एवं रंग में काफी भिन्नता है। छोटी चेरी तथा ग्रेप किस्मों के टमाटर छोटे होने के कारण पूरे खाये जाते हैं। भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिकों ने ऐसी किस्म तैयार की है जिसके एक पौधे पर 19-20 किलो टमाटर लगते हैं। कर्नाटक में कुछ वर्षों पूर्व इसकी खेती प्रारंभ की गयी थी। उत्तराखंड राज्य जैव विविधता परिषद के वैज्ञानिक इसकी एक झाड़ी समान विदेशी प्रजाति 'टमरै-लो' को भी उगाने का प्रयास कर रहे हैं। वैज्ञानिक आधार पर टमाटर एक प्रकार का सरस फल है, परंतु कई अन्य फलों की तरह इसमें मिठास नहीं होती है। वनस्पति विज्ञान में इस शाकीय पौधे को 'लाइकोपर्सिकम एस्कुलेंटम' कहते हैं जो 'सोलोनेसी कुल' का सदस्य है। यह विटामिन ए व सी के साथ पोटेशियम, कैल्शियम तथा फास्फोरस का भी अच्छा स्त्रोत है। फल को लाल रंग देने वाला रसायन 'लायकोपीन' कैंसर तथा हृदय रोग की रोकथाम में भी कारगर बताया गया है। पके फलों से इस रसायन को हमारा शरीर आसानी से अवशोषित कर लेता है। इसके अन्य औषधीय गुणों को जानने के लिए अनुसंधान किये जा रहे हैं। स्पेन के ब्यूनाल में एक-दूसरे पर टमाटर फेंकने और उसके रस में भीगने का एक वार्षिक त्यौहार 'ला-टामेटिया' मनाया जाता है। इसे मनाने हेतु लगभग एक लाख किलो टमाटर का उपयोग किया जाता है। अब टमाटर की बढ़ती कीमतों पर चर्चा अपरिहार्य है। भारत में ज्यादातर राज्यों में टमाटर के दामों को इन दिनों आग लगी हुई है। कुछ राज्यों में राज्य सरकारों तथा केंद्र सरकार की ओर से सस्ते दामों पर टमाटर बेच कर बाजार में इसके भावों को कम करने की कोशिश भी की जा रही है, इसके बावजूद दाम कम होने का नाम नहीं ले रहे हैं। यह भी दुर्भाग्य की बात है कि टमाटर खाने को हतोत्साहित करने के लिए इसे इस तरह प्रचारित किया जा रहा है कि टमाटर खाने से तो बीमारियां हो रही हैं।

छोटी चेरी तथा ग्रेप किस्मों के टमाटर छोटे होने के कारण पूरे खाये जाते हैं। भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिकों ने ऐसी किस्म तैयार की है जिसके एक पौधे पर 19–20 किलो टमाटर लगते हैं। कर्नाटक में कुछ वर्षों पूर्व इसकी खेती प्रारंभ की गयी थी। उत्तराखंड राज्य जैव विविधता परिषद के वैज्ञानिक इसकी एक झाड़ी समान विदेशी प्रजाति 'टमरै–लो' को भी उगाने का प्रयास कर रहे हैं। वैज्ञानिक आधार पर टमाटर एक प्रकार का सरस फल है, परंतु कई अन्य फलों की तरह इसमें मिठास नहीं होती है। वनस्पति विज्ञान में इस शाकीय पौधे को 'लाइकोपर्सिकम एस्कुलेंटम' कहते हैं जो 'सोलोनेसी कुल' का सदस्य है। यह विटामिन ए व सी के साथ पोटेशियम, कैल्शियम तथा फास्फोरस का भी अच्छा स्त्रोत है। फल को लाल रंग देने वाला रसायन 'लायकोपीन' कैंसर तथा हृदय रोग की रोकथाम में भी कारगर बताया गया है।

दृष्टिकोण

हैवानियत के कुकृत्यों से शर्मसार होता प्रदेश

हिमाचल प्रदेश में जहां एक तरफ प्राकृतिक आपदाओं ने कोहराम मचाया हुआ है, वहीं दूसरी तरफ मानव अपनी हैवानियत के नए कुकृत्यों को अंजाम दे रहा है। हिमाचल प्रदेश को देवधरा के नाम से ख्याति प्राप्त है। हिमाचल प्रदेश की संस्कृति एवं देव परंपरा प्रदेश के लोगों का अभिमान है। प्राकृतिक आपदाओं से जूझते इस प्रदेश के मानव ने हैवानियत की सारी हदें पार कर दी हैं। हाल ही में एशिया के प्रमुख फार्मा हब बद्दी-बरोटीवाला-नालागढ़ से चार दुष्कर्म के मामले सामने आए हैं। जुब्बल-कोटखाई विधानसभा क्षेत्र के टिक्कर बाजार में एक दुकानदार ने 15 वर्षीय बच्ची पर चोरी का आरोप लगाते हुए उसे निर्वस्त्र करके, आंखों में मिर्ची पाउडर डालकर घिनौना अपराध कर डाला। वहां पर मौजूद जनमानस मूकदर्शक बना रहा। बिलासपुर शहर में पति ने अपनी पत्नी के साथ जबरदस्ती शारीरिक संबंध बनाकर उसके नाजुक अंगों को लकड़ी के बेलन से भेदकर ऐसा कुकृत्य कर डाला जो कि पति-पत्नी जैसे पवित्र संबंधों को शर्मसार करता है। कांगड़ा जिला के फतेहपुर में बिलखती नवजात बच्ची को देखकर हर मानव की रूह कांप जाती है। आखिरकार प्रदेश के सबसे बड़े तथा समृद्ध जिले में एक नवजात बच्ची खुले खेत में छोड़ दी जाती है जिसने अभी इस धरा पर सही से सांस लेना भी नहीं सीखा था। हमीरपुर जिला के कलियुगी बाप ने अपनी ही नाबालिग बेटी से कुकृत्य कर डाला। इन समसामयिक घटनाओं ने प्रदेश को शर्मसार तथा चिंतन करने पर मजबूर कर दिया है। जिस प्रदेश के जनमानस को ईमानदारी, कत्त्रव्यनिष्ठा, मानव सेवा भाव के लिए वैश्विक पटल पर बड़े सम्मान तथा प्रतिष्ठा के साथ जाना जाता था, आखिरकार आज उस प्रदेश के जनमानस को इन कुकृत्यों को करने की हिम्मत कैसे पैदा हो रही है। जिस प्रदेश को अपनी देव संस्कृति पर नाज था, जहां पर विदेशी मेहमान भी अपने आप को सबसे महफूज महसूस करते थे, आज उस प्रदेश की मानसिकता किस तरफ जा रही है। इसके अलावा प्रदेश के अनेकों घर नशे के कारण उजड़ चुके हैं। हर रोज कोई न कोई समाचारपत्र नशे से हुई बर्बादी की गवाही दे रहा है। नशे के आदी युवा माता-पिता तथा सगे संबंधियों को भी नहीं बख्श रहे हैं। जिस प्रदेश में दैविय परंपराओं के निर्वहन के बिना पत्ता भी नहीं हिलता था, उस प्रदेश का युवा नशे के कारण अपनों की हत्या, चोरी-डकैती जैसी घटनाओं को अंजाम दे रहा है। जब कोई घर बिगड़ता है, तो उसका प्रभाव समाज पर पड़ता है। इससे समाज बिगड़ता है। जब समाज बिगड़ता है तो उस प्रदेश की उन्नति रुक जाती है और उस देश का भविष्य भी अंधकारमय हो जाता है। आज हमारा यह प्रदेश मानव के कुकृत्यों के कारण शर्मसार हो रहा है। प्रदेश के ऊना जिला में एक और शर्मसार करने वाली घटना उजागर हुई है जिसमें एक छात्र ने स्कूल के प्रधानाचार्य को थप्पड़ मार कर गुरु-शिष्य के पावन रिश्ते को तार-तार कर दिया। ऊना के एक सरकारी स्कूल के 12वीं कक्षा के छात्र को प्रधानाचार्य ने बाल कटवाने की नसीहत दी। इस पर छात्र ने नसीहत को मानने से इनकार कर दिया। प्रधानाचार्य ने सख्त लहजे में अनुशासन में रहने की बात कही तो भडक़े छात्र ने प्रधानाचार्य को थप्पड़ जड़ दिए और जमीन पर गिरा दिया। इस घटना को अंजाम देने के बाद छात्र अपने घर चला जाता है और जब उसका पिता स्कूल में आता है तो फिर से दबंगगिरी की जाती है। आखिर इस तरह की मानसिकता शिक्षा प्रणाली तथा समाज को किस तरफ लेकर जा रही है। क्या एक प्रधानाचार्य को बालक को उसके बढ़े हुए बालों को काटने तथा अनुशासन में रहने का आदेश देना गलत है। विद्यालय का सर्वोत्तम गुण उसका अनुशासन माना जाता है। यदि विद्यालय का अनुशासन सही ढंग से काम करे तभी तो छात्र अनुशासित होते हैं। शिक्षा पद्धति शिखर की ओर अग्रसर होती है।

देश दुनीया से

कवि की सृजनात्मक पीड़ाएं...

कल फुर्सत में था सो मुहल्ले के नामचीन कवि के पास जा पहुंचा। सोचा, अपना रोना बहुत सुन लिया। चलो, आज जनता के लिए रोने वाले का रोना सुन लिया जाए। कवि के पास गया तो कवि कायदे से उदास। उसके चेहरे पर पीड़ाएं ही पीड़ाएं। उसके चेहरे के दाएं पीड़ाएं। उसके चेहरे के बाएं पीड़ाएं। उसके चेहरे के ऊपर पीड़ाएं, उसके चेहरे के नीचे पीड़ाएं। उसकी पीड़ाएं देख मैंने उसे विवाहित होने के बाद भी प्रेमिका की तरह गले लगाते पूछा, 'हे कवि कुलश्रेष्ठ! समाज की पीड़ाओं को इतनी गंभीरता से फील करने की जरूरत नहीं। जिसकी पीड़ाएं हैं, वह फील करे। जनता तो पैदा ही पीड़ाएं भोगने के लिए होती है। उसे जो स्वर्ग भी दे दिया जाए तो वह वहां भी महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार चिल्लाती रहेगी। चिल्लाना जनता का परम धर्म है। वह चिल्लाएगी नहीं तो देश शोर विहीन हो जाएगा।' 'मित्र! ये जन पीड़ाएं नहीं। लेखनीय पीड़ाएं हैं।' 'लेखनीय पीड़ाएं बोले तो?' इस पीड़ा से पहली बार वास्ता पड़ा था, सो मुंह लटकाए पूछ बैठा। 'असल में तुम क्या जानों लेखनीय पीड़ाएं राजस्व विभाग के बाबू! लेखनीय पीड़ाएं जनता की पीड़ाओं से बड़ी होती हैं।' 'कितनी बड़ी? इतनी बड़ी? कि इतनी बड़ी?' मैंने अपने दोनों हाथ फैलाने शुरू किए तो वे बोलेए, 'नहीं, आसमान से भी बड़ीं!' 'मतलब?' 'पहले जनता की अधकचरा छपाऊ पीड़ा फील करते कुछ लिखने की सोचो! लिखने की सोचने भर से ही मत पूछो कितनी पीड़ा होती है।' 'फिर?' 'फिर उसे बार बार लिखो, जब तक वह छपने लायक नहीं हो जाती। लिखने के बाद उसे कहां भेजा जाए, यह तय करो। कई बार तो अपने मित्र संपादकों को प्रकाशित होने के लिए रचना भेजो तो वे भी प्रकाशित नहीं करते। फिर महीनों रचना की स्वीकृति का इंतजार करते रहो। इन दिनों मत पूछो दिल का क्या हो जाता है! मत पूछो इस बीच किन किन रचना प्रकाशन की पीड़ाओं से गुजरना पड़ता है।' 'फिर?' 'फिर रचना छप ही जाए तो महीनों द्वार पर डाकिए के आने का इंतजार करते रहो।' 'फिर?' 'फिर क्या? और इंतजार करो। रचना का पारिश्रमिक न आए तो मन मसोस कर दुबके रहो', कह उन्होंने दर्द भरी लंबी आह भरी तो कंबख्त कुछ देर के लिए मेरी सांसों की हवा भी खींच ले गए। 'तो संपादक से बात क्यों नहीं करते कि रचना का मेहनताना भेजा जाए। लेखक को मेहनत नहीं मिलेगी तो वह खाएगा क्या? यहां तो लोग बिन मेहनत किए ही देश को डकारे जा रहे हैं।' मैं पता नहीं क्यों देश भक्त हो गया। जबकि मेरे जैसे को देश भक्त होने का कोई अधिकार नहीं। 'डर लगता है। संपादक को गुस्सा आ गया तो? इसलिए लंबे इंतजार के बाद भी जब पारिश्रमिक नहीं आता तो अगली रचना भेज दो पारिश्रमिक की आस में। जिस तरह पानी में रहकर मगरमच्छ से बैर नहीं लिया जा सकता, उसी तरह लेखन प्रकाशन के कुएं में रहकर संपादक से बैर नहीं किया जा सकता।' 'फिर?' 'फिर क्या! अब तो पत्रिकाएं भी उन्हीं को मुफ्त में छापती हैं जिन लेखकों ने उसकी सदस्यता ली होती है। रचना छप ही जाए तो अपने पैसे से मैगजीन खरीद दोस्तों को व्हाट्सएप पर पढने के लिए भेजो। यह जानते हुए भी वे पढ़ेंगे नहीं। फिर उनसे पूछते रहो कि उन्होंने अमुक की रचना पढ़ी? कैसी लगी?' 'मतलब?' 'कोई सच्ची को रचना पढ़ ले तो फिर डूब जाओ अगली रचना लिखने को उदासियों के सागर में', कह वे इतने उदास हुए किए इतने उदास हुए कि...बॉय गॉड से! जिंदगी में किस्म किस्म के उदासिए पीड़ित तो मैंने बहुत देखे थे, पर इतना पीड़ित मैंने पहली बार नजदीक से कोई देखा था।

समाज की पीड़ाओं को इतनी गंभीरता से फील करने की जरूरत नहीं। जिसकी पीड़ाएं हैं, वह फील करे। जनता तो पैदा ही पीड़ाएं भोगने के लिए होती है। उसे जो स्वर्ग भी दे दिया जाए तो वह वहां भी महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार चिल्लाती रहेगी। चिल्लाना जनता का परम धर्म है। वह चिल्लाएगी नहीं तो देश शोर विहीन हो जाएगा।' 'मित्र! ये जन पीड़ाएं नहीं। लेखनीय पीड़ाएं हैं।' 'लेखनीय पीड़ाएं बोले तो?' इस पीड़ा से पहली बार वास्ता पड़ा था, सो मुंह लटकाए पूछ बैठा। 'असल में तुम क्या जानों लेखनीय पीड़ाएं राजस्व विभाग के बाबू! लेखनीय पीड़ाएं जनता की पीड़ाओं से बड़ी होती हैं।' 'कितनी बड़ी? इतनी बड़ी? कि इतनी बड़ी?' मैंने अपने दोनों हाथ फैलाने शुरू किए तो वे बोलेए, 'नहीं, आसमान से भी बड़ीं!' 'मतलब?' 'पहले जनता की अधकचरा छपाऊ पीड़ा फील करते कुछ लिखने की सोचो! लिखने की सोचने भर से ही मत पूछो कितनी पीड़ा होती है।'

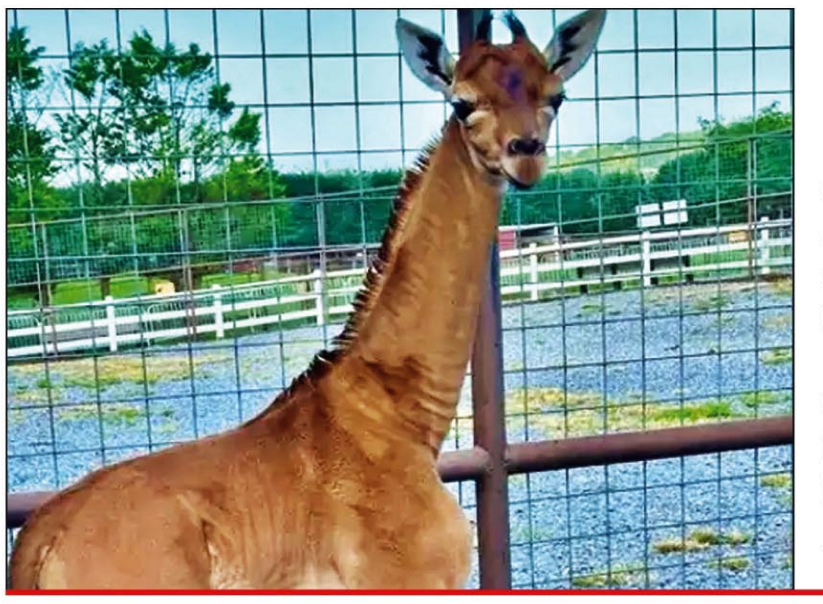

अमेरिका में जन्मा दुनिया का पहला स्पॉटलेस जिराफ : इसके शरीर पर धारियां नहीं, सोशल मीडिया के जरिए नाम दिया जाएगा

वॉशिंगटन।

अमेरिका के टेनेसी राज्य में मौजूद एक जू में ऐसा जिराफ जन्मा है, जिसके शरीर पर कोई भी धारी नहीं है। इसे दुनिया का पहला 'स्पॉटलेस' जिराफ कहा जा रहा है। इसका कलर पूरी तरह ब्राउन है। खास बात यह है कि इस जिराफ की मां के शरीर पर आम जिराफ की तरह धारियां मौजूद हैं।

एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक- जिराफ का नाम रखने के लिए जू एडमिनिस्ट्रेशन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की मदद ली है। दरअसल, जू एडमिनिस्ट्रेशन का कहना है कि जिस तरह का यह यूनीक जिराफ है, उसका नाम भी उतना ही यूनीक यानी अनोखा होना चाहिए।

एक्सपर्ट्स भी हैरान

इस जिराफ का जन्म 31 जुलाई को हुआ था। हालांकि, ऑफिशियली इसकी जानकारी अब सामने आई है। यह मादा जिराफ है। ब्राइट जू में जन्मे इस जिराफ के बारे में एडमिनिस्ट्रेशन ने कहा- हमने जिराफ के एक्सपर्ट्स से बातचीत की है। अब तक जो जानकारी मिली है, उसके मुताबिक, दुनिया में बिना धारियों वाला कोई जिराफ नहीं है। इसका कलर पूरी तरह ब्राउन है। इसके अलावा उसका पूरा शरीर ठीक वैसा ही है, जैसा बाकी जिराफों का होता है। इसकी हाइट करीब 6 फीट है। जू एडमिनिस्ट्रेशन उसको स्पेशल ट्रीटमेंट और केयर दे रहा है। हालांकि, एक्सपर्ट्स भी अब तक यह नहीं बता सकें कि आखिर कैसे यह मादा जिराफ बिना धारियों के पैदा हुई। एक्सपर्ट्स का कहना है कि जिराफ को धारियां उसकी मां से ही मिलती हैं। अब चूंकि इस जिराफ की मां के शरीर पर भी आम जिराफों की तरह धारियां मौजूद हैं तो फिर यह लिटिल जिराफ बिना धारियों के पैदा कैसे हुआ

अफ्रीका में इनके वजूद पर खतरा

ब्राइट जू के एडमिनिस्ट्रेशन के मुताबिक- टेनेसी में हर जिराफ का खास ध्यान रखा जाता है। सबसे ज्यादा जिराफ अफ्रीका में पाए जाते हैं, लेकिन वहां इनका शिकार काफी हो रहा है, लिहाजा वहां इनका वजूद ही खतरे में आ गया है।

एडमिनिस्ट्रेशन ने आगे कहा- जबसे इस मादा जिराफ का जन्म हुआ है, वर्ल्ड मीडिया का फोकस इस पर हो गया है। यही वजह है कि हमें इसकी हिफाजत का भी खास ख्याल रखना पड़ रहा है। आंकड़ों की बात करें तो दुनिया में 30 साल के दौरान 40 प्रतिशत जिराफ कम हो गए हैं। हमने इसका नाम रखने के लिए एक कॉन्टेस्ट शुरू किया है। एक नाम किपकी पर विचार किया जा रहा है। इसका मतलब होता है- यूनीक। इसके अलावा एक और नाम भी सामने आया है- जामेला। इसका मतलब होता है- सबसे खूबसूरत चीजों में से एक।

न्यूज ब्रीफ

जो बाइडेन 7 सितंबर से भारत दौरे पर: जी-20 समिट से 2 दिन पहले आएंगे, 4 दिन रहेंगे; दिल्ली के स्कूलों में 3 दिन छुट्टी, बाजार बंद रहेंगे

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन जी-20 समिट के लिए दो दिन पहले 7 सितंबर को भारत पहुंचेंगे। ऐसा पहली बार होगा, जब कोई अमेरिकी प्रेसिडेंट चार दिन भारत में रहेगा। जी-20 समिट 9 और 10 सितंबर को होगा। बाइडेन की यह पहली भारत यात्रा है। खास बात यह है कि बाइडेन इंडोनेशिया में होने वाली आसियान समिट में शिरकत नहीं करेंगे, क्योंकि उन्होंने भारत दौरे को ज्यादा तवज्जो दी है। व्हाइट हाउस ने मंगलवार देर रात बताया कि आसियान में बाइडेन की जगह वाइस प्रेसिडेंट कमला हैरिस शिरकत करेंगी। जी-20 की वजह से दिल्ली सरकार ने 8 से 10 सितंबर को पब्लिक हॉलिडे का ऐलान किया है। सभी प्राइवेट ऑफिस, मॉल्स और मार्केट बंद रहेंगे। सभी स्कूलों में 3 दिनों की छुट्टी रहेगी। दरअसल, दिल्ली पुलिस ने जी-20 समिट को लेकर सरकार से पब्लिक हॉलिडे घोषित करने की सिफारिश की थी। इसके बाद दिल्ली सरकार ने ये फैसला लिया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, प्राइवेट दफ्तरों को वर्क फ्रॉम होम कराने का निर्देश दिया जा सकता है। इस दौरान मेट्रो सर्विस जारी रहेगी। हालांकि, सुरक्षा को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट, खान मार्केट, मंडी हाउस जैसे कुछ मेट्रो स्टेशनों को बंद रखा जा सकता है। व्हाइट हाउस की तरफ से जारी बयान में कहा गया है कि प्रेसिडेंट बाइडेन जी-20 समिट शुरू होने से दो दिन पहले ही भारत पहुंच जाएंगे और यह दौरा मोटे तौर पर चार दिन का होगा। इस दौरान बाइडेन और प्रधानमंत्री दो बार बातचीत कर सकते हैं।

वैगनर चीफ प्रिगोझिन पहली बार दुनिया के सामने आया, जारी किया वीडियो

मास्को । वैगनर चीफ येवगेनी प्रिगोझिन रूस में असफल विद्रोह के बाद पहली बार दुनिया के सामने आया है। इस बात की जानकारी तब हुई जब प्रिगोझिन ने टेलिग्राम पर एक छोटा सा वीडियो जारी किया है। माना जा रहा है कि यह वीडियो अफ्रीका में शूट किया गया है। सेना की वर्दी में प्रिगोझिन को एक रेगिस्तान में दिखाया गया है और उसके हाथ में एक राइफल भी है। उसके पास में बड़ी संख्या में हथियारबंद लड़ाके और पिकअप ट्रक दिखाई दे रहे हैं। प्रिगोझिन ने कहा कि वैगनर अफ्रीका को और ज्यादा मुक्त बना रहा है। वैगनर चीफ ने कहा कि तापमान 50 से ज्यादा डिग्री सेल्सियस है, सबकुछ वैसा ही है जैसाकि हम चाहते हैं। वैगनर ने रूस को सभी महाद्वीपों में ज्यादा महान बनाया है और अफ्रीका को ज्यादा स्वतंत्र। अफ्रीकी जनता के लिए न्याय और खुशी दी है। हम आईएसआईएस और अलकायदा आतंकियों के लिए उनका जीवन दु: स्वप्न बना रहे हैं। प्रिगोझिन ने कहा कि वैगनर लगातार अपने लड़ाकुओं की भर्ती कर रहा है। उसने कहा कि वैगनर समूह अपने लक्ष्य को पूरा करेगा जिसे उसने अपने लिए तय किया है। जारी किए गए इस वीडियो में एक फोन नंबर भी है ताकि जो लोग वैगनर में शामिल होना चाहते हैं, वे संपर्क कर सकें। रूस में दो महीने पहले असफल विद्रोह के बाद वैगनर और प्रिगोझिन का भविष्य अंधकारमय हो गया था।

प्रथम विश्व युद्ध में भारतीय सैनिकों के योगदान की होगी प्रदर्शनी, नेशनल आर्मी म्यूजियम की नई पहल

लंदन । इंग्लैंड के नेशनल आर्मी म्यूजियम में नई प्रदर्शनी की शुरुआत हुई है, जिसमें प्रथम विश्व युद्ध के दौरान भारतीय सेना के योगदान को दर्शाया गया है। नेशनल आर्मी म्यूजियम इंग्लैंड के लंदन में स्थित है। संग्राहालय में तस्वीरों, कलाकृति, चित्रों, दस्तावेजों और पदकों के माध्यम से भारतीय सेना की वीर गाथा बताई गई है। विदेशी मीडिया के अनुसार, नई दिल्ली में यूनाइटेड सर्विस इंस्टीट्यूशन ऑफ इंडिया के साथ साझेदारी में बनाया गया है। प्रदर्शनी में लिखा है कि विश्व युद्ध के दौरान पश्चिमी मोर्चे पर और 1918 में फिलिस्तीन अभियान के दौरान शाही रिजर्व के रूप में भारतीय सेना की मुख्य भूमिका रही। भारत के लगभग 1.4 मिलियन सैनिक युद्ध में शामिल हुए। 1915 में भारतीय कोर ने न्यूवे चैपल इसके बाद सेकेंड वाईप्रेस और लूज का युद्ध लड़ा। बता दें, प्रदर्शनी निशुल्क है। प्रदर्शनी में इस बात पर जोर दिया गया है कि कैसे मेसोपोटामिया ब्रिटिश भारतीय सेना का मुख्य कमांड रहा।

ईरान ने दिखाया इजराइल तक हमले में सक्षम ड्रोन

पोस्टर में न्यूक्लियर फैसिलिटी के ऊपर उड़ता दिखा ; 300 किलो का वॉरहेड ले जा सकता है

तेहरान।

ईरान ने मोहाजिर-10 ड्रोन का उद्घाटन किया जो इजराइल तक वार करने में सक्षम है। ये ड्रोन 24 घंटे तक लगातार उड़ान भरने में सक्षम है। ईरानी मीडिया इस ड्रोन की रेंज 2 हजार किमी है और ये 210 किमी/घंटे की रफ्तार से उड़ सकता है। मोहाजिर ड्रोन अलग-अलग हथियार और बम ले जा सकता है। ये 300 किलो का वॉरहेड ले जाने और खुफिया-जानकारी जुटाने में भी सक्षम है।

ईरान में ये ड्रोन अमेरिका के एमक्यू -9 ड्रोन की तरह है। ये ड्रोन 7 हजार मीटर की ऊंचाई पर उड़ान भरने में सक्षम है। ईरानी मीडिया ने मंगलावर को एक पोस्टर भी जारी किया। इसमें ड्रोन इजराइल की न्यूक्लियर फैसिलिटी डिमोना के ऊपर उड़ता नजर आ रहा है। इस पोस्टर पर फारसी और हीब्रू में लिखा था- स्टोन एज में लौटने को तैयार रहें।

ईरानी मिलिट्री को सौंपी जाएंगी 2 बैलिस्टिक मिसाइलें

इस ड्रोन का अनावरण राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी के सामने किया गया। रईसी ने कहा- इससे पहले जिन 2 लंबी दूरी वाली बैलिस्टिक मिसाइलों की टेस्टिंग की गई थी, अब वो इस्लामिक रिवॉल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स को दिए जाने के लिए तैयार है। इनमें हज कासिम और खुर्रमशहर मिसाइल शामिल हैं।

रईसी बोले- ईरान अपने दुश्मनों को नहीं बख्शेगा

रईसी ने कहा- ईरान के मिलिट्री एडवांसमेंट की वजह से दुनिया का हमारी तरफ देखने का नजरिया बदल गया है। पहले लोग हमें ऐसे देश के तौर पर देखते थे, जो कन्ज्यूमर है और जिसे मदद की जरूरत है। लेकिन अब हम एक प्रोड्यूसर हैं, जो डिफेंस क्षेत्र में काफी ताकतवर है।

रईसी ने ये भी कहा कि ईरान सभी देशों से दोस्ताना रिश्ते चाहता है, लेकिन वो किसी भी ऐसे देश को नहीं बख्शेगा जो उन पर कब्जा करने की कोशिश करेंगे।

रूस से ईरान खरीद रहा सुखोई-25 लड़ाकू विमान

इससे पहले ईरान ने मार्च में घोषणा की थी कि उसने रूस के साथ सुखोई-35 लड़ाकू विमानों की डील पक्की कर ली है। किर्बी ने कहा कि ये जानकारी पब्लिक की जा रही है, जिससे दोनों देशों की डिफेंस पार्टनरशिप को बेनकाब किया जा सके।

इससे पहले यूक्रेन ने कई बार रूस के हमले में ईरान के कामिकाजे ड्रोन के इस्तेमाल का दावा किया है। उन्होंने अपने कई शहरों में मिले ईरान के ड्रोन के मलबे की तस्वीरें भी जारी की थीं। हालांकि, रूस ने हमेशा इन दावों को खारिज किया है। वहीं ईरान ने रूस को ड्रोन भेजने की बात स्वीकारी थी लेकिन उसके मुताबिक ये सप्लाई जंग शुरू होने से पहले की गई थी।

यूक्रेन पर ईरान के शाहीद-136 ड्रोन से हमला हुआ था

17 अक्टूबर 2022 को रूस ने यूक्रेन की राजधानी कीव पर ईरान के कामीकाजे ड्रोन से हमला किया था। हमले में इस्तेमाल किए गए कामीकाजे ड्रोन का नाम शाहीद-136 था। इस ड्रोन को ईरान का सबसे खतरनाक हथियार माना जाता है। इस ईरानी ड्रोन को सुसाइड ड्रोन भी कहा जाता है।

हमले के बाद अमेरिका ने दावा किया था कि क्रीमिया में ईरानी सैनिक रूस के सैनिकों को जंग लड़ने की ट्रेनिंग दे रहे हैं। व्हाइट हाउस ने एक बयान जारी कर कहा था- ईरानी सैनिकों को रूसी बलों की मदद के लिए क्रीमिया भेजा गया। वो रूसी सैनिकों को ड्रोन चलाना सिखा रहे हैं। वे यूक्रेन के नागरिकों और इंफ्रास्ट्रक्चर पर ड्रोन हमले करने में रूस की मदद कर रहे हैं।

2020 में खत्म हो गई थी ईरान पर हथियार खरीदने की पाबंदी

2015 में ईरान के न्यूक्लियर प्रोग्राम को रोकने के वादे के बाद यूएन ने जॉइंट कॉम्प्रिहेंसिव प्लैन ऑफ एक्शन डील के तहत उसे कई अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों से राहत दे दी थी। हालांकि, 2018 में ईरान के साथ परमाणु समझौता खत्म करने के बाद अमेरिका ने 2019 से ईरान पर फिर प्रतिबंध लगाने शुरू कर दिए थे।

वहीं ईरान पर यूएन ने कन्वेंशनल वेपन्स खरीदने को लेकर पाबंदी अक्टूबर 2020 में खत्म हो गई थी। इसके बाद रूस ने ईरान को सुखोई एसयू-35 खरीदने की पेशकश की थी।

देश आतंकवादियों के सामने नहीं करेगा आत्मसमर्पण’, कार्यवाहक पीएम काकड़ ने सुनाई खरी-खोंटी

इस्लामाबाद ।

पाकिस्तान के कार्यवाहक प्रधानमंत्री अनवारुल हक काकड़ ने प्रतिबंधित टीटीपी आतंकवादियों द्वारा छह सैनिकों की हत्या के एक दिन बाद बुधवार को कहा कि आतंकवाद के खिलाफ युद्ध जारी रहेगा और वह कट्टरवाद, उग्रवाद और असहिष्णुता के सामने आत्मसमर्पण नहीं करेंगे

हमें नहीं थका सकेगा कोई

कराची में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि जिन लोगों को यह गलतफहमी है कि ऐसे हमले हमें थका देंगे, उन्हें पता होना चाहिए कि हम अपने शहीदों या उनके बलिदानों को कभी नहीं भूलेंगे और भविष्य में ऐसे बलिदानों से परहेज नहीं करेंगे।

एक दिन पहले किया था हमला

गौरतलब है, अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में सुरक्षा बलों के एक काफिले पर हाल ही में तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) आतंकवादियों ने हमला कर दिया था। इस हमले में छह पाकिस्तानी सैनिकों की मौत हो गई थी। बता दें, पिछले साल नवंबर में पाकिस्तान सरकार और टीटीपी के बीच संघर्ष विराम समाप्त होने के बाद देश में सुरक्षा बलों पर हमलों में वृद्धि देखी गई है।

देश अपनी शर्तों से चलेगा

काकड़ ने जोर देकर कहा कि पाकिस्तान कट्टरवाद, उग्रवाद और असहिष्णुता के सामने आत्मसमर्पण नहीं करेगा, यह हमारा घर है और हम देश को अपनी शर्तों पर चलाएंगे। उन्होंने कहा कि हम किसी के दान पर नहीं लड़ रहे हैं। बल्कि अपने देश से जुटाए करों के माध्यम से पैसा खर्च कर रहे हैं।

नरक का कुत्ता बताया

आत्मघाती हमलावरों को नरक का कुत्ता बताते हुए काकड़ ने कहा कि क्या वे सोचते हैं कि वजीरिस्तान, बलूचिस्तान या देश के किसी अन्य कोने में बैठे मेरे सैनिक नहीं जानते कि भगवान ने उनके लिए क्या लिखा है। उन्होंने कहा कि कानून से जुड़े सैनिक चाहे वे बाहरी आक्रमण का मुकाबला कर रहे हों या आंतरिक सुरक्षा के लिए अपनी भूमिका निभा रहे हों पूरा देश उनका ऋणी है और उनका सम्मान करता है।

अफगानिस्तान में पूर्व अफसरों पर टूटा कहर

तालिबान ने 2 साल में जजों समेत 200 पूर्व अफसरों की हत्या की, जेलों में यातनाएं दीं

काबुल।

अफगानिस्तान की सत्ता पर तालिबान के कब्जे को दो साल बीत चुके हैं। इस दौरान अफगानिस्तान की पूर्व सरकार में काम करने वाले 200 से ज्यादा अधिकारियों की हत्याएं हो चुकी है। यह खुलासा संयुक्त राष्ट्र की ओर से जारी एक रिपोर्ट से हुआ है। अफगानिस्तान में संयुक्त राष्ट्र सहायता मिशन के अनुसार, सत्ता पर कब्जे के बाद तालिबान के निशाने पर सेना के जवान, पुलिस, खुफिया विभाग से जुड़े और न्यायिक अधिकारी शामिल हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि तालिबान लड़ाकों ने पूर्व अधिकारियों और जवानों को पहले हिरासत में लिया।

कुछ को जेलों में बंद कर प्रताड़ित किया और उसके बाद हिरासत में ही उन्हें मौत के घाट उतार दिया। कई मामले ऐसे भी है, जब हिरासत में लिए गए अधिकारियों को अज्ञात स्थानों पर ले जाकर मार डाला गया। उनके शवों को इधर-उधर फेंक दिया गया। कुछ मामलों में शव परिवार के सदस्यों को भी सौंपे गए। सभी 34 प्रांतों में अमानवीय घटनाएं सामने आई हैं। इनमें सबसे अधिक संख्या काबुल, कंधार और बल्ख प्रांतों में दर्ज की गई। यूएन ने 15 अगस्त 2021

में तालिबान के आने के बाद से जून 2023 के तक पूर्व अफगान सरकारी अधिकारियों और सुरक्षा बलों के खिलाफ 800 से अधिक मानवाधिकार उल्लंघन को रिपोर्ट में शामिल किया है। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त वोल्कर तुर्क ने कहा कि यह 'पूर्व सरकार और सुरक्षा बलों से जुड़े व्यक्तियों के साथ बुरे सुलूक की एक गंभीर तस्वीर प्रस्तुत करता है। रिपोर्ट के मुताबिक संयुक्त राष्ट्र के लिए काम करने वाले लोगों को भी पकड़ लिया गया। उन लोगों को पाइप से बांधने से लेकर केबल से पिटाई, एक ही जगह कई दिनों तक खड़ा रखने जैसी यातनाएं दी गई। कुछ लोग तो आज तक लौटे नहीं हैं।

रिसर्च शिप डॉकिंग के लिए चीन के अनुरोध पर विचार कर रहा श्रीलंका, भारत में बढ़ी सुरक्षा संबंधी चिंता

कोलंबो।

श्रीलंका वर्तमान में चीन द्वारा देश में एक अनुसंधान जहाज को डॉक करने की अनुमति देने के अनुरोध पर विचार कर रहा है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने बुधवार को यह जानकारी दी। गौरतलब है कि पिछले साल एक चीनी जासूसी जहाज श्रीलंका के हंबनटोटा पर बंदरगाह पर पहुंचा था, उस जहज की यात्रा के एक साल बाद फिर भारत की सुरक्षा संबंधी चिंताए बढ़ गई हैं।

श्रीलंका के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता प्रियंगा विक्रमसिंघा ने बताया कि इस संबंध में चीनी दूतावास ने एक आवेदन दिया है और मंत्रालय फिलहाल इस पर विचार कर रहा है। उन्होंने कहा, यात्रा के लिए अभी तक कोई तारीख तय नहीं की गई है। चीनी अनुसंधान जहाज शी यान 6 के अक्टूबर में समुद्री अनुसंधान गतिविधियों के लिए श्रीलंका पहुंचने की उम्मीद है।

बताया गया है कि शी यान-6 की वहन क्षमता 1115 डीडब्ल्यूटी है और एक अनुसंधान या सर्वेक्षण पोत है। इसकी कुल लंबाई 90.6 मीटर और चौड़ाई 17 मीटर बताई गई है। श्रीलंकाई मीडिया में चर्चा है कि भारत द्वारा उठाई जा रही

संभावित चिंताओं के कारण यहां का विदेश कार्यालय इस अनुरोध को लेकर अजीब स्थिति में है।

उम्मीद है कि यह पोत राष्ट्रीय जलीय संसाधन अनुसंधान और विकास एजेंसी के साथ संयुक्त रूप से अनुसंधान करेगा। चीनी नियमित आधार पर अपने जहाज श्रीलंका भेजता रहता है। दो हफ्ते पहले चीनी पीपुल्स लिबरेशन आर्मी नेवी का युद्धपोत हाई यांग-24 एचएओ दो दिवसीय दौरे पर देश में आया था। बताया गया है कि भारत द्वारा जताई गई चिंताओं के कारण 129 मीटर लंबे जहाज के आगमन में देरी हुई है।

पिछले साल अगस्त में चीनी बैलिस्टिक मिसाइल और उपग्रह ट्रैकिंग जहाज युआन वांग-5 इसी तरह की यात्रा के तहत दक्षिणी श्रीलंका के हंबनटोटा बंदरगाह पर पहुंचा था। इसे लेकर श्रीलंका को भारत से कड़ी प्रतिक्रिया मिली थी। नई दिल्ली में इस बात की आशंका थी कि श्रीलंकाई बंदरगाह के रास्ते में जहाज के ट्रैकिंग सिस्टम भारतीय रक्षा प्रतिष्ठानों पर जासूसी करने का प्रयास कर सकते हैं। हालांकि, काफी देरी के बाद श्रीलंका ने जहाज को एक चीनी कंपनी द्वारा बनाए जा रहे हंबनटोटा के रणनीतिक दक्षिणी बंदरगाह पर डॉक करने की अनुमति दी थी।

नकदी की कमी से जूझ रहा श्रीलंका अपने विदेशी ऋण के पुनर्गठन के कार्य में भारत और चीन दोनों को समान रूप से महत्वपूर्ण साझेदार मानता है। चीन श्रीलंका के शीर्ष ऋणदाताओं में से एक है।

श्रीलंका पर द्विपक्षीय ऋणदाताओं का 7.1 अरब अमेरिकी डॉलर बकाया है, जिसमें चीन का तीन अरब अमेरिकी डॉलर भी शामिल है।

श्रीलंका के बाहरी और घरेलू ऋण पुनर्गठन के लिए बातचीत सितंबर तक पूरी होना है, यही समय अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) द्वारा इस साल मार्च में बढ़ाए गए 2.9 अरब अमेरिकी डॉलर के राहत पैकेज की समीक्षा का भी है। विदेशी मुद्रा भंडार की गंभीर कमी के कारण, द्वीप राष्ट्र 2022 में एक अभूतपूर्व वित्तीय संकट की चपेट में आ गया था।

पाक में केबल कार से सभी 8 लोगों का रेस्क्यू

14 घंटे चला रेस्क्यू ऑपरेशन; 6 स्कूली बच्चे और 2 टीचर फंसे थे

इस्लामाबाद।

पाकिस्तान में 900 फीट की ऊंचाई पर केबल कार में फंसे सभी आठ लोगों का रेस्क्यू किया गया है। रेस्क्यू ऑपरेशन 14 घंटे चला। केबल कार में 6 स्कूली बच्चे और दो टीचर फंसे थे। ये सभी लोग रोज की तरह स्कूल जा रहे थे। नीचे गहरी नदी थी, जो बारिश की वजह से उफान पर है। इनमें से दो लोगों को मंगलवार देर रात रेस्क्यू किया गया था।

लेकिन, तेज बारिश और अंधेरे की वजह से रात को ऑपरेशन रोक दिया गया था। बुधवार तड़के ही रेस्क्यू ऑपरेशन फिर शुरू किया गया। पाकिस्तान के केयरटेकर प्राइम मिनिस्टर अनवार-उल-हक काकड़ ने खैबर सरकार और फौज को तेजी से रेस्क्यू ऑपरेशन चलाने के आदेश दिए थे।

लोगों को बचाने के लिए दोगुना जोखिम था - जिस केबल पर मंगलवार सुबह से कार फंसी थी, उसी पर एक और छोटी कार को लगाया गया। इससे फंसे लोगों को खाना और पानी भेजा गया। इसके बाद दोनों केबल को बिल्कुल करीब लाकर एक-एक करके दो लोगों को निकाला गया। हालांकि, एक्सपर्ट्स ने इसे बहुत खतरनाक और ज्यादा जोखिम वाला तरीका बताया था।

इसकी वजह यह है कि यह केबल पहले ही डैमेज है और अगर इस पर ज्यादा लोड डाला जाता तो बाकी बचे वायर्स भी टूट सकते थे। रेस्क्यू टीम का कहना था कि बाकी सभी तरीके अब तक

नाकाम रहे हैं और इसके अलावा दूसरा तरीका फिलहाल नहीं है।

ये हादसा कैसे हुआ - मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक घटना अलाई तहसील की है। इस राज्य में 10 साल तक इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ की सरकार रही, लेकिन अब तक नदी पर ब्रिज नहीं बन सका है। मंगलवार को यहां के दो टीचर और 6 स्टूडेंट स्कूल के लिए निकले। ये लोग रोज इसी केबल कार के जरिए घाटी और नदी पार करके जाते हैं।

इस केबल कार को एक प्राइवेट कंपनी ऑपरेट करती है। मंगलवार को जैसे ही केबल कार घाटी के बीच में पहुंची तो इसमें लगी केबल्स का एक बार टूटकर मुड़ गया और इसकी वजह से कार रुक गई। फिलहाल, नेशनल डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी ने फौज से मदद मांगी है। इसके लिए दो हेलिकॉप्टर भेजे गए।

केबल कार में मौजूद एक शख्स ने बमुश्किल फोन से संपर्क किया। उसने कहा कि एक नहीं, बल्कि दो वायर टूटे हैं। केबल कार में मौजूद एक और टीचर जफर इकबाल ने कहा- इस इलाके के 150 बच्चे रोज इसी केबल कार के जरिए स्कूल जाते हैं। इस इलाके में न तो सड़कें हैं और न ब्रिज।

खतरा बहुत ज्यादा - बातचीत में पाकिस्तान एयरफोर्स के पूर्व पायलट सैयद जावेद ने बताया था- केबल कार में फंसे हुए लोगों को रेस्क्यू करने के लिए चलाया जा रहा ऑपरेशन अपने आप में भी खतरनाक है। हेलिकॉप्टर के विंग्स से जो तेज हवा निकलती है, वो बचे हुए केबल वायर्स को भी डैमेज कर सकती है।

जावेद ने खराब मौसम को लेकर चिंता जताई थी। उन्होंने कहा था कि इस इलाके में मौसम अकसर खराब हो जाता है। हमारे हेलिकॉप्टर साफ मौसम में तो ऑपरेशन कर सकते हैं, लेकिन मौसम खराब हुआ तो हेलिकॉप्टर भी कुछ नहीं कर सकेंगे। खुद इनके लिए खतरा पैदा हो जाएगा।

भाजपा सरकार बनेगी तो पहली कैबिनेट मीटिंग में स्वीकृत होगा ईआरसीपी : शेखावत

भरतपुर (हिंस)। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि राजस्थान की जनता ने गहलोत सरकार को विदा करने का मन बना लिया है। प्रचंड बहुमत से अगली सरकार भाजपा की बनेगी और कैबिनेट की पहली बैठक में ईस्टर्न राजस्थान कैनाल प्रोजेक्ट (ईआरसीपी) को स्वीकृति देकर पूर्वी राजस्थान के पूरे 13 जिलों में पीने और सिंचाई का पानी उपलब्ध कराया जाएगा। बुधवार को एक दिवसीय भरतपुर दौरे पर आए केंद्रीय मंत्री शेखावत ने मीडिया से बातचीत में ईआरसीपी पर खुलकर चर्चा की। उन्होंने कहा कि ईआरसीपी को लेकर गहलोत सरकार विशुद्ध राजनीति कर रही है। इसे राष्ट्रीय परियोजना घोषित करने के लिए जो तकनीकी स्वीकृतियां देनी चाहिए थीं, वह राज्य सरकार ने केंद्र को आज तक नहीं दी है। अब इस मुद्दे पर गहलोत सरकार बेनकाब हो रही है और जनता का भ्रम दूर हो रहा है। उन्होंने कहा कि गहलोत जिस ईआरसीपी को खुद पूरा करने की बात कह रहे हैं, उससे मात्र तीन जिलों जयपुर, टोंक और अजमेर की प्यास बुझेगी। भरतपुर, अलवर सहित पूर्वी राजस्थान के शेष जिलों के कंठ प्यासे ही रहेंगे। शेखावत ने कहा कि किसी परियोजना को राष्ट्रीय स्तर का दर्जा देने के लिए पर्यावरण, वन, वित्तीय और तकनीकी क्लीयरेंस जरूरी है, लेकिन इस मामले में गहलोत सरकार तकनीकी स्वीकृतियां उपलब्ध नहीं करा पाई। उन्होंने कहा कि पूर्वी राजस्थान के 13 जिलों में राज्य की कुल आबादी के 40 प्रतिशत लोग रहते हैं। गहलोत सरकार की राजनीति के चलते इन 13 जिलों की जनता त्रस्त और बदहाल है। यह महत्वाकांक्षी परियोजना सिरे नहीं चढ़ पाई है। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि वर्ष 2016 में वसुंधरा राजे सरकार ने ईआरसीपी की परिकल्पना के विषय में विचार किया। वर्ष 2017 में वाप्कोस को डिजाइन बनाने के लिए दिया, लेकिन राजस्थान ने देश के तय मानक 75 प्रतिशत के बजाए 50 प्रतिशत डिपेंडेबिलिटी पर बनाया, जिसे स्वीकृति नहीं मिली। वसुंधरा जी की सरकार के समय ही सीडब्ल्यूसी ने इसे सही करके बनाने के लिए कहा। दुर्भाग्य से सरकार बदली और गहलोत सरकार ने इस योजना को आगे बढ़ाने के बजाए इसे राजनीति की फुटबॉल बनाने का काम किया। एक सवाल के जवाब में शेखावत ने कहा कि ईआरसीपी को लेकर गहलोत सरकार भ्रम फैला रही है, लेकिन धीरे-धीरे वह बेनकाब हो रही है। भाजपा इस मामले में पूर्वी राजस्थान के हितों के साथ है और इसके लिए संघर्ष भी करना पड़े तो किया जाएगा। शेखावत ने कहा कि राजस्थान सरकार के मुखिया अशोक गहलोत को मैंने बार-बार पत्र लिखकर आग्रह किया कि इस पर आगे मार्ग निकालते हैं। हमने दस बार मीटिंग्स का आयोजन किया, लेकिन एक भी बार राजस्थान सरकार के जल संसाधन मंत्री, पहले अशोक गहलोत के पास ही इसका दायित्व था, न वो बैठक में आए, न मंत्री उस बैठक में उपस्थित हुआ। प्रधानमंत्री के निर्देश पर जयपुर में 18 अप्रैल 2022 को बैठक रखी, जिसकी एक महीने पहले सूचना मुख्यमंत्री और मंत्री को देखकर समय निश्चित किया। बैठक की पूर्व संध्या पर मुख्यमंत्री और मंत्री की तरफ से कहलवा दिया गया कि वो दोनों नहीं आ सकते। उन्होंने कहा कि उस बैठक में भी राजस्थान के अधिकारियों ने हमारी बात पर सहमति व्यक्त की, लेकिन दुर्भाग्य से ईआरसीपी सिरे नहीं चढ़ पाई। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अब राजस्थान सरकार ईआरसीपी के नाम पर नवनेरा-गलवा-बीसलपुर-ईसरदा लिंक परियोजना लेकर आई है। इसकी लागत 15 हजार करोड़ है और इससे बनने वाले इस लिंक से केवल 521 एमसीएम पानी मिलेगा। जो कि जयपुर शहर, अजमेर और टोंक शहर में ही पूरा हो जाएगा। भरतपुर और अलवर सहित शेष दस जिलों को एक बूंद पानी भी नहीं मिलेगा। उन्होंने कहा कि नदियों को जोड़ने की प्रकल्प के तहत राजस्थान को तेरह जिलों को पूरा पानी मिलेगा और सिंचाई भी होगी। राजस्थान के हिस्से में इसकी लागत सात सौ करोड़ रुपए ही आएगी, क्योंकि इसमें नब्बे फीसदी खर्च केंद्र सरकार वहन करेगी। राज्य को मात्र दस प्रतिशत ही देना होगा, लेकिन गहलोत सरकार सात सौ करोड़ के बजाए 15,000 करोड़ खर्च कर केवल तीन जिलों को पानी देगी। इसके लिए धन जुटाने के लिए भी अभी से राज्य सरकार नहरों और बांधों की जमीनें बेच रही है। शेखावत ने भाजपा में गुटबाजी की खबरों को भी निराधार बताया और कहा कि हमारे एक ही नेता है नरेंद्र मोदी और एक ही चिन्ह कमल का फूल। सब इनके साथ खड़े हैं। विधायक का चुनाव लड़ने के सवाल पर उन्होंने कहा कि पार्टी जब और जैसा निर्देश देगी, वैसा ही काम होगा।

डीजल चोरी और पैसे लेकर टिकट न देने पर चालक व परिचालक को पकड़ा

चंडीगढ़ (हिंस)। परिवहन विभाग में भ्रष्ट गतिविधियों को रोकने के मद्देनजर गठित मिनिस्टर फ्लाइंग स्क्वाड ने सरकारी बस से 20 लीटर डीजल चोरी करने वाले ड्राइवर और पैसे लेने के बाद सवारियों को टिकट न देने वाले एक कंडक्टर के खिलाफ कार्रवाई की है। इसी तरह गैर-निर्धारित रूटों पर चलती पांच बसें और सवारियों के बिना बस चलाने संबंधी रिपोर्ट की गई है। परिवहन मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर ने बुधवार को बताया कि फ्लाइंग स्क्वाड ने हरियाणा के जीवन नगर में छापेमारी के दौरान ड्राइवर रणजीत सिंह को उसे अलाट की गई पनबस डिपो लुधियाना की बस नंबर पी.बी-10-एफ.एफ 4952 से 20 लीटर डीजल चोरी करते हुए रंगे-हाथों पकड़ लिया है। इसी तरह धार कलां (पठानकोट) में चैकिंग के दौरान फ्लाइंग स्क्वाड ने पठानकोट डिपो की बस नंबर पी.बी- 06-ए.एस 8772 के कंडक्टर अमनदीप को सवारियों से 545 रुपए वसूल कर टिकटें न जारी करने के दोष अधीन पकड़ा गया है। फ्लाइंग स्क्वाड ने पांच बसों को भी गैर-निर्धारित रूटों पर चलते पाया है। गौराया में चैकिंग के दौरान तरन तारन डिपो की बस नंबर पी.बी-02-ई.जी 4673 एवं अमृतसर-2 डिपो की बस नंबर पी.बी-02-ई.जी 3064 और फगवाड़ा में चैकिंग के दौरान अमृतसर-1 डिपो की बस नंबर पी. बी-02-ई.एच 2749 और नवांशहर डिपो की बस नंबर पी.बी-32-पी 3598 को गैर-निर्धारित रूटों पर चलते पाया गया। इसी तरह करतारपुर में चैकिंग के दौरान पट्टी डिपो की बस नंबर पी.बी-02-ई.जी 9427 भी अपने निर्धारित रूट से अलग रूट पर चलती पाई गई जबकि बटाला डिपो की बस नंबर पी.बी-06-बी.सी 0216 को बिना सवारियों के ले जाते हुए पाया गया। परिवहन मंत्री ने विभाग के अधिकारियों को हिदायत की है कि रिपोर्ट किए गए ड्राइवरों और कंडक्टरों के विरुद्ध बनती अनुशासनात्मक कार्रवाई तुरंत अमल में लाई जाए।

राजस्थान में पिछले पांच वर्षों से लूट और भ्रष्टाचार का शासन : अनुराग ठाकुर

जयपुर (हिंस)। केंद्रीय खेल एवं युवा मामलों के मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर बुधवार को जयपुर पहुंचे। एयरपोर्ट पर पत्रकारों से बातचीत में ठाकुर ने प्रदेश की गहलोत सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि राजस्थान में पिछले पांच वर्षों से लूट और भ्रष्टाचार का शासन है। सवाई मानसिंह स्टेडियम में खेलो इंडिया केंद्र, राजस्थान का शुभारंभ करने और युवा प्रतिनिधि सम्मेलन में हिस्सा लेने जयपुर पहुंचे केंद्रीय मंत्री ठाकुर ने कहा कि यहां के युवाओं ने बेरोजगारी, पेपरलीक जैसी घटनाओं को झेला है। अब प्रदेश के युवाओं ने इस सरकार से निजात पाने का मन बना लिया है। युवाओं का ये प्रण ही राजस्थान को भ्रष्टाचार के शासन से मुक्ति दिलाएगा। केंद्रीय मंत्री ठाकुर ने चंद्रयान-3 की लैंडिंग के प्रयास से पहले इसरो टीम को शुभकामनाएं दीं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हम सभी उस पल का इंतजार कर रहे हैं, जब चंद्रयान-3 मिशन सफल हो। ठाकुर ने कहा कि भारत ने अंतरिक्ष क्षेत्र में एक बड़ी छलांग लगाई है। हम सभी उस क्षण का इंतजार कर रहे हैं जब चंद्रयान-3 मिशन सफल होगा। यह भारत को दुनिया के उन कुछ देशों में शामिल कर देगा जिन्होंने अंतरिक्ष क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

महिला सुरक्षा की दिशा में गहलोत सरकार ने पुलिस सत्यापन के नियमों को किया कठोर

अजमेर (हिंस)। प्रदेश में महिला सुरक्षा के मामले को देखते हुए गहलोत सरकार ने मंगलवार देर रात गृह विभाग की ओर से सरकारी नौकरी या अन्य किसी भी कार्य के लिए होने वाले पुलिस सत्यापन के नियमों को ज्यादा कठोर कर दिया है। इसको लेकर गृह विभाग के प्रमुख शासन सचिव आनंद कुमार ने आदेश जारी किए हैं। राजस्थान में इस बार महिला सुरक्षा का मुद्दा गहलोत सरकार के गले की फांस बन गई है। विपक्ष लगातार महिला हिंसा और महिला दुष्कर्म के साथ बच्चियों के साथ होने वाली छेड़छाड़ के मामलों को लेकर गहलोत सरकार को लगातार कटघरे में खड़ा कर रही है। इसे देखते हुए गहलोत सरकार ने मनचलों पर मुकदमा दर्ज करने के साथ ही थाने में उनकी फोटो चस्पां करने की मुख्यमंत्री की मंशा के बाद गृह विभाग ने सरकारी नौकरी के वक्त या अन्य किसी कार्य के लिए होने वाले

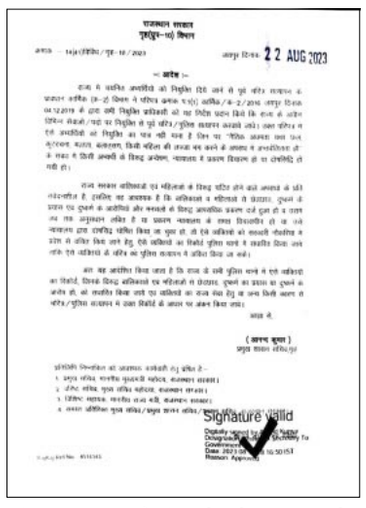

पुलिस सत्यापन के नियमों को ज्यादा कठोर कर दिया है। मंगलवार देर रात को गृह विभाग के प्रमुख शासन सचिव आनंद कुमार ने इसको लेकर आदेश जारी किए। गृह विभाग के प्रमुख शासन सचिव आनंद कुमार ने आदेश जारी करते हुए कहा कि राज्य में चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति दिए जाने से पूर्व पुलिस की ओर से चरित्र सत्यापन के प्रावधान हैं, जिसमें अब तक ऐसे अभ्यर्थियों को नियुक्ति का पात्र नहीं माना है जिस पर महिला हिंसा, हत्या, धोखाधड़ी, दुष्कर्म, किसी महिला की लज्जा भंग करने के अपराध में शामिल होने के मामले पुलिस और न्यायालय में विचाराधीन हो या फिर दोषसिद्ध हो गया हो। अब उन मनचले अभ्यर्थियों को भी इसमें शामिल किया गया है, जिन पर पुलिस ने महिलाओं और बच्चियों के साथ छेड़छाड़, फब्तियां कसना या फिर उन्हें आते जाते वक्त परेशान करने के मामले दर्ज किए हों। आदेश में कहा गया है कि राज्य सरकार बालिकाओं और महिलाओं के विरुद्ध घटित होने वाले अपराधों को लेकर काफी संवेदनशील है, इसलिए यह आवश्यक है कि नाबालिग बालिकाओं और महिलाओं से छेड़छाड़ , दुष्कर्म के प्रयास और दुष्कर्म के आरोपियों और मनचलों के विरुद्ध आपराधिक प्रकरण दर्ज हुआ हो। इसके साथ उसमें जब तक अनुसंधान लंबित है या प्रकरण न्यायालय के समक्ष विचाराधीन हो या उसे न्यायालय की ओर से दोषसिद्ध घोषित किया जा चुका हो तो ऐसे व्यक्तियों को सरकारी नौकरियों में प्रवेश से वंचित किया जाए। इस तरह के व्यक्तियों का रिकॉर्ड पुलिस थानों में रखा जाए, ताकि ऐसे व्यक्तियों के चरित्र को पुलिस सत्यापन में अंकित किया जा सके। सभी पुलिस थानों में ऐसे व्यक्तियों का रिकॉर्ड भी एकत्रित किया जाए। राज्य सेवा के लिए या अन्य किसी कारण से चरित्र या पुलिस सत्यापन में उक्त रिकॉर्ड के आधार पर अंकन किया जाए।

बीमा क्लेम व मुआवजा राशि ना मिलने से गुस्साए किसानों ने कृषि मंत्री का घर घेरा

भिवानी (हिंस)। अखिल भारतीय किसान सभा हरियाणा के आह्वान पर प्रदेश भर के किसान अपनी 14 सूत्रीय मांगों को लेकर बुधवार को उपायुक्त कार्यालय एकत्रित हुए। बकाया बीमा क्लेम, मुआवजा, बाढ़ सूखे के मुआवजे, नहरों में पानी व पर्याप्त बिजली व अन्य मांगो को लेकर शहर में प्रदर्शन किया। वे कृषि मंत्री के आवास पर पहुंचे तथा कृषि मंत्री के आवास का घेराव किया। इस दौरान समय देने के बाद भी कृषि मंत्री निवास पर नहीं मिले तो किसानों का गुस्सा ओर भी बढ़ गया तथा उन्होंने वहां पर जमकर नारेबाजी की। बता दें कि भिवानी में कृषि मंत्री के आवास के पास पुलिस प्रशासन ने बड़े बैरिकेड लगा रखे थे। वहीं दो घंटे तक पुलिस और किसानों के बीच काफी तू तड़ाक व झडप हुई फिर एसडीएम बाबूलाल दीपक कारवा ने कृषि मंत्री से बातचीत के लिए एक सितंबर की तिथि तय करके किसानों का ज्ञापन लिया। इस दौरान किसानों ने नहरों में पर्याप्त पानी देने, गांव में पीने के पानी उपलब्ध कराने, बिजली कटौती बंद करने व लंबित पड़े ट्यूबैल कन्कशैन देने की मांग की। उन्होंने बताया कि मांग व मुद्दों को लेकर 24 अगस्त को दिल्ली में किसान मजदूरों की राष्ट्रीय कन्वेशन होगी। इस मौके पर प्रदेश भर से पहुंचे किसानों को संबोधित करते हुए किसान सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व संयुक्त किसान मोर्चा के राष्ट्रीय नेता कामरेड इंद्रजीत सिंह ने कहा कि बर्बाद फसलों का राज्य के किसानों का हजारों करोड़ रुपए बीमा व मुआवजा बकाया पड़ा है, बाढ़ में आधे हरियाणा के जिलों की फसल बर्बाद हो गई।

राष्ट्रीय राजमार्ग पर चार भवनों व एक अवैध कालोनी पर चला बुलडोजर

हिसार (हिंस)। हांसी शहर में डीटीपी की टीम ने दो अलग-अलग स्थानों पर पीला पंजा चलाया। डीटीपी ने पहले राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित दिल्ली पुल के समीप बने एक शराब के ठेके, एक बीज भंडार व दो सीमेंट के इंटरलॉक ब्लाक बनाने वाली फैक्ट्रियों की बिल्डिंग को जेसीबी मशीन की सहायता से गिरा दिया गया। क्षेत्र में बुधवार को अवैध निर्माण गिराए जाने के दौरान किसी भी अप्रिय घटना से निपटने के लिए भारी पुलिस बल तैनात किया गया था परंतु अवैध निर्माण गिराए जाने के दौरान किसी भी भवन मालिक द्वारा हिसार डीटीपी द्वारा की गई कार्रवाई का विरोध नहीं किया। राष्ट्रीय राजमार्ग के बाद डीटीपी की टीम ढाणी राजू रोड़ पर काटी जा रही एक अवैध कालोनी पर पहुंची और कालोनी के लिए बनाए गए रास्तों को

जेसीबी से उखाड़ कर दोपहर बाद टीम वापस हिसार लौट गई। इस अवसर पर हिसार डीटीपी गुंजन वर्मा ने बताया राष्ट्रीय राजमार्ग पर किए गए अवैध निर्माण को गिराने के लिए टाऊन प्लानिंग एक्ट 1963 के तहत भवन मालिकों को नोटिस देकर अवैध निर्माण हटाने के लिए कहा गया था, लेकिन किसी भी भवन मालिक ने अवैध निर्माण नहीं हटाया। इसलिए बुधवार को पुलिस व ड्यूटी मजिस्ट्रेट दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम के कार्यकारी अभियंता अनीश अरोड़ा की मौजूदगी में जेसीबी की मदद से अवैध निर्माण को हटाया गया है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय राजमार्ग या शहर में अन्य किसी भी स्थान पर किसी को भी अवैध निर्माण नहीं करने दिया जाएगा और यदि किसी ने अवैध निर्माण किया हुआ है तो उसे पहले नोटिस दिया जाएगा और उसके बाद अवैध निर्माण को ध्वस्त कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि हांसी क्षेत्र के कंट्रोलड एरिया में अवैध निर्माणों पर उनकी नजर रहेगी और भविष्य में भी वे लगातार क्षेत्र में विजिट करती रहेंगी। इस अवसर पर जेई कृष्ण कुमार, हरियाणा स्टेट इनफॉरमेशन ब्यूरो हिसार एसआई राजवीर सिंह सहित काफी संख्या पुलिस कर्मचारी मौजूद थे।

पंजाब में बाढ़ का अलर्ट 26 तक बंद रहेंगे स्कूल

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के नौ जिलों में बाढ़ और अगले तीन दिन भारी बारिश की चेतावनी के चलते राज्य सरकार ने प्रदेश के सभी स्कूलों को 26 अगस्त तक बंद करने का निर्णय लिया है। पंजाब के शिक्षा मंत्री हरजोत बैंस ने बुधवार को ट्वीट करके यह जानकारी दी है। हिमाचल में बारिश की वजह से भाखड़ा और पौंग डैम से पानी छोड़ा जा रहा है। इससे ब्यास और सतुलज नदी उफान पर हैं। इस वजह से राज्य के गुरदासपुर, होशियारपुर, तरनतारन, फिरोजपुर, जालंधर, मोगा, रूपनगर, कपूरथला, नवांशहर यानी कुल नौ जिले बाढ़ की चपेट में हैं। बैंस ने ट्वीट किया कि हिमाचल प्रदेश और पंजाब के अलग-अलग जिलों में भारी बारिश की वजह से बाढ़ आ गई है। इसे ध्यान में रखते हुए पंजाब सरकार ने बच्चों की सुरक्षा के मद्देनजर स्कूल बंद करने का फैसला लिया है। पंजाब के सभी सरकारी, एडेड, मान्यता प्राप्त और प्राइवेट स्कूल को 23 अगस्त से 26 अगस्त तक तुरंत प्रभाव से बंद कर दिया गया है।

महिला और उसके पति को सरकारी नौकरी का झांसा देकर 6.50 लाख की ठगी, दुष्कर्म

जोधपुर (हिंस)। जिला पश्चिम में एक महिला और उसके पति को सरकारी नौकरी का झांसा देकर उसके ही जिले के रहने वाले एक शख्स ने साढ़े छह लाख की ठगी कर ली। महिला को रेलवे अस्पताल में ज्वाइन का फर्जी सर्टिफिकेट थमा दिया। महिला ज्वाइन करने पहुंची तो धोखाधड़ी का लगा पता। महिला का यह भी आरोप है कि परिचित ने उसका यौनाचार भी किया। घटना में शास्त्रीनगर थाने में मामला दर्ज हुआ है। जिसकी जांच की जा रही है। निरीक्षक प्रदीप डांगा ने बताया कि एक महिला की तरफ से रिपोर्ट दी गई है। अदालत से भेजे इस्तगासे पर प्रकरण दर्ज किया गया है। इसमें बताया कि वह मूल रूप से जालोर की रहने वाली है। यहां शास्त्रीनगर हलके में रहती है। उसके ही जिले के सांचोर का रहने वाला बालकाराम परिचित है। जिसने कुछ समय पहले महिला और उसके पति को सरकारी नौकरी पर लगाने की बात की।

बिजली संकट के खिलाफ भाजपा शहरों में एईएन कार्यालय और ग्रामीण क्षेत्रों में जीएसएस पर करेगी धरना-प्रदर्शन

जयपुर (हिंस)। प्रदेश में गहराते बिजली संकट को लेकर नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने बुधवार को प्रदेश भाजपा कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि प्रदेश की गहलोत सरकार ने विधानसभा में दंभ भरते हुए कहा था कि 23 हजार 309 मेगावाट बिजली के साथ राजस्थान बिजली में सरप्लस राज्य बन गया है। सरकार ने जनता को 100 यूनिट मुफ्त बिजली और फ्यूल सरचार्ज से मुक्त करने का वादा भी किया था। जबकि, प्रदेश में आज हालात यह है कि शहरी क्षेत्र में 5 से 6 घंटे की बिजली कटौती और ग्रामीण क्षेत्रों में सात से नौ घंटे तक बिजली कटौती जारी है। एक तरफ सारा बिजली तंत्र ठप्प हो गया, बिजली विभाग की सबसे मजबूत कड़ी कनिष्ठ अभियंता हड़ताल पर हैं। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि बिजली संकट गहराने के बाद कल सरकार ने कहा कि हम महंगी बिजली खरीदेंगे। पूर्व में भी सरकार ने खुद के थर्मल पावर प्लांट बंद करके महंगी बिजली खरीदी थी। जबकि राजस्थान में सरकार ने खुद के सात थर्मल पॉवर प्लांट हैं जिनकी क्षमता 2740 मेगावाट बिजली उत्पादन की है। इन सभी थर्मल पावर प्लांटों को कोयले की गुणवत्ता और रखरखाव के नाम पर बंद कर रखा है। गहलोत सरकार बिजली की कमी बताकर कोयले की कमी बताकर महंगी बिजली खरीदकर संस्थागत भ्रष्टाचार को अंजाम दे रही है। गहलोत सरकार ने दावा किया था कि आम उपभोक्ता को सौ यूनिट मुफ्त बिजली दी जाएगी। लेकिन जनता के हाथ में बढ़े हुए बिल थमा दिये जाते हैं। प्रदेश में अंधेर नगरी चौपट राजा वाली कहावत चरितार्थ हुई। साफ दिख रहा है कि सरकार की कथनी और करनी में मोटा फर्क है। प्रदेश में जारी बिजली संकट को लेकर कल से भाजपा शहरी क्षेत्र में एईएन कार्यालय और ग्रामीण क्षेत्र में जहां भी जीएसएस होंगे वहां काली पट्टी बांधकर धरना प्रदर्शन करेगी। जिन जगहों पर बिजली गुल होगी, वहां युवा मोर्चा लालटेन और कैंडल मार्च करेगा। भाजपा आंदोलन कर सरकार को उसका वादा याद दिलाएगी कि सरकार ने आम उपभोक्ता को सस्ती बिजली देने की घोषणा की थी। आज प्रदेश में बिजली सप्लाई पूरी तरह ठप्प हो चुकी है। प्रतिदिन 1600 से लेकर 2000 मेगावाट बिजली की कमी दिखाई दे रही है। बारिश ना होने की वजह से प्रदेश में बिजली संकट और बढ़ चुका है। जहां पीक आवर्स में 16500 मेगावाट बिजली की मांग है वहीं सरकार के पास 13 हजार मेगावाट से भी कम बिजली उपलब्ध है। नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने घोषणा की थी कि दिसंबर 2022 तक के सभी पैंडिंग कृषि आवेदन का निस्तारण करते हुए बिजली कनेक्शन जारी करेंगे। इसके लिए सरकार ने ट्रंकी प्रोजेक्ट बनाया जिसके तहत 2300 करोड का ट्रंकी प्रोजेक्ट बनाया था जिसमें एक लाख चार हजार बिजली कनेक्शन देने थे। यह प्रोजेक्ट भी भ्रष्टाचार की भेंट चढ गया। यकायक ही 2300 करोड का प्रोजेक्ट 3900 करोड का प्रोजेक्ट कैसे बन गया। उसी प्रकार गहलोत सरकार ने विद्युत सुदृढीकरण के नाम पर टेलरमेट टेंडर करके अपनी चहेती एक दो कंपनियों को लाभ पहुंचाने का काम किया है। विद्युत सुदृढ़ीकरण के नाम पर सरकार का असली चेहरा सामने आ चुका है। भाजपा इसके खिलाफ लगातार आंदोलन करेगी।

सांसद धर्मवीर ने गांवों में आमजन की समस्याएं सुनकर दिए समाधान के निर्देश

भिवानी (हिंस)। सांसद धर्मवीर सिंह ने बुधवार को जनसंवाद कार्यक्रम के दौरान लोगों की समस्याएं सुनकर अधिकारियों को उनके समाधान के निर्देश दिए। सांसद ने बागनवाला, डाडम, पिंजोखरा, गारणपुरा कलां व खुर्द, चनाना, दरियापुर, छपार जोगियान व छपार रांगडान, बास में जनसंवाद कार्यक्रमों के तहत जनसमस्याएं सुनी। इस दौरान सांसद ने ग्रामीणों की बिजली, पेयजल, नहरी पानी, गांव में कम्युनिटी सेंटर, पार्क, व्यायामशाला व ई-लाइब्रेरी आदि बनवाना व परिवार पहचान पत्र,

राजस्व विभाग से संबंधित कार्य, बिजली के बिल ठीक करवाने, राशन कार्ड, पेंशन से संबंधित आदि विभिन्न समस्याएं सुनी। सांसद ने ग्रामीणों की समस्याओं को गौर से सुना और उनके समाधान के लिए मौके पर मौजूद अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए। जन समस्याएं सुनते हुए सांसद धर्मबीर सिंह ने कहा कि हरियाणा ग्राम दर्शन पोर्टल के तहत गांव की फिरनी, श्मशान घाट, ई- लाइब्रेरी, व्यायामशाला, जिम व जोहड़ आदि कार्यों का प्रस्ताव पास कर पोर्टल पर अपलोड करें, ताकि बिना देरी के विकास कार्य हो सकें। उन्होंने कहा कि केंद्र व राज्य सरकार द्वारा योजनाबद्ध तरीके से शहरों की तर्ज पर गांव का विकास करवाया जा रहा हैं। उन्होंने कहा कि हर जरूरतमंद गांव में सफाई व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए ट्रैक्टर ट्राली दी जाएगी। उन्होंने कहा कि जन जीवन मिशन योजना के तहत हर घर में नल से स्वच्छ पेजल मुहैया करवाया जा रहा है। सांसद धर्मबीर सिंह ने टूटते सामाजिक ताने-बाने पर गहरी चिंता प्रकट करते हुए प्रबुद्ध नागरिकों से आगे बढ़कर भाईचारा कायम रखने की अपील की। सांसद ने कहा कि आपसी फूट के कारण ही लंबे अरसे तक देश गुलाम रहा है। सांसद ने प्रबुद्ध नागरिकों से भाईचारा कायम रखने के लिए आगे आने की अपील की।

सिंघाना के ग्रामीणों ने बिजली घर पर जड़ा ताला, की नारेबाजी

जींद (हिंस)। सफीदों खंड के गांव सिंघाना के ग्रामीणों ने बुधवार को बिजली समस्या को लेकर पावर हाउस गेट पर ताला जड़ दिया और नारेबाजी की। ताला जड़ने की सूचना मिलने के बाद बिजली निगम के सफीदों डिविजन के एक्सईएन विनित पातड़, एसडीओ अंकित व सदर थाना प्रभारी बलजीत सिंह मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों से निगम अधिकारियों ने पहले के शेड्यूल अनुसार बिजली आपूर्ति देने का आश्वासन दिया। जिसके बाद गुस्साएं ग्रामीणों ने दोपहर के दो बजे गेट का ताला खोला। ग्रामीण छह घंटे तक पावर हाउस प्रांगण में धरना देकर बैठे रहे। गांव सिंघाना में दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम द्वारा पावर हाउस बना रखा है। लेकिन गांव में बिजली का संकट गहराया हुआ है। ग्रामीण अजय राणा, पूर्व सरपंच सुरेंद्र राणा, पूर्व मार्केट कमेटी चेयरमैन विक्रम राणा, सोनू राणा, पूर्व सरपंच हरिश शर्मा, दिनेश शर्मा, पूर्व सरपंच देवेंद्र राणा, विजय, राजबीर, कुलदीप, दीपक आदि के अलावा मंगलवार को सैंकड़ों ग्रामीण बिजली किल्लत को लेकर पावर हाउस प्रांगण में पहुंचे थे। जहां पर भाजपा के जिलाध्यक्ष राजू मोर ने निगम के उच्च अधिकारियों से बातचीत कर समस्या समाधान का आश्वासन दिया था। बुधवार को ग्रामीणों के सब्र का बांध जब टूट गया, जब बीती रात उन्हें बैठ कर काटनी पड़ी। ग्रामीण सुबह होते ही 8 बजे पावर हाउस में पहुंच गए और समस्या समाधान न होने पर मुख्य गेट पर ताला जड़ दिया। ग्रामीण पावर हाउस प्रांगण में धरने पर बैठ गए। ग्रामीणों ने बताया कि पहले गांव में दोपहर के साढ़े 12 बजे से लेकर साढ़े चार बजे तक और शाम के सात बजे से लेकर सुबह के 7 बजे तक करीब 16 घंटे आपूर्ति दी जाती थी। इसी तरह से खेतों की बिजली भी सुबह के छह बजे से दोपहर के दो बजे तक आती थी। ताला जड़ने की सूचना मिलने पर सफीदों डिविजन के एक्सईएन विनित पातड़, एसडीओ अंकित व सदर थाना प्रभारी बलजीत सिंह मौके पर पहुंचे। एक्सईएन विनित पातड़ ने कहा कि वह पहले के शेड्यूल के अनुसार गांव में बिजली आपूर्ति देने की मांग को स्वीकार करते है और गुरुवार से पहले के शेड्यूल के अनुसार बिजली आपूर्ति शुरू कर दी जाएगी। जहां तक कर्मचारियों के रवैए की बात है, वह इसकों लेकर उच्च अधिकारियों से बातचीत कर नए कर्मचारियों को तैनात करवा देंगे। ग्रामीणों ने इस आश्वासन के बाद छह घंटे में पावर हाउस के गेट का ताला खोला और वापस अपने-अपने घर चले गए।

ईब्लू फियो इलेक्ट्रिक स्कूटर 1 लाख की कीमत में लॉन्च : फुल चार्ज पर 110 केएम की रेंज का दावा; ओला एस1 एयर और एथर 450एस से मुकाबला

नई दिल्ली।
गोदावरी इलेक्ट्रिक मोटर्स ने अपना पहला इलेक्ट्रिक स्कूटर ईब्लू फियो लॉन्च कर दिया है। कंपनी का दावा है कि ये स्कूटर फुल चार्ज पर 110 केएम चलेगा। इंडियन मार्केट में ये स्कूटर ओला एस1 एयर और एथर 450एस को टक्कर देगा।

इसे सिंगल वैरिएंट में पेश किया है। इसकी एक्स शोरूम कीमत 99,999 है। कंपनी ने इलेक्ट्रिक स्कूटर की प्री-बुकिंग 15 अगस्त से शुरू कर दी थी और इसकी डिलीवरी शुरू की जाएगी। कंपनी स्कूटर पर 3 साल या 30 हजार केएम की वारंटी ऑफर कर रही है।

डिजाइन और कलर ऑप्शन - एब्लू फियो को गोल हेडलैंप जैसे एलिमेंट्स के साथ एक ट्रेडिशनल स्कूटर की तरह डिजाइन किया गया है। इसमें कंफर्ट राइडिंग के लिए लंबी, एर्गोनॉमिक डिजाइन वाली सीट मिलती है। स्कूटर 5 कलर ऑप्शन के साथ अवेलेबल है। इसमें सियान ब्लू, वाइन रेड, जेट ब्लैक, टेली ग्रे और ट्रैफिक व्हाइट कलर शामिल है। इलेक्ट्रिक स्कूटर का ग्राउंड क्लीयरेंस 170 का है, जिससे इसे आसानी से ऑफ रोडिंग भी की जा सकती है।

ईब्लू फियो : बैटरी, रेंज और टॉप स्पीड - स्कूटर को पावर देने के लिए रियर व्हील में एक इलेक्ट्रिक मोटर दी गई है, जो 110 का टॉर्क जनरेट करती है। स्कूटर की टॉप स्पीड 60 है। स्कूटर में इकोनॉमी, नॉर्मल और पावर तीन ड्राइविंग मोड मिलते हैं। स्कूटर में रिजनरेटिव सिस्टम दिया गया है, जो बैटरी पर प्रेशर कम करती है और रेंज बढ़ाने में मदद करती है। इलेक्ट्रिक मोटर को पावर देने के लिए 2.52 की ली-ऑयन बैटरी दी गई है। कंपनी के दावे के मुताबिक, फुल चार्ज पर ये इलेक्ट्रिक स्कूटर 110केएम की रेंज देगा। इसके साथ 60 की कैपेसिटी वाला होम चार्जर मिलता है, जो स्कूटर को 5.25 घंटे में फुल चार्ज कर सकता है।

ईब्लू फियो : ब्रेकिंग और कंफर्ट फीचर - स्कूटर पर बेहतर कंट्रोल के लिए दोनों व्हील में डिस्क ब्रेक दिए गए हैं। दोनों व्हील पर 12-इंच के ट्यूबलैस टायर मिलते हैं। इसके फ्रंट में हाई-रेजोल्यूशन हेडलैंप और रियर में टेल लैम्प मिलते हैं। इसके साइड स्टैंड में सेंसर दिया है, जिसके ओपन होने पर स्कूटर स्टार्ट नहीं होता। इसमें एक कन्वीनियंस बॉक्स भी मिलता है, जिसमें छोटा-मोटा सामान रख सकते हैं। स्मार्टफोन को चार्ज करने के लिए इसमें एक चार्जिंग पॉइंट भी मिल जाता है। स्कूटर में 7.4-इंच का कलर डिजिटल डिस्प्ले दिया गया है।

न्यूज ब्रीफ

भारत में एसयूवी असेंबलिंग प्लांट लगा सकती है पोर्शे : देश में कार की बढ़ी डिमांड को पूरा करेगी कंपनी, जुलाई में लॉन्च किया था केयेन एसयूवी

नई दिल्ली। जर्मन कार मेकर कंपनी पोर्शे जल्द ही भारत में अपनी कारों को असेंबल करने के लिए प्लांट लगा सकती है। इसके लिए कंपनी के दो अधिकारी भारत आए हुए हैं। वे जल्द ही नीति आयोग और दूसरे अधिकरियों से मुलाकात करेंगे। रिपोर्ट के मुताबिक, कंपनी ने यह फैसला केयेन को मिल रहे रिस्पॉन्स को देखते हुए लिया है। पोर्शे ने जुलाई में केयेन एसयूवी और केयेन कूप का फेसलिफ्ट वर्जन लॉन्च किया था। पोर्शे के एक सीनियर अधिकारी ने बताया कि कंपनी भारतीय ऑटोमोबाइल मार्केट में अपनी जगह बनाना चाहती है। इसलिए वे कार को सीधे इंपोर्ट करने के बजाए असेंबल करने के बारे में सोच रहे हैं। इससे एसयूवी की असेंबलिंग भारत में करने से टैक्स बेनिफिट्स मिलेंगे और कार की कॉस्ट को कम रखने में मदद मिलेगी। बता दें कि देश में 40 हजार डॉलर यानी करीब 33.19 लाख रुपए से ज्यादा कीमत की कार को इम्पोर्ट करने पर 100 प्रतिशत टैक्स देना पड़ता है। इससे कम कीमत वाली कारों पर 70 प्रतिशत इम्पोर्ट ड्यूटी लगती है। इम्पोर्ट ड्यूटी में टोटल कॉस्ट, इन्श्योरेंस और ट्रांसपोर्ट का खर्च शामिल है। वहीं, कंपनियों को कार के कंपोनेंट्स और पार्ट्स इम्पोर्ट करने पर 15 से 35 प्रतिशत तक टैक्स देना पड़ता है। साल 2022 में भारत में कंपनी की सेल में 64 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई थी। कंपनी ने इस साल 779 कारें भारत में सेल की थी, जिसमें केयेन की हिस्सेदारी लगभग आधा यानी 390 थी। पोर्शे फीलहाल अपनी कारों की मैन्युफैक्चरिंग जर्मनी और स्लोवाकिया में कर रही है।

सोने-चांदी की वायदा कीमतों की शुरुआती तेजी

नई दिल्ली। इस सप्ताह लगातार तीसरे कारोबारी सत्र में सोने-चांदी की वायदा कीमतों की शुरुआत तेजी के साथ हुई। बुधवार को दोनों के वायदा भाव तेजी के साथ खुले। चांदी के वायदा भाव 72,000 रुपये, जबकि सोने के वायदा भाव 58,500 रुपये के ऊपर कारोबार कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने-चांदी के वायदा भाव तेजी के साथ खुले। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर चांदी का बेंचमार्क सितंबर कॉन्ट्रैक्ट बुधवार को 129 रुपये की तेजी के साथ 72,111 रुपये के भाव पर खुला। खबर लिखने तक यह कॉन्ट्रैक्ट 267 रुपये की तेजी के साथ 72,249 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 72,260 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 72,211 रुपये प्रति किलो के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। मई महीने में चांदी के वायदा भाव 78 हजार रुपये किलो को पार कर सर्वोच्च स्तर पर पहुंच गए थे। एमसीएक्स पर सोने का बेंचमार्क अक्टूबर कॉन्ट्रैक्ट 26 रुपये की तेजी के साथ 58,600 रुपये के भाव पर खुला। खबर लिखने तक यह कॉन्ट्रैक्ट 18 रुपये की तेजी के साथ 58,592 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 58,625 रुपये के भाव पर दिन का उच्च स्तर और 58,588 रुपये के भाव पर निचला स्तर छू लिया। मई महीने में सोने के वायदा भाव ने 61,845 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने-चांदी के भाव तेजी के साथ खुले। कौमैक्स पर सोना 1926.80 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछले क्लोजिंग प्राइस 1926 डॉलर था।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया हुआ मजबूत

नई दिल्ली। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में बुधवार को शुरुआती कारोबार में रुपया सात पैसे की बढ़त के साथ खुला। स्थानीय शेयर बाजारों के सुस्त रुख के बीच रुपया सीमित दायरे में था। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 83.02 पर खुला और फिर 82.92 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। यह पिछले बंद भाव की तुलना में सात पैसे की बढ़त है। मंगलवार को रुपया 14 पैसे की बढ़त के साथ 82.99 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.08 प्रतिशत गिरकर 103.48 पर आ गया। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड वायदा 0.17 प्रतिशत की बढ़त के साथ 84.17 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था।

निवेश के लिए चीन से बेहतर बना भारत

भारतीय मार्केट दे रहे सबसे ज्यादा रिटर्न, 2040 तक 4 करोड़ युवा वर्कफोर्स से जुड़ेंगे

नई दिल्ली।
आर्थिक मोर्चों पर चीन से एक के बाद एक आ रही बुरी खबरों ने पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा है। इन खबरों से इस बात को भी बल मिल रहा है कि भारतीय शेयर बाजार कोरोना काल के बाद के दौर में एशिया में निवेश के लिहाज से सबसे बेहतर साबित हो रहे हैं। साल 2020 के आखिर से भारत के बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स ने लोकल करेंसी (रुपए) में सालाना 14 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। एशिया में 1 ट्रिलियन डॉलर (करीब 82 लाख करोड़ रुपए) से ज्यादा की इकोनॉमी में जितने भी इंडेक्स हैं, उनमें सेंसेक्स का परफॉर्मेंस सबसे बेहतरीन रहा है।

भारतीय बाजार तीन साल से लगातार स्थिर रिटर्न दे रहा

भारतीय बाजार तीन साल से लगातार स्थिर रिटर्न दे रहा है, जबकि चीन में कभी-कभार आने वाली तेजी हमेशा रिटर्न देने में विफल रही है। चीन में विदेशी निवेश मई 2021 में चरम पर था। अमेरिकी डॉलर के लिहाज से भी भारतीय बाजार सबसे बेहतर परफॉर्म कर रहे हैं। इसी अगस्त में जहां दुनियाभर की इक्विटी में 5 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट आई, भारतीय बाजार में महज 2.1 प्रतिशत की ही गिरावट दर्ज की गई। चीन के बाजार 50 प्रतिशत तक गिरे, तो भारत में 25 प्रतिशत बढ़े: मई 2021 में चीन में विदेशी निवेश अपने चरम पर था। तब वहां पिछले 12 महीनों में 300 बिलियन डॉलर आए थे। इससे तीन महीने पहले चीन का इंडेक्स भी अपनी अधिकतम ऊंचाई पर पहुंचा था। भारत में भी उस समय निवेश चरम पर था, लेकिन इसकी रफ्तार चीन की रफ्तार का 10वां हिस्सा ही थी। अब हालात बदल चुके हैं। तब से चीन के बाजार 50 प्रतिशत तक गिर चुके हैं। वहीं, भारत में 25 प्रतिशत की बढ़त दर्ज हुई है। भारती बाजार में तेजी के फैक्टर ज्यादा: पहले मिला अच्छा रिटर्न इस बात की गारंटी नहीं होता है कि भविष्य में भी दिन अच्छे होंगे, लेकिन इस बात की संभावना ज्यादा है कि भारत की तेजी के पीछे जो फैक्टर रहे हैं वे आगे भी बरकरार रहेंगे।

कोरोना के बाद उम्मीद पर खरा नहीं उतरा चीन

भारतीय बाजार में तेजी का दौर चीन की तुलना में बिल्कुल उलट है। कोरोना महामारी के कारण होने वाली मौतों के मामले में चीन का रिकॉर्ड बाकी दुनिया से बेहतर रहा था। इसके लिए उसकी खूब वाहवाही भी हुई। इससे उम्मीद जताई जा रही थी कि महामारी के बाद एशिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बेहतर ग्रोथ दिखाएगी। उम्मीद तो यहां तक थी कि चीन पूरी दुनिया को उसी तरह उबार सकता है जैसा उसने 2008-09 की वैश्विक आर्थिक मंदी के बाद किया था। इस बार ऐसा नहीं हो रहा है। जो उम्मीदें चीन से थीं उसमें वह फेल होता दिख रहा है। वहीं, भारत अब सबकी आंखों का तारा बन रहा है। भारत को मौजूदा जियोपॉलिटिकल स्थिति और वैश्विक सप्लाई चेन में आ रहे बदलावों का फायदा मिल रहा है। वेस्ट के साथ चीन के व्यापारिक तनाव और वेस्ट कंट्रीज के मित्र देशों में मैन्युफैक्चरिंग पर जोर ने भारत की स्थिति को और भी मजबूत किया है।

भारत में जितना वर्क फोर्स आएगा, दुनिया में उतने लोग रिटायर होंगे

आईफोन प्रोडक्शन अब भारत में शिफ्ट हो रहा है। कई अन्य वैश्विक कंपनियां भी अब चीन से भारत का रुख कर रही हैं। इससे साबित होता है कि भारत अपनी विशाल युवा आबादी का फायदा उठाने के लिए पूरी तरह से तैयार है। 2020 से 2040 के बीच भारत में सेकेंडरी एजुकेशन हासिल कर चुके 4 करोड़ लोगों का वर्क फोर्स सामने आएगा। वहीं, चीन और विकसित अर्थव्यवस्थाओं में इसी टाइम पीरियड में करीब 5 करोड़ लोग रिटायर होंगे। युवाओं की अधिक संख्या भारत के सामने बेरोजगारी की चुनौती भी खड़ी करती है, लेकिन साथ ही यह देश के लिए बहुत बड़ा अवसर भी है। भारत के पास एक और एडवांटेज यह है कि इसकी इकोनॉमी चीन की तुलना में कंज्यूमर डिमांड से ज्यादा ड्राइव होती है। चीन की ग्रोथ प्रोफाइल अब विकसित देशों जैसी हो रही है, जहां आगे बढ़ने की रफ्तार धीमी है।

भारत में निवेशकों को कम राजनीतिक झटके

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और आरबीआई के बीच कुछ मसलों पर मतभेद और देश में छिटपुट सांप्रदायिक हिंसा के बावजूद भारत में निवेशकों को राजनीतिक झटके कम लगे हैं। वहीं चीन में शी जिनपिंग के नेतृत्व में निवेशकों पर नियम-कानूनों का शिकंजा ज्यादा सख्त हो गया है। विदेशी निवेशकों ने 1 अप्रैल के बाद 61,913 करोड़ रु. लगाए, पिछले वित्तवर्ष में 1.96 लाख करोड़ रु. निकाले थे। भारतीय बाजार दो साल से लगातार स्थिर रिटर्न दे रहा है, जबकि चीन में कभी-कभार आने वाली तेजी हमेशा रिटर्न देने में विफल रही है। चीन में विदेशी निवेश मई 2021 में चरम पर था। देश में डीमैट खाते 13 करोड़ हैं, पर यह संख्या आबादी की 10 प्रतिशत नहीं है। अमेरिका-यूरोप में डीमैट खाते आबादी के 30 प्रतिशत हैं।

ब्लूचिप-फंड्स में एफडी से ज्यादा फायदा

इसने बीते 1 साल में दिया 23 प्रतिशत तक का रिटर्न

नई दिल्ली।
अगर आप कम रिस्क के साथ म्यूचुअल फंड में निवेश करना चाहते हैं तो आपके लिए ब्लूचिप फंड में निवेश करना सही साबित हो सकता है। इसमें कम रिस्क के साथ अच्छा रिटर्न मिलने की संभावना रहती है। बीते 1 साल में ब्लूचिप फंड्स ने 23 प्रतिशत तक का रिटर्न दिया है। ऐसे में अगर आप अपने निवेश पर एफडी से ज्यादा रिटर्न चाहते हैं तो ब्लूचिप फंड में निवेश कर सकते हैं।

ये लार्ज-कैप म्यूचुअल फंड ही हैं, हालांकि कुछ लार्ज-कैप म्यूचुअल फंड ने अपने नाम के साथ ब्लूचिप भी जोड़ लिया है। जैसे एक्सिस ब्लूचिप फंड, आईसीआईसीआई प्रू ब्लूचिप फंड, एसबीआई ब्लूचिप फंड, कोटक ब्लूचिप फंड या फ्रैंकलिन ब्लूचिप फंड। ब्लूचिप म्यूचुअल फंड स्कीमों के लिए निवेशकों से जुटाई गई राशि का कम से कम 80 प्रतिशत टॉप 100 कंपनियों में निवेश करना जरूरी होता है। माना जाता कि इनके शेयरों में उतार चढ़ाव कम होता है, इसलिए इनमें पैसा लगाने पर नुकसान की संभवना, खासतौर पर लंबे समय में कम ही रहती है। ब्लूचिप कंपनी उन कंपनियों को कहते हैं कि जिनका आकार बहुत बड़ा होता है और जिनकी आर्थिक स्थिति मजबूत होती है। माना जाता कि इनके शेयरों में उतार चढ़ाव कम होता है, इसलिए इनमें पैसा लगाने पर नुकसान की संभवना, विशेषतौर पर लंबे समय में कम ही रहती है। लार्ज कैप म्यूचुअल फंड स्कीम्स के लिए निवेशकों से जुटाई गई रकम का कम से कम 80 प्रतिशत टॉप 100 कंपनियों में निवेश करना जरूरी है।

इसमें किसे करना चाहिए निवेश

ब्लूचिप फंड्स में उनको पैसा लगाने की सलाह दी जाती है, जो कम जोखिम के साथ शेयर बाजार में निवेश करना चाहते हैं। इन स्कीम्स में कम से कम 3 से 5 साल के टाइम पीरियड को ध्यान में रख कर निवेश करना चाहिए। हालांकि इसमें कोई लॉक-इन पीरियड नहीं होता है इसीलिए आप जरूरत पड़ने पर पैसा निकाल सकते हैं लेकिन ध्यान रहे कि छोटे समय मे शेयर बाजार में उतार चढ़ाव का असर आपके निवेश पर अधिक पड़ सकता है जबकि लंबे समय मे यह खतरा कम हो जाता है। म्यूचुअल फंड में एक साथ पैसा लगाने की बजाय सिस्टमेटिक इनवेस्टमेंट प्लान यानी एसआईपी द्वारा निवेश करना चाहिए। एसआईपी के जरिए आप हर महीने एक निश्चित अमाउंट इसमें लगाते हैं। इससे रिस्क और कम हो जाता है क्योंकि इससे इस पर बाजार के उतार चढ़ाव का ज्यादा असर नहीं पड़ता।

अदाणी समूह का कर पूर्व लाभ 42 प्रतिशत बढ़कर 23532 करोड़ रुपये हुआ, पहली तिमाही के परिणाम जारी

नई दिल्ली।
अदाणी समूह का चालू वित्त वर्ष की पहली (अप्रैल-जून) तिमाही का कर-पूर्व लाभ सालाना आधार पर 42 प्रतिशत बढ़ा है। समूह ने बुधवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि उसके हवाई अड्डे से लेकर बिजली और समुद्री बंदरगाह आदि क्षेत्रों ने इस इस वृद्धि में उल्लेखनीय योगदान दिया है। समूह की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि अप्रैल-जून तिमाही में उसने 23,532 करोड़ रुपये का कर-पूर्व लाभ दर्ज किया। यह वित्त वर्ष 2018-19 में दर्ज 24,780 करोड़ रुपये के कर-पूर्व लाभ के लगभग बराबर है। अदाणी समूह की 10 कंपनियां शेयर बाजार में सूचीबद्ध हैं। इनमें अदाणी एंटरप्राइजेज लि., अडाणी पोर्ट्स एंड एसईजेड लि., अदाणी ग्रीन एनर्जी, अदाणी पावर लि., अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस और अदाणी टोटल गैस शामिल हैं। करीब 42,115 करोड़ रुपये की नकदी को लेने के बाद इन कंपनियों पर शुद्ध रूप से कर्ज का बोझ 18,689.7 करोड़ रुपये है। रिपोर्ट में समूह पर कई तरह की गड़बड़ियों के आरोप लगाए गए थे। यह रिपोर्ट इस साल जनवरी में आई थी। उसके बाद से समूह के कुल बाजार मूल्यांकन में बड़ी गिरावट दर्ज की गई थी। हालांकि, समूह ने इन आरोपों को खारिज कर दिया था। अब समूह वापसी की रणनीति के तहत अपना परिचालन प्रदर्शन सुधारने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। समूह के प्रवर्तकों ने 10 सूचीबद्ध कंपनियों में से पांच की हिस्सेदारी जीक्यूजी पोटनर्स जैसे निवेशकों को बेची है। इससे समूह की कंपनियों के शेयरों में सुधार हुआ है। पहली तिमाही में समूह के मूल बुनियादी ढांचा और यूटिलिटी कारोबार का कर-पूर्व मुनाफा 20,233 करोड़ रुपये रहा है। यह कुल कर-पूर्व लाभ का 86 प्रतिशत है। इसी तरह समूह के हवाई अड्डा, हरित हाइड्रोजन और अन्य कारोबार का कर-पूर्व लाभ इस अवधि में सालाना आधार पर लगभग दोगुना होकर 1,718 करोड़ रुपये रहा। यह कुल कर-पूर्व मुनाफे का सात प्रतिशत है। कंपनी के सीमेंट कारोबार का कर-पूर्व लाभ 54 प्रतिशत बढ़कर 1,935 करोड़ रुपये रहा।

जीएसटी के कारण राजस्व को हो रहा नुकसान', पीएम की आर्थिक सलाहकार परिषद के चेयरमैन बिबेक देबरॉय की टिप्पणी

नई दिल्ली।

देबरॉय ने कहा, आदर्श जीएसटी वह है जिसमें एक ही दर हो और इसका उद्देश्य राजस्व तटस्थ होना था। जीएसटी पहली बार लागू किया गया था, तो औसत दर कम से कम 17 प्रतिशत होनी चाहिए थी। लेकिन मौजूदा दर 11.4 प्रतिशत है। ऐसे में जीएसटी से सरकार को राजस्व का नुकसान हो रहा है।

प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (ईएसी-पीएम) के चेयरमैन बिबेक देबरॉय का कहना है कि सरकार को माल एवं सेवा कर (जीएसटी) के कारण राजस्व का नुकसान हो रहा है। इसे एक दर के साथ राजस्व तटस्थ होना चाहिए। एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा, हालांकि, जीएसटी से चीजें काफी आसान भी हुई हैं। आदर्श जीएसटी वह है जिसमें एक ही दर हो और इसका उद्देश्य राजस्व तटस्थ होना था। जीएसटी पहली बार लागू किया गया था, तो औसत दर कम से कम 17 प्रतिशत होनी चाहिए थी। लेकिन मौजूदा दर 11.4 प्रतिशत है। ऐसे में जीएसटी से सरकार को राजस्व का नुकसान हो रहा है। उन्होंने कहा कि लोगों के साथ-साथ जीएसटी परिषद के सदस्य भी चाहते हैं कि 28 प्रतिशत कर की दर कम हो। लेकिन कोई भी नहीं चाहता कि शून्य और 3 प्रतिशत कर की दरें बढ़ें। ऐसे में हमारे पास कभी भी सरलीकृत जीएसटी नहीं होगा।

छह राज्यों में एक सितंबर से, बिल अपलोड करने पर एक करोड़ तक इनाम

मोबाइल एप पर जीएसटी बिल अपलोड कर एक करोड़ रुपये तक का पुरस्कार जीतने की योजना मेरा बिल मेरा अधिकार एप एक सितंबर से शुरू होगी। यह एप आईओएस और एंड्रॉइड प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध होगा। इसे पहले गुजरात, हरियाणा, असम, पुदुचेरी, दमन एवं दीव और दादरा नागर हवेली में शुरू किया जाएगा। केंद्रीय सीमा शुल्क एवं प्रत्यक्ष बोर्ड (सीबीआईसी) ने बताया, इसके तहत 10 हजार से एक करोड़ रुपये तक का पुरस्कार मिलेगा। इससे ग्राहकों को खरीद पर जीएसटी बिल लेने के लिए प्रोत्साहित करना है। कम से कम खरीदी 200 रुपये होनी चाहिए। एक व्यक्ति महीने में अधिकतम 25 बिल अपलोड कर सकता है।

जियो फाइनेंशियल में लगातार तीसरे दिन लोअर-सर्किट

कंपनी का शेयर 5 प्रतिशत गिरकर 224 पर आया, 23,000 करोड़ कम हुआ मार्केट कैप

मुंबई।
जियो फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के शेयर में बुधवार (23 अगस्त) को लगातार तीसरे दिन लोअर सर्किट देखने को मिला। कंपनी का शेयर 5 प्रतिशत की गिरावट के साथ 224.65 रुपए पर बंद हुआ। जेएफएस की लिस्टिंग 21 अगस्त को हुई थी, तब से ही कंपनी के शेयर में 5 प्रतिशत का लोअर सर्किट लगा हुआ है। इस वजह से तीन दिन में कंपनी का शेयर 15 प्रतिशत गिरा है। गुरुवार को भी जेएफएस के शेयर में लोअर सर्किट रहता है तो इंडेक्स से इसके बाहर जाने की तारीख अगले तीन दिनों के लिए टल जाएगी। वहीं लगातार तीन दिनों के लोअर सर्किट की वजह से जियो फाइनेंशियल सर्विसेज का मार्केट कैप 23 हजार करोड़ रुपए कम हो गया है। जेएफएस का शेयर लिस्टिंग के शुरुआती दो दिनों तक लोअर सर्किट पर रहता है तो ये शेयर सभी इंडेक्स से 29 अगस्त को बाहर हो जाएगा। वहीं कंपनी के शेयर में अगर दो और दिन लोअर सर्किट लगा रहा, तो इंडेक्स से बाहर होने की तारीख अगले तीन दिनों के लिए टाल दी जाएगी।

बीएसई पर 265 और एनएसई पर 262 पर लिस्ट हुआ था जेएफएस का शेयर - जियो फाइनेंशियल सर्विसेज का शेयर 2 दिन पहले यानी सोमवार (21 अगस्त) को बीएसई 265 रुपए और एनएसई पर 262 रुपए पर लिस्ट हुआ था। लिस्टिंग के बाद पहले दिन ही कंपनी का शेयर 5 प्रतिशत के लोअर सर्किट के साथ 251.75 रुपए पर बंद हुआ था। वहीं, एनएसई पर भी इसका शेयर 5 प्रतिशत के लोअर सर्किट के साथ 248.90 रुपए बंद हुआ था। इसके बाद दूसरे दिन बुधवार (22 अगस्त) को भी कंपनी का शेयर 5 प्रतिशत की गिरावट के साथ 239.20 रुपए के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, एनएसई पर यह 5 प्रतिशत के लोअर सर्किट के साथ 236.45 रुपए पर बंद हुआ था। तीन दिन में कंपनी का मार्केट कैप 23,000 करोड़ कम हुआ

जियो फाइनेंशियल सर्विसेज के शेयर में लगातार गिरावट की वजह से इसका मार्केट कैप भी गिरा है। कंपनी के मार्केट कैप में 7,496.88 करोड़ रुपये की गिरावट आई है। वहीं बीते दो दिन में कंपनी का मार्केट कैप 15,000 करोड़ रुपए से ज्यादा गिरा था। इस हिसाब से तीन दिन में कंपनी के मार्केट कैप में टोटल 23,000 करोड़ रुपए की गिरावट आई है। अब कंपनी का मार्केट कैप घटकर 1.43 लाख करोड़ रुपए पर आ गया है।

रिलायंस के शेयरहोल्डर्स को 1:1 के रेश्यो में जेएफएस के शेयर मिले थे - 19 जुलाई के कारोबारी दिन के अंत में जिन-जिन शेयरहोल्डर्स के पास रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर्स थे, उन्हें 1:1 के रेश्यो में जियो फाइनेंशियल के शेयर मिले थे। उदाहरण के लिए यदि किसी निवेशक के पास आरआईएल के 100 शेयर थे, तो उसे जेएफएस के 100 शेयर दिए गए थे।

पिछले महीने आरआईएल से अलग हुई थी कंपनी - रिलायंस का फाइनेंशियल सर्विसेज बिजनेस पिछले महीने अपनी मूल कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड से अलग हुआ था। डीमर्जर के बाद प्राइस डिस्कवरी मैकेनिज्म के तहत जियो फाइनेंशियल के शेयर का भाव 261.85 रुपए तय हुआ था।

10 कारोबारी दिन तक ट्रेड-फॉर-ट्रेड सेगमेंट में है शेयर - जियो फाइनेंशियल सर्विसेज 21 अगस्त से 10 कारोबारी दिन तक ट्रेड-फॉर-ट्रेड सेगमेंट में है। जब तक इस सेगमेंट में स्टॉक रहता है तो उस शेयर की इंट्राडे ट्रेडिंग नहीं हो सकती है। इस सेगमेंट के हर एक को खरीदने के लिए पूरा पेमेंट देकर डिलीवरी लेनी पड़ती है। जियो फाइनेंशियल का प्लान कंज्यूमर और मर्चेंट लैंडिंग बिजनेस शुरू करने का है। ग्लोबल फाइनेंशियल सर्विसेज की दिग्गज कंपनी मैक्वेरी ने पिछले साल अपनी रिपोर्ट में रिलायंस के फाइनेंशियल सर्विसेज बिजनेस को मार्केट ग्रोथ के मामले में पेटीएम और अन्य फिनटेक कंपनियों के लिए एक बड़ा खतरा बताया था। पिछले साल मुकेश अंबानी ने जियो फाइनेंशियल को एक अलग यूनिट बनाने का ऐलान किया था। उन्होंने इस बात की घोषणा करते हुए कहा था कि जियो फाइनेंशियल टेक्नोलॉजी बेस्ड बिजनेस होगा, जो देशभर में डिजिटल तरीके से फाइनेंशियल प्रोडक्ट्स ऑफर करेगा।

रिलायंस के फाइनेंशियल सर्विसेज बिजनेस में 6 कंपनियां शामिल हैं...

- रिलायंस इंडस्ट्रियल इन्वेस्टमेंट्स एंड होल्डिंग्स लिमिटेड
- रिलायंस पेमेंट सॉल्यूशंस लिमिटेड
- जियो पेमेंट्स बैंक लिमिटेड
- रिलायंस रिटेल फाइनेंस लिमिटेड
- जियो इंफॉर्मेशन एग्रीगेटर सर्विसेज लिमिटेड
- रिलायंस रिटेल इंश्योरेंस ब्रोकिंग लिमिटेड का इन्वेस्टमेंट

सलमान का नया लुक....सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय

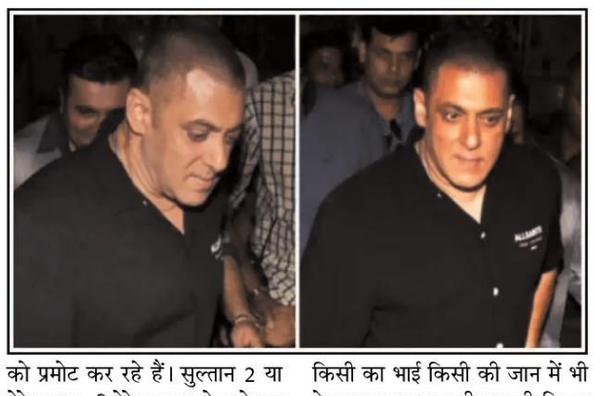

मुंबई (ईएमएस)। बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान ने अपना नए गंजे लुक से फैंस को चौंका दिया है। सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें सलमान को ब्लैक शर्ट और मैचिंग ट्राउजर पहने देखा जा सकता है। उन्होंने हेयरस्टाइल में गंजा स्टाइल रखा है, यह देख हर कोई हैरान है। उनके नए लुक को देखने के बाद फैंस ने अंदाजा लगाया कि यह हेयरस्टाइल उन्होंने आने वाले प्रोजेक्ट के लिए रखा होगा। कुछ लोगों ने यह भी कहा कि सलमान शाहरुख खान की एक्शन थ्रिलर जवान का प्रमोशन कर रहे हैं, जिसमें शाहरुख भी गंजे लुक में हैं। एक फैंस ने लिखा कि तेरे नाम मूवी राधे लुक। ओल्ड सलमान इज बैक। वह मास्टरपीस फिल्म सुल्तान की तरह दिख रहा है। भाईजान जवान को प्रमोट कर रहे हैं। सुल्तान 2 या तेरे नाम 2..? तेरे नाम 2 लोड हो रहा है? हालांकि, सलमान ने अपने नए लुक के बारे में कोई खुलासा नहीं किया है। वहीं सलमान आखिरी बार शाहरुख की फिल्म पठान में कैमियो रोल में नजर आए थे। उन्हें फरहाद सामजी द्वारा निर्देशित एक्शन कॉमेडी किसी का भाई किसी की जान में भी देखा गया था। उनकी अगली फिल्म टाइगर 3 है। यह एक एक्शन थ्रिलर फिल्म है, जो मनीष शर्मा द्वारा निर्देशित और आदित्य चोपड़ा द्वारा निर्मित है। फिल्म में कैटरीना कैफ और इमरान हाशमी भी अहम भूमिका में हैं।

सबा के साथ विदेश में वेकेशन एंजॉय किया ऋतिक ने

-शर्टलेस फोटो की शेयर, सोशल मीडिया पर आग

मुंबई (ईएमएस)। हाल ही में एक्टर ऋतिक रोशन ने अपनी गर्लफ्रेंड सबा आजाद के साथ विदेश में वेकेशन एंजॉय किया। ऋतिक अब छुट्टियां मना कर वापस आ चुके हैं। उनकी वे-केशन की कुछ तस्वीरें वायरल हो रही हैं, जिसे देखने के बाद हर फैन उनकी तारीफ करने से खुद को रोक नहीं पा रहा। ऋतिक रोशन ने हमेशा अपने लुक्स से फैंस का ध्यान खींचा है। वह चाहे किसी फिल्म के लिए हो, पार्टी के लिए या फिर वेकेशन के दौरान क्लिक की गई तस्वीरों की। फैंस उन्हें हर अंदाज में पसंद करते हैं। सोशल मीडिया पर उनकी कुछ तस्वीरें सामने आई हैं, जिसमें ऋतिक रोशन का गजब का ट्रांसफॉर्मेशन देखने को मिल रहा है। इन तस्वीरों में एक्टर कि शर्टलेस फोटो में पहले और बाद में वाला हाल नजर आया है, जिसे देखकर फैंस उनकी उम्र पर सवाल करने लगेंगे। ऋतिक रोशन ने इंस्टाग्राम पर अपनी नई और पुरानी फोटो शेयर की है। इन शर्टलेस फोटोज में एक्टर की जबरदस्त फिटनेस और ट्रांसफॉर्मेशन नजर आ रही है। उनके एब्स और मसल्स कमाल के लग रहे हैं। पुरानी फोटो में ऋतिक को पूल से निकलते देखा जा सकता है। गीले बालों के साथ वह अपनी मसल्स फ्लॉन्ट करते देखे जा सकते हैं। वहीं, नई फोटो में ऋतिक जिम में नजर आ रहे हैं। ऋतिक का ट्रांसफॉर्मेशन देख हर कोई हैरान है। इन फोटोज पर सबा आजाद ने भी कमेंट किया। उन्होंने ऋतिक की बाद वाली तस्वीर को पसंद करते हुए उन्हें ज्यादा चीज खाने की सलाह दी है। उनके अलावा सुमित व्यास सहित अन्य सिलेब्रिटिज ने भी ऋतिक के टोन्ड मसल्स पर प्यार लुटाया है। इस वर्सटाइल एक्टर के वर्कफ्रंट की बात करें, तो फैंस उन्हें फाइटर और वॉर 2 फिल्म में देखेंगे। फाइटर जनवरी, 2024 में रिलीज होगी। बता दें कि एक्टर ऋतिक रोशन एक्टिंग के अलावा अपने लुक्स को लेकर भी सुर्खियों में बने रहते हैं। उनके शार्प फेशियल फीचर्स के साथ ही टोन्ड बॉडी के लिए भी फैंस से तारीफें सुनने को मिलती हैं।

ड्रीम गर्ल हेमा मालिनी ने देखी गदर 2, सनी देओल के काम को बताया शानदार

मुंबई (ईएमएस)। ड्रीम गर्ल हेमा मालिनी ने एक्टर सनी देओल की गदर 2 फिल्म देखी है। इसके बाद उन्होंने अपनी प्रतिक्रिया में सनी के काम को शानदार बताया है। गौरतलब है कि गदर 2 इन दिनों सिनेमाघरों में खूब कमाल दिखा रही है। लोग अपनी फैमिली और दोस्तों संग ट्रैक्टर लेकर थिएटर्स में फिल्म देखने पहुंच रहे हैं। बॉलीवुड के कई सेलेब्स भी गदर 2 देख चुके हैं। यानि फिल्म की चारों तरफ खूब चर्चा हो रही है। हाल ही में सनी देओल की सौतेली मां और धर्मेंद्र की दूसरी पत्नी एक्ट्रेस हेमा मालिनी ने भी गदर 2 देखी और इस पर अपना रिव्यू भी दिया है। बीती रात हेमा मालिनी मुंबई के एक थिएटर में गदर 2 देखने पहुंची थी। इस दौरान उन्होंने फिल्म को लेकर अपना रिएक्शन दिया। हेमा मालिनी ने कहा, गदर 2 देख कर आई हूं। बहुत ही अच्छा लगा। जैसी उम्मीद थी वैसी ही थी। बहुत दिलचस्प है। बॉलीवुड की ड्रीम गर्ल ने आगे कहा ऐसा लग रहा था कि 70 और 80 के दशक की उस जमाने की फिल्म के जैसा एक दौर है। उस दौर को लेकर आए अनिल शर्मा ने बहुत खूबसूरत डायरेक्शन किया है। एक्ट्रेस हेमा मालिनी ने आगे कहा, राष्ट्र के प्रति जो भाव होना चाहिए वो बहुत शानदार ढंग से दिखाया है और हिंदू मुस्लिम के प्रति जो भाईचारा होना चाहिए उस विषय को लास्ट में लेकर आए हैं। ये भारत और पाकिस्तान के लिए एक अच्छा मैसेज है। हेमा मालिनी ने अपने सौतेले बेटे सनी देओल की भी खूब तारीफ की और गदर 2 में उनके रोल के लिए उन्हें शानदार बताया। इसके साथ ही उन्होंने चरणजीत सिंह का रोल निभाने वाले उत्कर्ष शर्मा की एक्टिंग को भी सराहा। वहीं सिमरत कौर के बारे में कहा- जो नई लड़की है, वो भी बहुत अच्छी है। बता दें कि हेमा मालिनी एक्टर धर्मेंद्र की दूसरी पत्नी हैं और वो अक्सर धर्मेंद्र की पहली पत्नी के बच्चों सनी देओल और बॉबी देओल से दूरी बनाए रखती हैं। हाल ही में सनी देओल के बेटे करण देओल की शादी में भी उन्होंने शिरकत नहीं की थी। उनकी बेटियां भी सनी देओल और उनके परिवार से दूर रहती हैं। हालांकि कुछ दिनों पहले ईशा देओल को सनी देओल और बॉबी देओल के साथ देखा गया था।

शरवरी ने फोटोग्राफी के प्रति अपने जुनून को किया साझा

विश्व फोटोग्राफी दिवस के अवसर पर बॉलीवुड एक्ट्रेस शरवरी अपने सोशल मीडिया पर आईं और उन्होंने फोटोग्राफी के प्रति अपने जुनून को साझा किया। अभिनेत्री ने एक कैप्शन के साथ अपनी दो पसंदीदा तस्वीरें पोस्ट कीं जो उन्होंने अपने फिल्मी कैमरे से खींची हैं। वह साझा करती है, पिछले साल, मैं और मेरी दोस्त कुछ पुराने फिल्म कैमरों की मरम्मत कराने गए थे और तब से मुझ पर दुनिया को एक ब्लैक एंड व्हाइट फिल्म में कैद करने का जुनून सवार हो गया है! विश्व फोटोग्राफी दिवस पर, मैं अपनी दो पसंदीदा तस्वीरें साझा कर रही हूं, एक कोंकण, भारत से और दूसरी इस्तांबुल, तुर्की से। काम के मोर्चे पर, शरवरी वर्तमान में जॉन अब्राहम के साथ वेदा की शूटिंग कर रही हैं।

कथित तौर पर, वह आदित्य चोपड़ा के प्रतिष्ठित स्पाई यूनिवर्स का भी हिस्सा हैं, जिसके बारे में ज्यादा जानाकारी मौजूद नही है। बता दें कि शरवरी ने हाल ही में जॉन अब्राहम के साथ निखिल आडवाणी की फिल्म वेदा का जोधपुर शेड्यूल पूरा किया है।

दीपिका को देख धड़कने लगा था दिल : दुलकर

-एक चैट सेंशन के दौरान एक्टर ने किया खुलासा

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण को लेकर रोपोसो पर एक चैट सेंशन के दौरान एक्टर दुलकर सलमान ने बडा खुलासा किया। एक्टर ने कहा कि वह दीपिका पादुकोण के बहुत बड़े फैन हैं। दुबई में पहली बार उनको देखकर दिल तेजी से धड़कने लगा था। दुलकर को नेटफ्लिक्स पर अपकमिंग रिलीज गन्स एंड गुलाब के अनुरूप एक स्टार को या तो एक गुलाब या एक गन देनी थी। यह पूछे जाने पर कि वह दीपिका को क्या देंगे, उन्होंने खुलासा किया, गुलाब, क्योंकि वह मेरे लिए गुलाब की तरह है। मैं ओम शांति ओम के बाद से दीपिका का बहुत बड़ा फैन रहा हूं। मुझे याद है जब मैं दुबई में काम कर रहा था तो वह कार्तिक कॉलिंग कार्तिक (2010) के प्रीमियर के लिए वहां आ रही थी। मैं किसी तरह प्रीमियर के लिए टिकट पाने में कामयाब रहा। मैं रेड कार्पेट के किनारे खड़ा था, जहां मैंने उन्हें पहली बार व्यक्तिगत रूप से देखा था। यह मेरे लिए एक (ओम शांति ओम) पल था! जहां उन्होंने दीपिका के प्रति अपने प्यार के बारे में बात की, वहीं उन्होंने शाहरुख खान, सलमान खान, अमिताभ बच्चन, अल्लू अर्जुन जैसे सितारों को एक गुलाब दिया, जबकि, उन्होंने रजनीकांत को एक गन दी। लाइव शो के दौरान, उनसे यह भी पूछा गया कि क्या उनके साथ कभी कोई क्रेजी फैन मोमेंट आया है, तो उन्होंने बताया, मैं अपने सभी फैंस से प्यार करता हूं। मैं उस वक्त टेंशन में आ जाता हूं जब युवा फैन अपनी बाइक पर मेरा पीछा करते हैं। यह बहुत डरावना है और उनके लिए सुरक्षित नहीं है।

प्लेटफॉर्म पर लाइव शो के दौरान दुलकर ने रश्मिका मंदाना के सामी सामी, राम चरण के नाटू नाटू, कैटरीना कैफ के चिकनी चमेली जैसे स्टार्स के हुक स्टेप्स भी किए और बातें भी की। गन्स एंड गुलाब फर्स्ट की एक मनोरम कहानी है, जो 90 के दशक की शुरूआत में गुलाबगंज नामक अप्रत्याशित और अनिश्चित शहर में स्थापित की गई थी।

कोरियोग्राफर गीता कपूर ने की आयुष्मान की प्रशंसा

बालीवुड एक्टर आयुष्मान खुराना की तारीफ करते हुए कोरियोग्राफर और डांस रियलिटी शो इंडियाज बेस्ट डांसर 3 की जज गीता कपूर ने कहा है कि वह उनकी आवाज की फैन हैं और उनके टैलेंट ने लोगों के दिलों में जगह बना ली है। ड्रीम गर्ल 2 की स्टार कास्ट- आयुष्मान और अनन्या पांडे डांस रियलिटी शो में फिल्म के प्रमोशन के लिए आए थे। कंटेस्टेंट्स ने मोह मोह के धागे, दर्द करारा, पानी दा रंग और नैना दा क्या कसूर जैसे आइकोनिक ट्रैक पर परफॉर्म किया। जज गीता कपूर आयुष्मान की जर्नी की बात करते हुए कहती है, एक रियलिटी शो विजेता से एक बहुमुखी सिंगर और अब एक एक्टर बनने के लिए आयुष्मान सराहना के योग्य हैं। मैं उनकी जर्नी को फॉलो कर रही हूं। मुझे उनकी सभी फिल्मों में से अंधाधुन सबसे ज्यादा पसंद है। उन्होंने कहा, मैं आपकी आवाज की फैन हूं, आपके टैलेंट ने लोगों के दिलों में जगह बना ली है।

फिल्म के इंटरवल में सोने लगते हैं बिग बी

बालीवुड अभिनेता अभिषेक बच्चन ने अपने पिता मेगास्टार पिता अमिताभ बच्चन के बारे में कुछ रोचक बातें साझा की। अभिषेक रियलिटी शो कौन बनेगा करोड़पति के सीजन 15 में पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने इस बात का खुलासा किया कि आखिर मूवी नाइट के दौरान बच्चन परिवार में क्या होता है। सोनी एंटरटेनमेंट चैनल की ओर से इंस्टाग्राम पर साझा की गई एक क्लिप में अभिषेक ने बताया कि रात में मूवी देखने के दौरान घर में क्या होता है। इस क्लिप में अभिषेक ने नीले रंग का सूट और नीली टाई के साथ मोटा चश्मा पहना है, उन्हें यह कहते हुए देखा गया, हमारे परिवार में सबसे पसंदीदा है कि हम मिल बैठकर फिल्म देखते हैं, पिताजी हर रात कहते हैं, हां पिक्चर देखते हैं, चलो एक फिल्म देखते हैं, एक्शन फिल्म लगाओ कोई अच्छी सी, इंटरवल में आप देखेंगे कि वह सोने लगते हैं, फिल्म देखते समय मेरे पिता को झपकी आ जाती है। अभिषेक की यह बात सुनकर सभी दर्शक हंसने लगते हैं। अभिषेक शो के सेट पर सैयामी खेर और आर. बाल्की के साथ घूमर का प्रचार कर रहे थे।

काइली ने क्रूज से शेयर कीं सेक्सी तस्वीरें

हाल ही में हॉलीवुड एक्ट्रेस काइली जेनर ने क्रूज से अपनी कुछ सेक्सी तस्वीरें शेयर कीं, जो आते ही इंटरनेट पर खूब वायरल हो गईं। लुक की बात करें तो इस दौरान काइली जेनर ब्लैक कलर की बैकलेस ड्रेस में बवाल लग रही हैं। समंदर के बीचों-बीच क्रूज पर राइड एंजॉय करते हुए वह अपना कातिलाना अंदाज दिखा रही है और कैमरे के सामने बैक फ्लॉन्ट करते हुए जबरदस्त पोज दे रही हैं।

फैंस एक्ट्रेस की ये तस्वीरें देख मदहोश हो रहे हैं और कमेंट कर उनकी तारीफ भी कर रहे हैं। बता दें, काइली जेनर सोशल मीडिया की दुनिया में काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर एक्ट्रेस के 398 एम फॉलोवर्स हैं, जो उनकी तस्वीरों पर खूब प्यार बरसाते हैं। बता दें कि काइली जेनर अपने हॉट और बोल्ड लुक के लिए जानी जाती है। वह अक्सर सोशल मीडिया पर अपनी बोल्ड तस्वीरें शेयर करती रहती हैं, जिन्हें फैंस धड़ल्ले से लाइक करते हैं।

तेलुगू ड्रामा फिल्म ब्रो का होने जा रहा है डिजिटल प्रीमियर

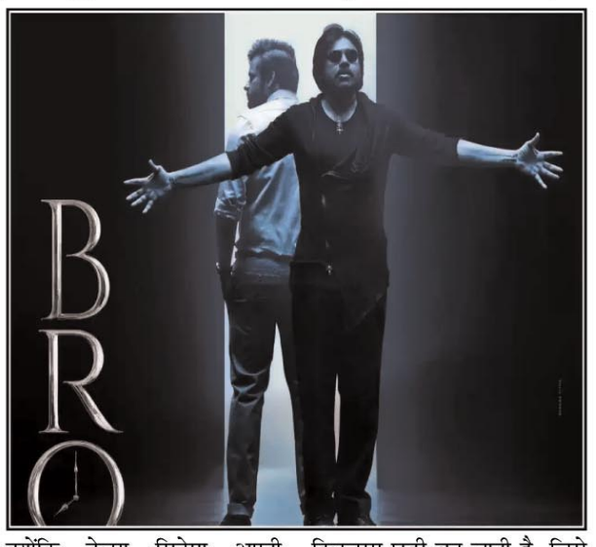

हैदराबाद (ईएमएस)। टॉलीवुड सुपरस्टार पवन कल्याण और साई धर्म तेज की फिल्म ब्रो का अब डिजिटल प्रीमियर होने जा रहा है। फिल्म ब्रो को सिनेमाघरों में मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली। यह फिल्म 28 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज की गई थी। लेकिन अब यह फिल्म अपने डिजिटल प्रीमियर के लिए तैयार है। अब यह फिल्म 25 अगस्त 2023 को नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी। फिल्म की ओटीटी रिलीज की तारीख की घोषणा नेटफ्लिक्स इंडिया के इंस्टाग्राम पर की गई, जिसने तस्वीर का एक पोस्टर जारी किया और कैप्शन दिया गया कि समय कीमती है, लेकिन इस बार यह शक्तिशाली है। बताया जा रहा है क समुथिरकानी द्वारा निर्देशित तेलुगू भाषा की अलौकिक-फंतासी-कॉमेडी-ड्रामा फिल्म 2021 की तमिल फिल्म विनोदया सीथम का रूपांतरण है, जिसका कंटेंट समान था। जबकि विनोद्या सीथम बॉक्स ऑफिस पर सफल रही, वहीं ब्रो इतनी सफल नहीं रही। रीमेक होने के लिए ब्रो की काफी आलोचना की गई, क्योंकि तेलुगु सिनेमा अपनी रचनात्मकता के लिए प्रसिद्ध है। वहीं अन्य लोगों ने मूल तमिल फिल्म को अपनाने के इसके अधिक अनूठे दृष्टिकोण के लिए इसकी प्रशंसा की। यह फिल्म मजबूत रचनात्मक हास्य के साथ अलौकिक तत्वों को जोड़ती है, जिससे यह एक अनोखी और दिलचस्प घड़ी बन जाती है, जिसे अधिकांश दर्शकों ने स्वीकार किया है। ब्रो के पास ज्यादा व्यापक अपील नहीं थी। यह तेलुगू भाषी क्षेत्रों में सिमट गई, तमिल क्षेत्रों में कुछ सफलता मिली और कर्नाटक और केरल में बहुत कम या कोई सफलता नहीं मिली।

सूडोकु नवताल- 6531

मध्यम

9		6		3		4		8
	2				9		7	
4			1	6				2
		8			2		3	
1		4				2		5
	3		5			8		
7				9	5			3
	8		6				4	
6		2		7		5		1

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6530 का हल

3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7

शब्दजाल- 7278

अ	व	र	सु	चे	ता	कृ	प	ला	नी	इ	
न	सुं	क	ज	इं	डो	ने	ह	ति	म	श्त	
अ	ध	आ	ज	य	ल	लि	ता	ह	प	उ	
हु	रा	ल	मा	ज	ल	स	रा	ह	इ	मा	
ब	रा	ब	ड़ी	दे	वी	क	र	क	त्ते	भा	
द	जे	कि	र	क	दा	का	को	ड	क	र	
शी	मा	दे	श	व	था	र	त	म	क	ती	
ला	दे	श	शि	न	प	य	रा	घु	व	ला	
दी	दि	ल	क	ले	दा	र	जा	या	वी	दे	
क्षि	ज	ति	ला	हि	द	ह	मा	द	ल	र	
त	र	सु	ष	मा	ख	रा	ज	त	र	म	

शब्दजाल में 'भारत की 10 महिला मुख्यमंत्रीयो के नाम' ढूंढिए.शब्द ऊपर से नीचे,दाएं से बाएं एवं तिरछे हो सकते हैं

सुचेताकृपलानी, शशिकला, काकोडकर, मायावती, राबड़ी देवी, सुषमा स्वराज, शीलादीक्षित,उमाभारती,वसुंधराराजे,जयललिता

शब्दजाल - 7277 का हल

म	अ	मु	श	सी	ते	ग	ब	हा	दु	र	
रा	अ	ल	प्र	क्ल	ला	व	ना	ज	कां	अं	
य	मे	जुं	हे	रा	दी	ना	न	व	ग	रू	
इं	र	बे	न	म	वा	स	क	त	ज	प	
प	दा	ह	प्यो	दा	तो	हो	दे	गो	र	त	
ह	सु	क	प	से	स	व	व	ण	गो	व	
द	र	न	न	ट्रे	रू	ह	र	गो	विं	द	
क	र	रा	प	क्श	प	का	र	चो	द	ख	
र	व	त	य	रा	हो	प	य	अ	सिं	अ	
क	र	ल	प	र्जु	ज	ता	रे	आ	ह	द	
क	ह	रि	कि	श	न	चि	त्र	ब	त	म	

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग- 6231

1	2		4		6	
	27		29		38	
5		7	1		3	4
	36	2	30	1	26	
3			6	7		
6	42		39		23	3
7		5		3		1

Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6230 का हल

1	6	7	3	4	2	5
6	31	2	28	3	30	1
5	1	3	4	2	6	7
4	27	4	26	1	39	6
2	3	5	1	6	7	4
7	34	6	35	7	40	3
3	7	1	4	5	6	2

Jagrutidaur.com, Bangalore

जिम्बाब्वे के पूर्व क्रिकेटर हीथ स्ट्रीक जिंदा हैं : कहा– कोई कैसे ऐसी खबर फैला सकता है; पूर्व साथी ओलंगा ने सबसे पहले जानकारी दी थी

नई दिल्ली ।

जिम्बाब्वे के दिग्गज क्रिकेटर हीथ स्ट्रीक जिंदा हैं। बुधवार सुबह उनके निधन की खबर सबसे पहले पूर्व साथी खिलाड़ी हेनरी ओलंगा ने सोशल मीडिया पर दी थी। बाद में उन्होंने पोस्ट को हटा दिया। कुछ घंटे के बाद कहा कि वे (स्ट्रीक) जीवित हैं। बातचीत में स्ट्रीक ने कहा, मैं यह जानकर बहुत परेशान हूं कि सोशल मीडिया के युग में किसी के निधन की खबर बिना पुष्टि के कैसे फैलाई जा सकती है।

ओलंगा ने लिखा था- स्ट्रीक अब दूसरी दुनिया में चले गए

हेनरी ओलंगा ने सोशल मीडिया पोस्ट पर लिखा था, दुखद खबर आई है कि हीथ स्ट्रीक अब दूसरी दुनिया में चले गए हैं। जिम्बाब्वे क्रिकेट के महान क्रिकेटर की आत्मा को शांति मिले। आपके साथ खेलना सम्मान की बात रही।

ओलंगा ने कहा- स्ट्रीक जीवित हैं, मैंने उनसे बात की

ओलंगा ने निधन वाले ट्वीट को डिलीट कर दिया। कहा, स्ट्रीक जीवित हैं। उनके निधन की खबर काफी तेजी से फैली। मैंने अभी उनसे बात की। तीसरे अंपायर ने उन्हें वापस बुला लिया। वह जीवित हैं।

250 से ज्यादा इंटरनेशनल मैच खेले – ऑलराउंडर स्ट्रीक का इंटरनेशनल करियर 12 साल का है। उन्होंने अक्टूबर 2005 में इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। स्ट्रीक 2000 से 2004 के बीच जिम्बाब्वे के कप्तान रहे। स्ट्रीक ने 65 टेस्ट और 189 वनडे मैच खेले। दोनों फॉर्मेट में 4933 रन बनाए और 455 विकेट लिए। टेस्ट में 1990 तो वनडे में 2943 रन अपने नाम किए। स्ट्रीक आज तक जिम्बाब्वे के एकमात्र खिलाड़ी हैं, जिन्होंने टेस्ट में 1000 रन और 100 विकेट और वनडे में 2000 रन और 200 विकेट लिए हैं। स्ट्रीक ने 1993 में पाकिस्तान के खिलाफ कराची में इंटरनेशनल डेब्यू किया था। रावलपिंडी में दूसरे टेस्ट में 8 विकेट लिए थे। वेस्टइंडीज के खिलाफ हरारे में खेली 127 रन की पारी उनके टेस्ट करियर का एकमात्र शतक है। रिटायरमेंट के बाद स्ट्रीक ने बांग्लादेश के कोच के रूप में काम किया। वो 2018 में दो बार की इंडियन प्रीमियर लीग चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स के बॉलिंग कोच भी थे।

यह सुनकर बहुत खुशी हुई- लक्ष्मण

स्ट्रीक के जीवित रहने की खबर मिलने के बाद पूर्व भारतीय क्रिकेटर वीवीएस लक्ष्मण ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने ट्वीट किया, यह सुनकर बहुत खुशी हुई।

अश्विन ने भी दुख जताया था

भारतीय ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने भी स्ट्रीक के देहांत पर प्रतिक्रिया दी थी। अश्विन ने ट्वीट किया, हीथ स्ट्रीक नहीं रहे। दुखद, बहुत दुखद।

न्यूज ब्रीफ

मांजरेकर ने कहा, शास्त्री का सुझाव कोहली को बलि का बकरा बनाने जैसा

नई दिल्ली । एशिया कप के लिए भारतीय टीम घोषित हो गई है। टूर्नामेंट के लिए 17 खिलाड़ी चुने गए हैं। इनका कैंप 24 अगस्त से बेंगलुरु में लग रहा है। एशिया कप के अलावा 5 अक्टूबर से वनडे वर्ल्ड कप भी होना है। टीम इंडिया में बतौर ओपनर रोहित शर्मा के अलावा शुभमन गिल और ईशान किशन हैं। इसके बाद कमजोर मीडिल ऑर्डर को देखकर विराट कोहली को नंबर-3 की जगह नंबर-4 पर उतारने की बात कई दिग्गज कह चुके हैं। इसमें पूर्व भारतीय कोच रवि शास्त्री भी शामिल हैं, लेकिन पूर्व भारतीय क्रिकेटर संजय मांजरेकर शास्त्री के इस सुझाव से खुश नहीं दिखे और उन्होंने इसकी तुलना 2007 में वनडे वर्ल्ड कप में सचिन तेंदुलकर के खराब प्रदर्शन से कर दी। मांजरेकर ने कहा कि विराट कोहली बलि का बकरा बन गए हैं। याद रखें 2007 वर्ल्ड कप में सचिन तेंदुलकर के साथ क्या हुआ था। उन्होंने कहा कि आप जितना अधिक ईशान किशन जैसे अन्य विकल्पों के बारे में बात करते हैं, कोहली के बल्लेबाजी क्रम में उतना ही पीछे कर दिया जाता है। वह एक तरह से बलि का बकरा बन गए हैं, क्योंकि आप उन्हें नंबर-4 पर बल्लेबाजी कराना चाहते हैं, इससे आपकी सभी समस्याएं हल हो सकती हैं। मालूम हो कि शास्त्री के अलावा ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज टॉम मूडी भी कोहली को नंबर-4 पर भेजने के पक्ष में दिखे। मांजरेकर ने कहा कि भारतीय क्रिकेट में यह पहले भी मुद्दा रहा है। 2007 वर्ल्ड कप में जब कप्तान राहुल द्रविड़ और कोच ग्रेग चैपल के टीम मैनेजमेंट ने ओपनिंग की बजाय तेंदुलकर को नंबर-4 पर भेजा था, क्योंकि उनके पास शीर्ष क्रम में वीरेंद्र सहवाग और अन्य खिलाड़ी थे। लेकिन यह एक बड़ा विवाद बन गया। इसकारण विराट कोहली पर निर्भर है कि वह नंबर-4 पर बल्लेबाजी करना चाहते हैं या नहीं।

भारत और न्यूज़ीलैंड क्रिकेट के बाद दक्षिण अफ्रीका ने उठाया ऐतिहासिक कदम, महिला क्रिकेटरों को मिलेगी समान मैच फीस

नई दिल्ली । दक्षिण अफ्रीका में पुरुष और महिला क्रिकेटरों दोनों को अंतरराष्ट्रीय मैचों के लिए समान मैच फीस मिलेगी। दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट बोर्ड ने एक बड़ा फैसला लिया है। अब यह देश भी महिला खिलाड़ियों को पुरुष टीम के समान ही सैलरी देने वाले देशों की लिस्ट में जुड़ चुका है। न्यूज़ीलैंड और भारत के साथ अब द.अफ्रीका भी पुरुष और महिला क्रिकेट के बीच समानता लाने की कड़ी में जुड़ चुका है। इस बदलाव की शुरुआत इस साल तब हुई जब आईसीसी ने एक ऐतिहासिक घोषणा की जिसमें आईसीसी आयोजनों में पुरुषों और महिलाओं की टीमों के लिए समान पुरस्कार राशि रखी गई है। देश भर के क्रिकेट जगत की प्रमुख हस्तियां तशवाने में एकत्रित हुईं और अपनी घरेलू महिला प्रतियोगिता की जल्द शुरुआत होने के बारे में बात की और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पुरुष और महिला दोनों खिलाड़ियों के लिए समान वेतन की घोषणा की। दक्षिण अफ्रीका की महिला क्रिकेटरों के लिए मैच फीस में बदलाव अगले महीने शुरू होगा जब वे छह मैचों के सफेद गेंद दौरे के लिए पाकिस्तान की यात्रा करेंगी। दक्षिण अफ्रीकी महिला टीम के लिए पिछले 18 महीने शानदार रहे, इस दौरान विश्व कप में भी टीम का प्रदर्शन शानदार रहा।

ताम्बेरी ने ऊंची कूद में स्वर्ण जीता; एल बक्काली ने 3,000 मीटर स्टीपलचेज़ का खिताब जीता

बुडापेस्ट। ओलंपिक चैंपियन इटली के जियानमार्को ताम्बेरी ने यहां विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में रोमांचक प्रदर्शन के बाद अपना पहला विश्व ऊंची कूद खिताब जीता। संयुक्त ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता ने पहली बार 2.36 मीटर की दूरी पार की और विश्व में बढ़त बनाते हुए स्वर्ण पदक जीता। ओलंपिक फाइनलिस्ट जुवॉन हैरिसन, जो अपने पहले प्रयास में असफल रहे, को अपने दूसरे प्रयास में रजत जीतने का मौका मिला, जो उनका पहला वैश्विक पदक था, जबकि कांस्य पदक कतर के मुताज़ बार्शिम के पास गया। पुरुषों की 3,000 मीटर स्टीपलचेज़ में ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता मोरक्को के सौफ़ियाने एल बक्काली ने अपना लगातार दूसरा विश्व चैंपियनशिप खिताब जीता, क्योंकि उन्होंने 8 मिनट, 3.53 सेकंड का समय लेकर विश्व रिकॉर्ड धारक और ओलंपिक रजत पदक विजेता इथियोपिया के लामेचा गिरमा को पीछे छोड़ दिया। गिरमा ने 8:05.44 के साथ अपना लगातार चौथा वैश्विक रजत पदक जीता, जबकि राष्ट्रमंडल खेलों के चैंपियन अब्राहम किबिवोट अपने साथी लियोनार्ड किपकेमोई बेट को पीछे छोड़कर 8:11.98 के साथ कांस्य पदक जीतने में सफल रहे।

न्यूजीलैंड कोचिंग स्टाफ से जुड़ेंगे मुश्ताक–फ्लेमिंग

वर्ल्ड कप से पहले इयान बेल भी जॉइन करेंगे; फ्लेमिंग सीएसके को 5 आईपीएल जिता चुके

नई दिल्ली ।

वनडे वर्ल्ड कप से पहले न्यूजीलैंड टीम ने 3 देशों के 4 पूर्व खिलाड़ियों को अपने कोचिंग स्टाफ में शामिल किया है। टीम ने भारतीय माहौल का फायदा उठाने के लिए भारत और एशियाई देशों में काम कर चुके मेंबर्स को शामिल किया। कोचिंग स्टाफ में आईपीएल की चेन्नई सुपर किंग्स को 5 खिताब दिला चुके स्टीफन फ्लेमिंग के साथ ही कोलकाता नाइट राइडर्स के फील्डिंग कोच और असिस्टेंट कोच रह चुके जेम्स फोस्टर को भी शामिल किया है। इनके अलावा पाकिस्तान के पूर्व स्पिनर सकैलन मुश्ताक और इंग्लैंड के पूर्व बल्लेबाज इयान बेल को भी चार महीने के लिए कोचिंग स्टाफ में शामिल किया गया है।

वनडे वर्ल्ड कप 5 अक्टूबर से भारत में खेला जाएगा। टूर्नामेंट का पहला मैच ही न्यूजीलैंड और इंग्लैंड के बीच अहमदाबाद में होगा।

2009 से फ्लेमिंग सीएसके के कोच

स्टीफन फ्लेमिंग 2009 से सीएसके टीम के कोच हैं। आईपीएल के पहले एडिशन में वह चेन्नई टीम से खेल भी चुके हैं। फ्लेमिंग की कोचिंग में सीएसके ने 2010, 2011, 2018, 2021 और 2023 में 5 बार आईपीएल का खिताब जीता। वह किसी आईपीएल टीम से सबसे ज्यादा खिताब जीतने वाले हेड कोच हैं। फ्लेमिंग साल 2021 में यूएई में हुए टी-20 वर्ल्ड कप के दौरान न्यूजीलैंड टीम के साथ काम कर चुके हैं। फिलहाल वह द हंड्रेड में सदर्न ब्रेव मेंस टीम के कोच हैं। वह इंग्लैंड के खिलाफ 8 सितंबर से शुरू हो रही वनडे सीरीज में न्यूजीलैंड टीम के साथ जुड़ जाएंगे।

न्यूजीलैंड टीम के हेड कोच गैरी स्टेड ने कहा कि फ्लेमिंग के पास भारत सहित दुनिया भर में काम करने का अनुभव है। वह 2009 से आईपीएल में सीएसके टीम को कोचिंग दे रहे हैं। भारत में उनके काम करने के अनुभव का फायदा टीम को मिलेगा।

सकलैन मुश्ताक दूसरी बार जुड़ेंगे

सकलैन दोबारा न्यूजीलैंड टीम के साथ जुड़ रहे हैं। वह अप्रैल में पाकिस्तान दौरे पर न्यूजीलैंड टीम के साथ बतौर स्पिन गेंदबाजी कोच के तौर पर शामिल थे। वह एक बार फिर से वर्ल्ड कप और उसके बाद बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए न्यूजीलैंड टीम के साथ स्पिन गेंदबाजी कोच की भूमिका निभाएंगे।

फोस्टर कई लीगों में कर चुके हैं काम

वर्ल्ड कप के लिए न्यूजीलैंड टीम के साथ जुड़ रहे जेम्स फोस्टर के पास कई लीगों में काम करने का अनुभव है। वह आईपीएल में केकेआर टीम के साथ असिस्टेंट कोच और फील्डिंग कोच के तौर पर काम कर चुके हैं। फोस्टर पीएसएल, सीपीएल, बीपीएल, बीबीएल जैसे लीगों में भी काम कर चुके हैं।

वह 2018 में यूएई में न्यूजीलैंड टीम के साथ भी काम कर चुके हैं। इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज और भारत में हो रहे वनडे वर्ल्ड कप के दौरान वह टीम के साथ रहेंगे। न्यूजीलैंड टीम के कोच गैरी स्टेड ने फोस्टर के टीम के साथ जुड़ने को लेकर कहा कि आईपीएल में केकेआर के साथ उनके काम करने का अनुभव वर्ल्ड कप के दौरान टीम के काम आएगा।

इयान बेल इंग्लैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज से टीम के साथ जुड़ेंगे

इंग्लैंड के पूर्व बल्लेबाज इयान बेल को न्यूजीलैंड का असिस्टेंट कोच नियुक्त किया गया है। वह इंग्लैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज के साथ ही टीम के साथ जुड़ जाएंगे। इयान अभी द हंड्रेड की टीम बर्मिंघम फीनिक्स के साथ जुड़े हुए हैं।

कमिंस की तरह ही दक्षिण अफ्रीका दौरे में कप्तानी करेंगे मार्श

मेलबर्न । दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम के कप्तान बनाये गये मिशेल मार्श ने कहा है कि वह कप्तान के तौर पर सीमित ओवरों के इस दौरे में कोई नया प्रयोग नहीं करेंगे। मार्श ने कहा कि अब तक कप्तान के तौर नियमित कप्तान पैट कमिंस ने जो तरीका अपनाया है उसे ही वह भी इस दौरे में भी अमल में लायेंगे। मार्श को नियमित कप्तान कमिंस के फिट नहीं होने के कारण कप्तानी दी गयी है। उन्होंने कहा कि वह इस दौर में उसी रास्ते पर चलेंगे जिस पर कमिंस चलते आये हैं। कमिंस अभी कलाई की चोट से उबर रहे हैं। इसी कारण मार्श को ऑस्ट्रेलिया की टी20 और एकदिवसीय टीम की कप्तानी मिली है। मार्श ने कहा, 'मैं किसी तरह के नए प्रयोग के पक्ष में नहीं हूं। मेरा मानना है कि नेतृत्व कौशल के लिए जो सबसे अहम चीज है वह अपने प्रति ईमानदार होना है। उन्होंने कहा, 'कमिंस और कोच मैकडोनाल्ड ने हमारी टीम के अंदर बहुत अच्छा माहौल तैयार किया है जिससे बनाये रखा जाएगा। मेरा प्रयास रहेगा कि टीम में ऐसा माहौल रहे जिससे कि खिलाड़ी उत्साह से खेलें। मार्श को उम्मीद है कि भारत में होने वाले एकदिवसीय विश्वकप के दौरान कमिंस उन पर भरोसा दिखाएंगे। उन्होंने कहा, 'मेरा मानना है कि कमिंस की सबसे बड़ी खूबी यह है कि वह कप्तानी करते हुए अन्य खिलाड़ियों पर भी आधारित रहते हैं। वह अच्छे तरीके से अपनी भूमिका निभाते हैं। मार्श ने कहा, 'गेंदबाज होने के कारण हर प्रारूप के सभी मैचों में खेलना उसके लिए संभव नहीं है।

अमेरिका की शाकेरी ने रिकॉर्ड के साथ जीती 100 मीटर की रेस, रिचर्ड्सन ने बनाया कीर्तिमान

बुडापेस्ट ।

अमेरिका की 23 साल की शाकेरी रिचर्ड्सन ने विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में महिलाओं की 100 मीटर की रेस अपने नाम की। रिचर्ड्सन ने 10.65 सेकंड के चैंपियनशिप रिकॉर्ड के साथ जमैका की शेरिका जैक्सन (10.72) को पछाड़ा। वहीं, 36 साल की उम्र में फर्राटा रेस का छठा खिताब जीतने की दावेदार गत चैंपियन जमैका की शैली एन फ्रेजर प्रायस (10.77) को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। नौवीं लेन में दौड़ीं शाकेरी ने शैली एन फ्रेजर के रिकॉर्ड को 0.02 सेकंड के साथ सुधारा। वह 80 मीटर तक पिछड़ रही थी लेकिन अंतिम 20 मीटर में जैक्सन और शैली को पछाड़ दिया। 10.65 : सेकंड के समय के साथ शाकेरी ने जीती 100 मीटर की फर्राटा रेस रिचर्ड्सन को टोक्यो ओलंपिक से पहले अमेरिकी चयन स्पर्धा में मादक पदार्थ सेवन का दोषी पाए जाने के बाद एक महीने के लिए निलंबित कर दिया गया था। इस कारण वह ओलंपिक के लिए अमेरिकी टीम में शामिल नहीं हो सकीं थी। इसके अलावा वह पिछले साल ओरेगन में हुई विश्व चैंपियनशिप के लिए क्वालिफाई नहीं कर सकी थी।

जमैका की शैली एन फ्रेजर प्रायस विश्व चैंपियनशिप में 100 मीटर के अपने खिताब की रक्षा तो नहीं कर पाईं लेकिन उन्होंने सर्वाधिक पदक जीतने में फर्राटा किंग उसेन बोल्ट का रिकॉर्ड जरूर तोड़ दिया। फ्रेजर प्रयास ने कांस्य पदक के साथ विश्व चैंपियनशिप में अपना 15वां पदक जीता। बोल्ट के नाम 14 पदक हैं जिसमें 11 स्वर्ण पदक हैं। 36 साल की प्रायस के खाते में दस स्वर्ण पदक हैं जिसमें 100 मीटर में पांच स्वर्ण और चार रजत पदक हैं। विश्व चैंपियनशिप में पहली बार उन्हें कांस्य पदक मिला है। सर्वाधिक पदक अमेरिका के दिग्गज एलिसन फेलिक्स (20) के नाम हैं। अगर प्रायस चार गुणा 100 मीटर रिले में जमैका की नुमाइंदगी करती हैं तो उनके पास इस विश्व चैंपियनशिप में एक और पदक जीतने का मौका है।

एशिया कप और ऑस्ट्रेलिया सीरीज में बेहतर प्रदर्शन करने वालो को ही विश्वकप के लिए जगह मिले : गंभीर

नई दिल्ली ।

पूर्व क्रिकेटर गौतम गंभीर ने कहा है कि एशिया कप और ऑस्ट्रेलिया सीरीज में बेहतर प्रदर्शन करने वालो को ही विश्वकप के लिए जगह मिलनी चाहिये। वहीं बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि उन्हें एशिया कप के लिए टीम में शामिल करने का फैसला बिलकुल सही है। गंभीर ने कहा कि सूर्यकुमार एक ऐसे खिलाड़ी हैं जो खेल में अंतर पैदा कर सकते हैं। वहीं विश्वकप कप को लेकर इस पूर्व बल्लेबाज ने कहा, 'अगर आप विश्व कप जीतना चाहते हैं तो खिलाड़ियों का फॉर्म और प्रभाव ही आपको जीतने में मदद करेगा। चयनकर्ताओं ने एक अच्छा काम यह किया है कि सूर्यकुमार को टीम में जगह दी है। वह भले ही निरंतरता के साथ रन नहीं बनाते पर वह महत्वपूर्ण प्रभाव डाल सकते हैं।टीम प्रबंधन को उनका इस्तेमाल करने का सही तरीका तलाशना होगा।

गंभीर ने ये भी कहा कि जो खिलाड़ी एशिया कप और उसके बाद ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला में अच्छा प्रदर्शन करते हैं, उन्हें ही विश्व कप में शामिल किया जाना चाहिये। गंभीर ने कहा, 'जब आप विश्व कप जीतने की कोशिश कर रहे हों तो किसी जगह खेलने के लिए कोई दावेदार नहीं होता। फॉर्म और प्रभाव मायने रखता है। जो खिलाड़ी फॉर्म में हैं उन्हें शामिल करने की जरूरत है, न कि उन खिलाड़ियों को जो लय में नहीं हैं।

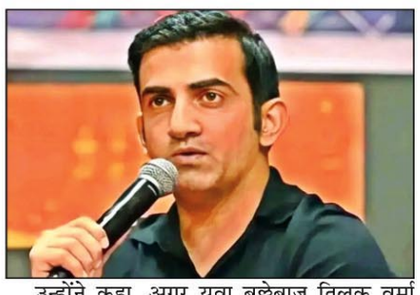

उन्होंने कहा, अगर युवा बल्लेबाज तिलक वर्मा किसी से बेहतर फॉर्म में हैं, अगर सूर्यकुमार यादव श्रेयस अय्यर या केएल राहुल या ईशान किशन से बेहतर फॉर्म में हैं, तो आपको उन्हें ही शामिल करना चाहिये। इसमें किसी खिलाड़ी को नाम या पुराने रिकार्ड के आधार पर ही शामिल नहीं करना चाहिये। विश्व कप चार साल में एक बार आता है इसलिए इसमें सर्वश्रेष्ठ टीम को उतारना होगा। उन्होंने कहा, 'मैं सिर्फ फॉर्म देखूंगा, नाम नहीं। अगर आप विश्व कप जीतना चाहते हैं तो खिलाड़ियों का फॉर्म और प्रभाव ही आपको जीतने में मदद करेगा। इसलिए मेरी राय में, चाहे वह राहुल हों या अय्यर या कोई भी, हम एशिया कप के बाद उनके फॉर्म को देखेंगे। इसके बाद होने वाली ऑस्ट्रेलिया सीरीज में खेलने वाले खिलाड़ियों को ही विश्वकप के लिए जगह मिलनी चाहिये।

पहला वनडे...पाकिस्तान ने अफगानिस्तान को 142 रन से हराया अफगान टीम महज 59 रन पर ऑल आउट हुई, रउफ ने 5 विकेट झटके

नई दिल्ली ।

पाकिस्तान ने तीन मैचों की वनडे सीरीज के पहले मुकाबले में अफगानिस्तान को 142 रन से हरा दिया। श्रीलंका के हंबनटोटा स्टेडियम में पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी चुनी। पाकिस्तान टीम ने पहले बैटिंग करते हुए 47.1 ओवर में 201 रन बनाए। वहीं, अफगानिस्तान टीम 19.2 ओवर में महज 59 रन पर ऑल आउट हो गई। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज हारिस रउफ ने 18 रन देकर पांच विकेट लिए। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। इस जीत के साथ ही पाकिस्तान ने तीन वनडे मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। सीरीज का दूसरा मुकाबला कल यानी 24 अगस्त को हंबनटोटा स्टेडियम में ही खेला जाएगा।पाकिस्तान के लिए इमाम उल हक ने खेली 61 रनों की पारी पहले बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। टीम ने

पहला विकेट 3 रन के स्कोर पर ही गवां दिया। पाकिस्तान के खिलाफ फखर जमान (2), बाबर आजम (0) और आगा सलमान (7) सस्ते में आउट हो गए थे। हालांकि इमाम उल हक ने ओपनिंग करते हुए पाकी को संभाले रखा और उन्होंने शानदार 61 रनों की पारी खेली। इसके अलावा शादाब खान (39) और इफ्तिखार अहमद (30) ने भी महत्वपूर्ण पारियां खेली। अफगानिस्तान के लिए मुजीब उर रहमान ने तीन विकेट झटके। मोहम्मद नबी और राशिद खान ने दो-दो विकेट लिए। फजलहक फारूकी और रहमत शाह को एक-एक विकेट मिला। अफगानिस्तान के 9 खिलाड़ी दहाई का आंकड़ा नहीं छू सके। पाकिस्तान से मिले 202 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी अफगानिस्तान की टीम की शुरुआत काफी खराब रही। टीम का पहला विकेट सिर्फ 3 रन के स्कोर पर गिर गया। इसके बाद तो लगातार विकेट गिरते चले गए। अफगानिस्तान की आधी टीम सिर्फ 35 रन के स्कोर पवेलियन चली गई थी। अफगानिस्तान के लिए सिर्फ रहमानउल्ला गुरबाज (18) और अजमतउल्ला ओमारजई (16) ही दहाई का आंकड़ा पार सके। इस तरह अफगानिस्तान की पूरी टीम सिर्फ 19.2 ओवर में 59 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। पाकिस्तान के लिए रउफ ने पांच विकेट हासिल किए। हारिस ने 6.2 की ओवर की गेंदबाजी में सिर्फ 18 रन देकर 5 विकेट अपने नाम किए। इसके अलावा शाहीन अफरीदी ने दो विकेट, जबकि नसीम शाह और शादाब खान ने एक-एक विकेट लिए।

प्रगनानंद–कार्लसन फाइनल का पहला गेम 35 मूव के बाद ड्रॉ

वाईड वर्ल्ड कप में सेकेंड क्लासिकल गेम खेला जाएगा; उसके बाद फैसला

बाकू।

18 साल के भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रगनानंद और 5 बार के वर्ल्ड चैंपियन मैग्नस कार्लसन के बीच चल रहे वाईड वर्ल्ड कप के फाइनल मुकाबले का पहला क्लासिकल गेम ड्रॉ रहा है। तय 90 मिनट में 35 मूव के बाद दोनों खिलाड़ियों के बीच हार-जीत का फैसला नहीं हो सका। ऐसे में अब खिताबी मुकाबले का सेकेंड क्लासिकल गेम खेला जाएगा। अजरबैजान के बाकू में चल रहे फाइनल मुकाबले के पहले गेम में भारतीय स्टार ने अपने हाई रैंक और दिग्गज प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ अपनी पकड़ बनाए रखी और सफेद मोहरों से खेलते हुए 35 चालों में ड्रॉ खेलने पर सहमत किया। भारतीय चेस स्टार आर प्रगनानंद ने वर्ल्ड नंबर-3 फैबियानो कारूआना को सेमीफाइनल में 3.5-2.5 से हराते हुए फाइनल में जगह बनाई है।

2 क्लासिकल गेम में तय होता है वर्ल्ड कप विनर

2005 में शुरू हुए नॉकआउट फॉर्मेट के इस टूर्नामेंट का विजेता 2 क्लासिकल गेम के बाद तय होता है। क्लासिकल गेम यानी कि खिलाड़ी को 90 मिनट के अंदर प्रतिद्वंद्वी को चेक एंड मेट करना होता है। एक गेम जीतने पर एक अंक मिलते हैं, जबकि ड्रॉ की स्थिति में प्रत्येक खिलाड़ी को 0.5 अंक दिए जाते हैं। 2 क्लासिकल गेम के बाद ज्यादा अंक वाले प्लेयर को विजेता घोषित कर दिया जाता है। 2 क्लासिकल गेम के बाद भी बराबर अंक होने पर विजेता का फैसला रैपिड (15-15 मिनट के चार गेम) गेम के जरिए होता है। इसमें भी हर गेम जीतने पर एक अंक और बराबरी की स्थिति में आधा अंक दिया जाता है। रैपिड गेम के बाद भी अंक बराबर होने पर मुकाबला टाई ब्रेकर पर जाता है। जो ब्लिट्ज फॉर्मेट पर खेला जाता है यानी कि 3-3 मिनट का गेम। पहला गेम जीतने वाले को विजेता घोषित कर दिया जाता है।

मैच रिपोर्ट: वर्ल्ड नंबर-1 को ड्रॉ पर रोका

भारत के युवा स्टार प्रगनानंद वर्ल्ड नंबर-1 के खिलाफ सफेद मोहरों के साथ उतरे और संतुलित शुरुआत की। समय की भारी कमी के बीच प्रगनानंद कार्लसन को बराबरी की स्थिति में रोकने में सफल रहे। भारतीय ने दमदार खेल दिखाया। आखिरकार नॉर्वे के दिग्गज को युवा ग्रैंडमास्टर के साथ 35 चालों के बाद ड्रॉ पर सहमत होना पड़ा।

प्रगनानंद दूसरा गेम जीते तो यदि भारतीय स्टार दूसरा गेम जीत लेते हैं, तो फाइनल मुकाबला 1.5-0.5 से जीत जाएंगे और 18 साल बाद भारत को वाईड वर्ल्ड कप टाइटल जिताएंगे। वे ऐसा करने वाले दूसरे भारतीय बनेंगे। इससे पहले दिग्गज शतरंज खिलाड़ी विश्वनाथन आनंद ऐसा कर चुके हैं। दूसरा गेम ड्रॉ रहने पर यदि फाइनल का दूसरा गेम ड्रॉ रहता है, तो विजेता का फैसला रैपिड (15 मिनट) में अंक बराबर होने पर टाई ब्रेकर पर ब्लिट्ज (चेस का सबसे छोटा प्रारूप है जो 3 मिनट का खेला जाता है) के जरिए रिजल्ट निकाला जाएगा। दूसरे गेम में प्रगनानंद के हारने पर यदि भारतीय स्टार प्रगनानंद दूसरा गेम हार जाते हैं, तो फाइनल हार जाएंगे और कार्लसन चैंपियन बन जाएंगे।

कार्लसन को सफेद मोहरों का फायदा मिलेगा : प्रगनानंद

वर्ल्ड नंबर-1 को ड्रॉ पर रोकने के बाद भारतीय खिलाड़ी ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि मैं किसी परेशानी में था, हालांकि कार्लसन को कल 2 मैचों की क्लासिकल सीरीज के दूसरे गेम में सफेद रंग से खेलने का फायदा मिलेगा। दूसरे क्लासिकल गेम के बारे में पूछे जाने पर प्रगनानंद ने कहा कि यह टफ फाइट होगी, वे (कार्लसन) डेफिनेटली पूरा जोर लगाएंगे, लेकिन मैं प्रयास करूंगा कि प्रॉपर रेस्ट करूं और रिलैक्स होकर खेलने उतरूं। मुझे लगता है कि यह सबसे अच्छा है, जो मैं कर सकता हूं।

अहमियत: विजेता को कैंडिडेट का टिकट

वाईड वर्ल्ड कप जीतने वाले खिलाड़ी को कैंडिडेट का टिकट मिलता है, जो वाईड द्वारा आयोजित एक प्रतियोगिता है। इसमें दुनिया के टॉप-8 खिलाड़ी हिस्सा लेते हैं, हालांकि प्रगनानंद पहले ही कैंडिडेट के लिए क्वालिफाई कर चुके हैं, क्योंकि कार्लसन ने कैंडिडेट में हिस्सा लेने से मना कर दिया है। यह प्रतियोगिता अगले साल खेली जाएगी। दरअसल, वाईड 3 टूर्नामेंट का आयोजन करता है। इसमें वर्ल्ड चेस चैंपियनशिप, वाईड वर्ल्ड कप और कैंडिडेट हैं। इनमें सबसे बड़ा चेस ओलिंपियाड और कैंडिडेट हैं।

25 सालों से अंतरिक्ष में है ये नाइजीरियन

आज बड़े बड़े देश अंतरिक्ष की यात्रा कर रहे है और एलियन की खोज में लगे हुए है, आज यहां ऐसे नाइजीरियन एस्ट्रोनॉट की बात हो रही है जो 25 सालों से अंतरिक्ष में ग्रहों के चक्कर लगा रहा है। जानकारी के लिए बता दें इस एस्ट्रोनॉट का नाम अबाचा टुंडे है, जो सालों पहले यु एस एस आर के साथ सोवियत स्पेस क्राफ्ट में स्पेस गए थे, और अब तक नहीं लौटे और बाकी साथी धरती पर वापस आ गए। पिछले एक हफ्ते में ब्रिटिश वेबसाइट अनरोक पर जो मैसेज आया जिसने सभी को हिला कर रख दिया है , मैसेज में लिखा था की वे अंतरिक्ष में फंस गया है और उसे धरती पर आने के लिए 3 मिलियन की जरूरत है, इस मैसेज के आते ही मानो हड़कम्प सा मच गया और खबर हवा की तरह फैलती चली गई। यु एस एस आर के सगे साथियों ने बताया की हो सकता है टुंडे का 25 साल अंतरिक्ष में रहना एक मिशन का हिस्सा हो,हालांकि की अभी तक इस बात की पुष्टि नहीं हो पाई है। जब से अबाचा टुंडे की अंतरिक्ष में गए है तबसे उनकी सैलरी 15 मिलियन हो चुकी है जो लेगोस नेशनल सेविंग्स एंड ट्रस्ट एसोसिएशन में जा रही है,

प्याज की चाय घटाती है तेजी से वजन

प्याज की चाय वजन कम करने के साथ डायबिटीज को दूर करती है। प्याज की चाय प्याज के छिलके से बनती है। इसमें क्वेरसेटिन नाम का पिग्मेंट होता है जिसके कई सारे फायदे हैं। ये खून का थक्का बनने से रोकता है जिससे हाइपरटेंशन का खतरा कम होता है। इसके अलावा अगर नींद ना आने की समस्या से परेशान हैं तो प्याज की चाय बहुत फायदा करती है।

नार्कोलेप्सी से जुड़े हैं ये जोखिम

नार्कोलेप्सी नींद से जुड़ी एक ऐसी समस्या है जिसमें रोगी कभी भी और कहीं भा अचानक से सो जाता है। इस बीमारी में रोगी कभी भी बैठे-बैठे या काम करते हुए सो जाता है, यहां तक कि हंसते या रोते हुए भी। साथ ही रोगी दिन भर उनींदा और थका हुआ रहता है। कितना भी सो लेने के बाद रोगी को लगता है, कि वह सोया ही नहीं है। यह बीमारी अधिकांशतः 15 से 25 साल की आयु के लोगों को अपना शिकार बनाती है। नार्कोलेप्सी से कई प्रकार के जोखिम भी जुड़े होते हैं। चलिए जानें नार्कोलेप्सी और इससे जुड़े जोखिम क्या हैं

क्या है नार्कोलेप्सी

नार्कोलेप्सी के रोगी हमेशा सुस्त महसूस करते हैं और उन्हें अधिक समय तक जागने में कठिनाई होती है। हालांकि अभी तक वैज्ञानिक इस बीमारी का ठोस कारण पता लगाने में सफल नहीं हो पाए हैं। लेकिन वैज्ञानिकों का मानना है कि अनुवांशिकी और वायरस के संयोग से ऐसी स्थिति पैदा होती है। महिलाओं इस बीमारी के लक्षण मरीज में लम्बे समय से हो सकते हैं लेकिन बीमारी का पता बहुत दिनों बाद चलता है।

मोटापा

नार्कोलेप्सी से पीड़ित रोगी के ओवर वेट होने की आशंका सामान्य लोगों से दो गुना तक अधिक होती है। वजन बढ़ाने की ये घटना निष्क्रियता, ज्यादा खाने, हाइपोसर्टेन की कमी या अन्य कारकों के संयोजन से संबंधित हो सकती है। नार्कोलेप्सी के मरीज हमेशा सुस्त रहते हैं। इन रोगियों में मनासिक समस्याओं जैसे डिप्रेशन, बाइपोलर डिस्ऑर्डर और सीजोफ्रेनिया भी शामिल हो सकते हैं। इसलिए इसके लक्षणों के प्रति सचेत रहना चाहिए और समय रहते चिकित्सकीय मदद लेनी चाहिए।

नार्कोलेप्सी के जोखिम कारक

बाहरी व निजी जीवन में नार्कोलेप्सी व्यक्तिगत रूप से आपके लिए गंभीर समस्याएं पैदा कर सकती है। चलिये जानें कि इस रोग के कारण किस तरह के जोखिम पैदा हो सकते हैं -

नींद के ये अटैक नार्कोलेप्सी से पीड़ति व्यक्ति को शारीरिक नुकसान भी पहुंचा सकते हैं। यदि ड्राइविंग करते हुए इस तरह का स्लीप अटैक आए तो एक्सीडेंट हो सकता है। वहीं यदि भोजन तैयार करते समय आप सो जाएं तो कट जाने व जल जाने का खतरा अधिक होता है।

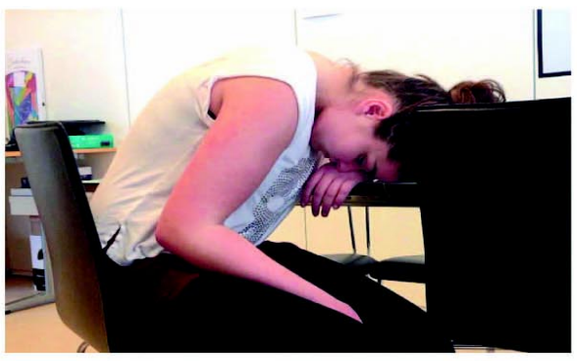

आंखें खोलती हैं सेहत से जुड़े राज

आंखों के रंगों में बदलाव सामान्य समस्या नहीं है, बल्कि यह खतरनाक हो सकता है, इसे हल्के में न लें और आंखों की जांच कराएं। आंखें कुदरत का सबसे अनमोल तोहफा हैं, न केवल हम इनसे दुनिया को देखते हैं बल्कि आपकी आंखों में ही आपके सेहत का राज छिपा है। आपकी आंखें बहुत कुछ कहती हैं, अगर आपको कोई बीमारी है तो उसका पता आपकी आंखों से आसानी से चल जाता है। अगर आपकी आंखों का रंग बदल रहा है तो इसे हल्के में न लें, हो सकता है यह किसी गंभीर बीमारी के संकेत हों।

मानसिक स्वास्थ्य में

कुछ दिमागी बीमारियां हैं जिनके बारे में आंखें बताती हैं। सीजोफ्रेनिया और बाइपोलर डिसऑर्डर जैसी मानसिक बीमारी होने पर आपकी आंखों का रंग अलग होगा। जैसे सीजोफ्रेनिया होने पर व्यक्ति अपनी आंखों को एक ही बिंदु पर स्थिर नहीं रख सकता है। लेकिन हाल में हुए शोध के अनुसार ग्लूकोमा होने पर भी व्यक्ति को ऐसी परेशानी होती है।

ब्रेन ट्यूमर होने पर

दिमाग में ट्यूमर होने पर सिरदर्द, थकान, आलस, जैसी स्थिति इसके सामान्य लक्षण हैं। लेकिन ब्रेन ट्यूमर होने पर आंखों का रंग बदलता तो है साथ ही देखने में परेशानी होती है, धुंधला दिखाई देता है।

थायराइड होने पर

थायराइड ग्रंथि का सुचारु रूप से काम करना हमारे शरीर के लिए बहुत जरूरी है। थकान, वजन कम होना या बढ़ना, बार-बार भूख लगना थायराइड ग्रंथि के ठीक से काम न करने के लक्षण हैं, लेकिन थायराइड ग्रंथि में समस्या होने पर आंखें उभरी हुई दिखती हैं। अगर आपकी आंखों में उभार हो तो यह थायराइड के संकेत हैं।

डायबिटीज की समस्या

मोटापे और अनियमित दिनचर्या के कारण डायबिटीज के लोगों की संख्या लगातार बढ़ रही है। डायबिटीज होने पर आंखों पर भी असर पड़ता है, इसके कारण आंखों की पुतलियों का रंग बदल जाता है और आंखों की रक्त वाहिकायें भी प्रभावित होती हैं, इसके कारण नकसीर भी हो सकता है।

पीलिया होने पर

पीलिया होने पर उसका पता नाखूनों के अलावा आंखों के रंग से भी चल जाता है। पीलिया होने पर आंखों में एक किस्म का पीलापन और भूरापन आ जाता है। हालांकि अधिक मात्रा में वसायुक्त भोजन करने और फलों और हरी सब्जियों का सेवन कम करने के कारण भी आंखों का पीलापन बड़ने लगता हैं। इससे देखने की क्षमता पर असर नहीं पड़ता। परंतु यदि आंखों का पीलापन लगातार बढ़ रहा है तो पीलिया की जांच कराएं।

मोतियाबिंद

मोतियाबिंद आंखों की बीमारी है, इसके कारण आंखों की रोशनी जा सकती है और आदमी अंधा भी हो सकता है। इसकी शुरूआत धुंधला दिखाई देने से होती है। यह बीमारी आंखों के पर्दे पर धुंधला धब्बे बनने के कारण होता है। अगर आंखों पर धुंधले धब्बे दिखे तो यह मोतियाबिंद हो सकता है।

तनाव होने पर

आदमी को यदि तनाव या अवसाद हो तो उसकी आंखें इसके बारे में बता देती हैं। तनाव के कारण अनिद्रा की समस्या होती है ओर इसकी वजह से आपकी आंखों का रंग लाल हो जाता है। हालांकि कभी-कभी यह लक्षण थॉयराइड के कारण भी हो सकते हैं।

पैरालिसिस या लकवा

लकवा जैसे गंभीर स्ट्रोक होने पर पलकें लटकी हुई दिखाई देती हैं, हालांकि यह समस्या बुढ़ापे में होती है। लेकिन कुछ मामलों में लटकी पलकें गंभीर स्ट्रोक के संकेत हो सकते हैं। पलकों के लटकने के अलावा आवाज में भी लड़खड़ाहट होने लगती है। इस स्थिति में खानपान पर विशेष ध्यान देना चाहिए।

एलर्जी होने पर

अगर आपकी आंखें लाल हैं और उनमें खुजली हो रही है तो यह एलर्जी के संकेत हो सकते हैं। एलर्जी होने पर आंखें लाल हो जाती हैं और छींक भी आती है। इस समय नाक बंद हो जाती है और नाक से पानी भी आता है।

उच्च रक्तचाप में

उच्च रक्तचाप की समस्या होने पर भी आंखों के रंग में बदलाव होता है। हाई ब्लड प्रेशर के दौरान आंखें लाल हो जाती हैं। इसके अलावा रक्त वाहिकाओं यानी ब्लड वेसेल्स के फैलने के कारण आंखों में सूजन भी हो सकती है। उच्च रक्तचाप के कारण होता है।

ह्यूमेनिटीज में भरपूर रोजगार...

दसवीं और बारहवीं के स्तर पर साइंस और कॉमर्स के बाद छात्रों या अभिभावकों के सामने ह्यूमेनिटीज स्ट्रीम शेष रह जाती है। इस स्ट्रीम को हालांकि छात्र और अभिभावक अपनी प्राथमिकता में पहले या दूसरे स्थान पर नहीं रखते, लेकिन बदलते वक्त के साथ इस स्ट्रीम से जुड़ी संभावनाओं का आकाश भी काफी विस्तृत हो गया है। ह्यूमेनिटीज को कुछ वर्ष पहले तक एक ऐसे स्ट्रीम के रूप में देखा जाता था, जो या तो कम बुद्धिमान लोगों के लिए है या शिक्षक बनने की इच्छा रखने वालों के लिए। लेकिन मौजूदा वक्त में यह धारणा अप्रासंगिक हो चुकी है। अब ह्यूमेनिटीज की बदौलत ऊंचे पद, बड़ी उपलब्धियां और तरक्की पाई जा सकती है। शिक्षण के अलावा इसमें सैकड़ों तरह के रोजगार उपलब्ध हैं, जो रुचिकर होने के साथ-साथ अपनी कार्य-प्रकृति में विशिष्ट भी हैं। ह्यूमेनिटीज स्ट्रीम आपके सामने असीमित विकल्प रखती है। यकीन न हो, तो मानवीय गतिविधियों से जुड़े किसी भी क्षेत्र को देख लीजिए, आप हर क्षेत्र में ह्यूमेनिटीज के छात्रों को सफलता के साथ काम करता हुआ पाएंगे।

क्या है ह्यूमेनिटीज

इस स्ट्रीम के अंतर्गत मुख्य रूप से मानव समाज और उसकी मान्यताओं का अध्ययन किया जाता है। इसके जरिए यह समझने का प्रयास किया जाता है कि लोग स्वयं को कैसे कला, धर्म, साहित्य, वास्तुकला और अन्य रचनात्मक कार्यों आदि के जरिए अभिव्यक्त करते हैं? इस कार्य के लिए इस स्ट्रीम के शोधार्थी एनालिटिकल और हाइपोथिटिकल मेथड का प्रयोग करते हैं। इस स्ट्रीम को मोटे तौर पर परफॉर्मिंग आर्ट्स (म्यूजिक), विजुअल आर्ट्स, रिलिजन, लॉ, एंसिएंट/ मॉडर्न लैंग्वेजेस, फिलॉस्फी, लिटरेचर, हिस्ट्री, जियोग्राफी, पॉलिटिकल साइंस, इकोनॉमिक्स, सोशियोलॉजी, साइकोलॉजी आदि विषयों में बांटा जाता है। ह्यूमेनिटीज में कई ऐसे विषय हैं, जिनकी पढ़ाई के बाद लॉ, जर्नलिज्म, बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन, मीडिया एंड एडवर्टाइजिंग और कम्यूनिकेशन आदि प्रोफेशनल पाठ्यक्रमों में पोस्ट ग्रेजुएशन किया जा सकता है।

आईआईटी में कोर्स

ह्यूमेनिटीज के आम जिंदगी में महत्व को इस बात से भी आंका जा सकता है कि अब आईआईटी जैसे प्रतिष्ठित तकनीकी संस्थान भी ह्यूमेनिटीज और सोशल साइंसेज में पाठ्यक्रम संचालित कर रहे हैं। आईआईटी मद्रास बारहवीं पास छात्रों के लिए ह्यूमेनिटीज में पांच वर्षीय इंटिग्रेटेड एमए पाठ्यक्रम संचालित करता है। इस पाठ्यक्रम में दाखिले के लिए यह संस्थान एचएसईई यानी ह्यूमेनिटीज एंड सोशल साइंसेज एंट्रेंस एग्जामिनेशन नाम से हर साल एक प्रवेश परीक्षा आयोजित करता है। इसी तरह आईआईटी गांधीनगर पोस्ट ग्रेजुएट स्तर पर एमए इन सोसायटी एंड कल्चर नाम से पाठ्यक्रम संचालित कर रहा है।

कैसा होगा करियर

दसवीं या बारहवीं पास करने वाले काफी छात्रों के मन में एक आम-सा प्रश्न होता है कि ह्यूमेनिटीज स्ट्रीम को चुनने के बाद उनके करियर का स्वरूप कैसा होगा? इस प्रश्न का कोई सीधा जवाब नहीं है, लेकिन यह स्पष्ट है कि करियर का स्वरूप काफी हद उनके द्वारा चुने गए पाठ्यक्रम पर निर्भर होता है। किसी ह्यूमेनिटीज विषय में डिग्री हासिल करने के बाद आप कई क्षेत्रों में रोजगार पा सकते हैं। स्कूलों, म्यूजियमों, एडवर्टाइजिंग एजेंसियों, अखबारों, आर्ट गैलरियों, पत्रिकाओं और फिल्म स्टूडियो आदि में भी काम के मौके तलाशे जा सकते हैं। इन अवसरों को देखते हुए यह कहना गलत नहीं होगा कि समय के साथ ह्यूमेनिटीज स्ट्रीम पर आधारित संभावनाओं का फलक और विस्तृत हुआ है।

इन क्षेत्रों में हैं मौके

- राइटिंग
- प्रोग्राम प्लानिंग
- टीचिंग
- रिसर्च
- इंटरनल कम्यूनिकेशन
- पब्लिक रिलेशन्स
- पॉलिसी रिसर्च एंड एनालिसिस
- एडमिनिस्ट्रेशन
- सोशल वर्क
- मैनेजमेंट
- इंफॉर्मेशन
- जर्नलिज्म
- आर्कियोलॉजी
- एंथ्रोपोलॉजी
- एग्रीकल्चर
- जियोग्राफी
- एनजीओ
- इंडस्ट्रियल रिलेशन
- लाइब्रेरी साइंस
- लिबरल आर्ट्स
- फिलॉस्फी

IIT बॉम्बे के स्टूडेंट्स ने बनाई विस्फोटक ढूंढने वाली इलेक्ट्रॉनिक नाक

जिन जगहों पर भीड़ ज्यादा हो, वहां पर विस्फोटकों का पता लगाने के लिए स्निफर डॉग्स को इस्तेमाल करना सुविधाजनक नहीं होता। मगर अब एक आसान तरीका ढूंढा गया है। आईआईटी बॉम्बे ने नैनो टेक्नॉलजी पर आधारित एक पोर्टेबल इलेक्ट्रॉनिक नोज (नाक) तैयार किया है, जो भीड़भाड़ वाली जगहों पर भी विस्फोटकों को सूंघ लेता है। इसका नाम ईनोज (eNose) रखा गया है।

आईआईटी बॉम्बे के 4 विभिन्न विभागों के 15 छात्रों की टीम ने इसे डिवेलप किया है। इसे भारत सरकार के प्रिंसिपल साइंटिफिक अडवाइजर के ऑफिस ने फंड किया है। ईनोज को दूर से संचालित करने के लिए मोबाइल फोन के साथ लिंक किया जा सकता है।

टेक्नॉलजी के बारे में बात करते हुए इलेक्ट्रिकल इंजिनियरिंग के प्रफेसर वी. रामगोपाल राव ने बताया, 'ईनोज के सरफेस पर खास कोटिंग लगी हुई है। इंसान के बाल की मोटाई के बराबर संरचनाएं इसमें हैं, जो सेंसर का काम करती हैं। इसपर लगे नैनो पार्टिकल्स पर विस्फोटक सामग्री के वाष्प कण चिपक जाते हैं।' यह RDX और ENT जैसे विस्फोटकों की पहचान कर सकता है। सरफेस पर अलग-अलग तरह की कोटिंग से यह अलग तरह के विस्फोटकों को पहचान सकता है। इसे इस तरीके से तैयार किया गया है कि बिल्कुल इंसान या जानवर की नाक की तरह काम करता है। इसे पंप के साथ फिट किया गया है, जो आसपास की हवा को अंदर लेकर और बाहर छोड़ता रहता है। ईनोज को गतिशील गाड़ी में भी इस्तेमाल किया जा सकता है, क्योंकि इसे वाइब्रेशन से पावर मिलती है। यह सरफेस वाइब्रेशन से चार्ज किया जा सकता है। यह मकैनिकल एनर्जी को इलेक्ट्रिकल एनर्जी में तब्दील कर देता है। इस नाक को तैयार करने में इस्तेमाल हुए हिस्सों पर 5 से 10 हजार रुपये का खर्च आया है।

रेसिपी

चॉकलेट पराठा

सामग्री

1 कप चॉकलेट पेस्ट
3 कप गेहूं का आटा
तेल तलने के लिए
नमक स्वादानुसार

विधि

सबसे पहले एक कटोरे में आटाए नमक और पानी मिला कर नरम गूथ लें। अब गूथे हुए आटे में से थोड़ा सा हिस्सा निकालें और उसे मसल कर बेल लें। बेले हुए हिस्से में चॉकलेट पेस्ट बीच में रख कर फैलाएं। अब आटे को सब तरफसे बंद करें और दुबारा बेलें। अब गरम तवे पर तेल लगा कर पराठे सेकें। पराठे को दोंनो ओर गोल्डन ब्राउन होने तक सेंके। आपका पराठा सर्व करने के लिए तैयार है।

होल व्हीट ब्रेड रोल्स

सामग्री

2 कप गेहूं का आटा
1 टी.स्पून सूखा खमीर
1 टी.स्पून शक्कर
1 टेबल.स्पून नरम मक्खन
नमक स्वादअनुसार

विधि

एक छोटे बाउल मेंए खमीरए शक्कर और 2 टेबल.स्पून गुनगुने पानी को मिला लें और ढक्कन से ढ़ककर 10 मिनट के लिए रख दें। एक गहरे बाउल में गेहूं का आटा मक्ख़न नमक और खमीर.शक्कर के मिश्रण को मिला लें और लगभग 3-4 कप गुनगुने पानी का प्रयोग कर नरम आटा गूंथ लें। आटे को हल्के गीले सुती कपड़े से ढ़ककर 20 मिनट के लिए रख दें। बेकिंग ट्रे को तेल से चुपड़कर रख दें। आटे को 8 भागो में बांट लें और प्रत्येक भाग के गोले बनाकर चुपड़ी हुई बेकिंग ट्रे पर रख दें। हल्के गीले सूती कपड़े से ढ़ककर 45 मिनट या एनके अच्छी तरह फूल जाने तक 45 मिनट के लिए गरम जगह पर रख दें। पहले से गरम अवन में 200°Ō ;400°çh के तापमान पर 20 मिनट के लिए बेक कर लें। हल्का ठंडा कर परोसें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**